@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 31 अगस्त 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 291 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

7 साल बाद पीएम मोदी चीन पहुंचे

● तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन में लेंगे हिस्सा

एजेंसी
तियानजिन (चीन)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात साल बाद चीन पहुंचे हैं। वे यहां 31 अगस्त से 1 सितंबर तक तियानजिन में आयोजित हो रहे शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। यह सम्मेलन अब तक का सबसे बड़ा माना जा रहा है। जापान की दो दिवसीय यात्रा पूरी करने के बाद पीएम मोदी शनिवार देर शाम तियानजिन पहुँचे। यहां वे स्ष्ट्ह शिखर सम्मेलन के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य सदस्य देशों के नेताओं से मुलाकात करेंगे। चीन पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट कर कहा- 'मैं अभी तियानजिन पहुंचा हूं। शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में सार्थक चर्चाओं और विभिन्न देशों के नेताओं से मुलाकात को लेकर बेहद उत्साहित हूँ।' इस दौरे को भारत की कूटनीति और क्षेत्रीय सहयोग के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

जम्मू में बारिश ने मचाई तबाही

6000 घरों में घुसा पानी, 150 से अधिक घर क्षतिग्रस्त

● 200 वाहनों में आई खराबी

एजेंसी
जम्मू। मूसलाधार बारिश से शहर में छह हजार से ज्यादा घरों में जलभराव हुआ। एक हजार के आसपास घरों में मलबा भरा और लगभग 150 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं।

शहर भर में नुकसान का आकलन कर रही विभिन्न विभागों की टीमों से इस आंकड़े का पता चला है।

26 अगस्त को हुई बारिश से काफी तबाही मची। पानी ओवरफ्लो होने के कारण लोगों के घरों में जा घुसा। इससे घरों में रखा सामान खराब हो गया। जिला प्रशासन की टीमें शहरभर में नुकसान का आकलन कर रही हैं। हर घर में जाकर रिपोर्ट बनाई जा रही है। इन टीमों में तहसीलदार, नायब तहसीलदार स्तर के अधिकारियों की सेवाएं ली जा रही है। आंकलन पूरा होने के बाद रिपोर्ट को सौंपी जाएगी और बनता मुआवजा सरकार की ओर से दिया जाएगा।हालात यह हैं कि चौथे दिन भी घरों में मलबा भरा पड़ा है। कई घरों में दरारें आई हैं तो कहीं पर दीवारें गिर गई हैं। जिन घरों में पानी घुसा है। यहां पर बिजली उपकरण, बेड, अलमारी को भी नुकसान हुआ है। इस कारण बारिश से सबसे ज्यादा परेशानी गरीब परिवारों को पेश आई है। घरों में फ्रिज टीवी, लैपटॉप, बेड, अल्मारियां, इंडक्शन सहित अन्य घरेलू सामान खराब हुआ है। शहर के प्रभावित इलाकेमुट्ठी, राजेंद्र नगर, पीरखो, गुज्जर नगर, राजीव नगर, जानीपुर, तालाब तिल्लो, कैलाश नगर, जीवन नगर, सैनिक कालोनी, गंग्याल, अपना बिहार, संजय नगर, कुंजवानी सहित अन्य इलाकों में सबसे अधिक नुकसान होने की सूचना है। खराब इलेक्ट्रानिक सामान ठीक कराने आ रहे लोगबारिश से घरों में पड़ा लोगों का ज्यादा इलेक्ट्रानिक सामान खराब हुआ है। बारिश से पंखे, मोबाइल, फ्रीज, टीवी, इंडक्शन, लैपटाप, वाशिंग मशीन आदि को नुकसान हुआ है। लोग घरों में सामान की मरम्मत कराने के लिए मैकेनिकों को बुला रहे हैं। तालाब तिल्लो में बिजली उपकरणों की दुकान करने वाले श्याम सिंह ने कहा कि लोग इलेक्क्ट्रानिक सामान ठीक करवाने आ रहे हैं। कुछ उपकरणों में करंट आने जैसी समस्या आ रही है। फिलहाल उपकरण ठीक कर वापस दिए जा रहे हैं।फर्नीचर को भी क्षतिघरों में पानी घुसने के कारण घरों में प्लाईवुड से बने फर्नीचर को नुकसान पहुंचा है। बेड से प्लाई बाहर आ गई है तो अलमारी का भी बुरा हाल हो गया है। बारिश के दौरान से दो से तीन फुट तक लोगों के घरों में पानी घुसा। इस कारण फर्नीचर को नुकसान हुआ है। परेड में फर्नीचर की दुकान करने वाले कुशाल सिंह ने कहा कि हर साल नए घरों के लिए तीन से दस लाख तक फर्नीचर की खरीद होती है। बारिश से प्लाईवुड को काफी नुकसान पहुंचना है। अब फिर से डिमांड आ रही है।

● सड़क किनारे खड़े वाहनों को नुकसानसड़क, नालों और समतल जगहों में खड़े वाहनों को भी नुकसान हुआ है।

दिल्ली में बर्ड फ्लू की दस्तक...

● नोएडा-ग्रेटर नोएडा में प्रशासन अलर्ट; 226 सैंपल भेजे लैब

एजेंसी
दिल्ली। दिल्ली चिड़ियाघर में एवियन इन्फ्लुएंजा बर्ड फ्लू का मामला प्रकाश में आने के बाद गौतमबुद्धनगर प्रशासन भी सर्तक हो गया है। पशुपालन विभाग ने पशु चिकित्साधिकारियों और वन अधिकारियों को बीमारी की रोकथाम के लिए प्रोटोकॉल का पालन करने का निर्देश दिए है। वहीं वेटलैंड, पोट्री फार्म से पक्षियों के नमूने एकत्र किए जा रहे है। 16 अगस्त को रामपुर में तीन स्थानों पर पोट्री फार्म में लिए गए नमूने में एवियन एन्फ्लूएन्जा की पुष्टि हुई थी। जिसके चलते सहारनपुर, मुज्जफरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली एवं पीलीभीत जनपदों की सीमा सील कर दी गई थी। गौतमबुद्धनगर में पशुपालन विभाग ने जिले में पोट्री फार्म से नमूने एकत्र कर जांच के लिए लैब भेज गए। जिले में 16 पोट्री फार्म है। जिनमें 1 लाख 17 हजार पक्षी है। अब तक इन फार्म में 226 नमूने लेकर जांच के लिए लैब भेजे है। जांच में अभी तक जिले में कोई भी वर्ड फ्लू का मामला प्रकाश में नहीं आया है। दिल्ली के चिडियाघर में दो पक्षियों के वर्ड फ्लू से मारने का मामला आने से प्रशासन सर्तक हो गया है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने सभी पशु चिकित्साधिकारी, उपमुख्य पशु चिकित्साधिकारी, प्रभागीय वनाधिकारी को पत्र भेजकर निर्देश जारी किए है कि गौतमबुद्धनगर दिल्ली से सटा है।

मेरा एक ही सपना, खिलाड़ी विश्व विजेता बनें और भारत का नाम रोशन करें: सीएम रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 30 अगस्त। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार उनका सपना है कि दिल्ली के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक आयोजनों से पदक जीतकर वापस लौटें और भारत का तिरंगा पूरी दुनिया में फहराएं। इसी सपने को साकार करने के लिए दिल्ली सरकार ने राजधानी के विजेता खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि प्रभावी बढ़ोतरी की है, साथ ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं देने के लिए विशेष कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कल त्यागराज स्टेडियम में आयोजित संवाद सत्र में उभरते खिलाड़ियों और देश के प्रतिष्ठित खिलाड़ियों के बीच पहुंचकर अपने विचार साझा किए और दिल्ली सरकार की खेल नीति की जानकारी दी। इस कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, विधायक राजकुमार भाटिया व अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने दिल्ली के प्रतिभावान छात्रों और खिलाड़ियों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए कहा कि दिल्ली और भारत का भविष्य इन्हीं युवाओं के हाथों में है, जो आने वाले समय में राष्ट्र का गौरव बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने वाले चैंपियनों रवि दहिया, शरद कुमार, तेजस्विन शंकर, नारायण ठाकुर, नरेंद्र ग्रेवाल और प्रीतम रानी जैसी हस्तियों का विशेष उल्लेख किया और उनके योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में भारत के खिलाड़ियों का प्रदर्शन आज पूरी दुनिया में भारत की पहचान बन चुका है। जब कोई खिलाड़ी पदक जीतता है तो वह सम्मान केवल खिलाड़ी या संस्था का नहीं, बल्कि पूरे 140 करोड़ भारतीयों का होता है। मुख्यमंत्री ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व का भी उल्लेख करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में खेलों को पहली बार वह सम्मान और संवैधानिक मान्यता मिली, जिसकी लंबे समय से आवश्यकता थी। उन्होंने बताया कि हाल ही में बनाए गए राष्ट्रीय खेल शासन कानून-2025 के माध्यम से खेलों को नई ऊंचाइयां मिलेंगी और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि हमारी सरकार ने हमेशा खिलाड़ियों का सम्मान सुनिश्चित करने और उन्हें उचित अवसर प्रदान करने का प्रयास किया है।

आरक्षण मुद्दे के समाधान के लिए संविधान संशोधन जरूरी : शरद पवार

एजेंसी
अहिल्यानगर । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-एसपी के प्रमुख शरद पवार ने आरक्षण मुद्दे पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देशभर में आरक्षण के मुद्दे को सुलझाने में केंद्र सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है। सरकार को संसद के जरिए संविधान में संशोधन कर आरक्षण पर फैसला लेना चाहिए। एनसीपी-एसपी के प्रमुख शरद पवार ने एक कार्यक्रम में कहा, 'आरक्षण के मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उचित समय पर संविधान में संशोधन करके सुलझाना चाहिए।' उन्होंने कहा कि आरक्षण के मुद्दे पर समाज में दरार पैदा हो रही है, जिससे समाज में कटुता पैदा हो रही है। तमिलनाडु में 72 प्रतिशत आरक्षण का उदाहरण देते हुए पवार ने कहा, 'अगर आरक्षण के मुद्दों को सुलझाना है, तो राष्ट्रीय स्तर पर ही निर्णय लिए जाने चाहिए। केंद्र सरकार को इस पर फैसला लेना होगा। अगर तमिलनाडु में 72 प्रतिशत आरक्षण दिया जा सकता है, तो उचित समय पर संविधान में संशोधन करके आरक्षण के मुद्दे को सुलझाने के लिए संसद में निर्णय लिया जाना चाहिए।' पवार ने कहा, 'हम संसद के कुछ सदस्यों के साथ बातचीत कर रहे हैं। पार्टी सांसद नीलेश लंके और कुछ अन्य सहयोगियों ने भी एक बैठक की। अगर हम देश और अन्य राज्यों को इस बारे में समझा दें, तो यह मुद्दा सिर्फ महाराष्ट्र का नहीं रह जाएगा। हर राज्य में छोटे-छोटे लोग होते हैं। किसान समूह भी हैं। इसलिए, अगर हम संविधान में संशोधन का रुख अपनाएं, तो आरक्षण का मुद्दा हल हो सकता है।'

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की कॉलेजियम से मांग, कहा- शीर्ष अदालत में की जाए महिला न्यायाधीशों की पदोन्नति

एजेंसी
अहिल्यानगर । सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने शीर्ष अदालत और देशभर के हाईकोर्ट में महिला न्यायाधीशों के कम प्रतिनिधित्व पर चिंता जाहिर की। इसे लेकर बार एसोसिएशन ने प्रस्ताव पास किया। एसोसिएशन ने प्रस्ताव में कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश और कॉलेजियम से अनुरोध किया जाता है कि वे सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में न्यायिक नियुक्तियों के आगामी दौर में अधिक महिला न्यायाधीशों की पदोन्नति पर तत्काल और उचित विचार करें।बार निकाय ने कहा कि यह रिकॉर्ड में दर्ज है कि उत्तराखंड, त्रिपुरा, मेघालय और मणिपुर जैसे कई उच्च न्यायालयों में कोई महिला न्यायाधीश नहीं है। देशभर में उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों के लगभग 1100 स्वीकृत पद हैं।

स्वच्छता और शहरी विकास एक ही सिक्के के दो पहलू: मनोहर लाल

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय आवास और शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को कहा कि स्वच्छता और शहरी विकास एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। यह बातें उन्होंने मंत्रालय के स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ एक उच्चस्तरीय वर्चुअल बैठक के दौरान दिया। इस बैठक में शहरी भारत में स्वच्छता की दिशा में सुधार के लिए कई अहम फैसले लिए गए।मनोहर लाल ने कहा कि स्वच्छता को प्राथमिकता देने के लिए शहरी क्षेत्रों में अपशिष्ट जल और डंप साइट्स की पहचान की जानी चाहिए। साथ ही इन स्थानों को बदलने और सौंदर्यीकरण की प्रक्रिया को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। मंत्रालय ने राज्यों से अपशिष्ट जल क्षेत्रों की पहचान कर उनका समयबद्ध रूप से निपटारा करने के लिए रूपरेखा तैयार करने की अपील की। इसके लिए स्वच्छता ऐप का उपयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है, जिसके जरिए नागरिक अपनी शिकायतों को दर्ज कर सकते हैं और अधिकारियों तक पहुंचाने के लिए मदद प्राप्त कर सकते हैं। स्वच्छता का उद्देश्य केवल कागजों पर नहीं, बल्कि हर नागरिक के जीवन में दिखे और महसूस हो। स्वच्छता के साथ-साथ शहरी विकास को एक साथ लाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि शहरों को अधिक स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सके। आवास और शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू ने मीटिंग में राज्यों से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में तेजी लाने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन-यू 2.0 के पूरा होने में केवल 12 महीने शेष हैं, इसलिए निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी प्रमुख लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए तेज़ी से आगे बढ़ने का समय आ गया है।

तृणमूल सांसद की गृहमंत्री पर टिप्पणी घोर निदंनीय : आदित्यनाथ

एजेंसी
लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा की केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर टिप्पणी की कड़ी आलोचना की है। मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार को एक्स पोस्ट में लिखा कि गृहमंत्री अमित शाह पर तृणमूल सांसद द्वारा की गई असंसदीय और आपत्तिजनक टिप्पणी अक्षम्य तथा घोर निंदनीय है। तृणमूल कांग्रेस के राजनीतिक कुसंस्कारों को प्रकट करती यह टिप्पणी भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास करने वाले प्रत्येक भारतीय का अपमान है। तृणमूल कांग्रेस को इस अभद्र टिप्पणी के लिए अविलंब समूचे देश से माफी मांगनी चाहिए। एक वायरल वीडियो में सांसद मोइत्रा ने कहती दिख रही हैं कि घुसपैठ रोकना गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी है, जिसमें गृहमंत्री अमित शाह विफल रहे हैं। इसलिए उनका सिर काट कर प्रधानमंत्री की टेबल पर रख देना चाहिए।

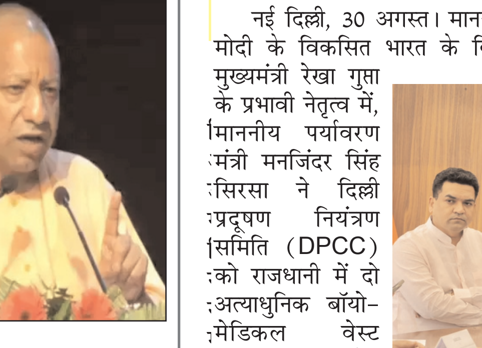

सिरसा ने दिल्ली में दो नये बॉयो-मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने के लिए DPCC को प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिये

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 30 अगस्त। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विज़न और माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के प्रभावी नेतृत्व में, माननीय पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (DPCC) को राजधानी में दो अत्याधुनिक बॉयो-मेडिकल वेस्ट (BMW) ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने हेतु तत्काल फीज़िबिलिटी स्टडी शुरू करने के निर्देश दिये। साथ ही मंत्री ने नॉन-बेडेड क्लिनिकों के लिए BMW सेवाशुल्क तार्किक करने का औपचारिक प्रस्ताव पेश करने को ष्ठत्र ।।स् से कहा, क्योंकि वर्तमान शुल्क उनकी न्यूनतम वेस्ट अमाउंट को नहीं दर्शाते। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि वे माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह को इस आवश्यकता और तथ्यों से अवगत कराएँगे। यदि बॉयो-मेडिकल कचरा अनुपचारित छोड़ दिया गया तो यह जन-स्वास्थ्य और वायु-गुणवत्ता के लिए गंभीर खतरा है। दो आधे-एकड़ के मौजूदा प्लांट पूरे शहर के 40 रुञ्ज दैनिक भार को अनिश्चितकाल तक नहीं उठा सकते, मंत्री ने कहा। प्रधानमंत्री मोदी जी के विकसित दिल्ली दृष्टिकोण के अनुरूप और मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हम इस कैपेसिटी गैप को इनोवेटिव व मापनीय समाधानों से जल्द दूर करने के लिए कार्यरत हैं। पिछले कई हफ्तों में की कई समीक्षा बैठकों में अधिकारियों ने बताया कि 3 करोड़ से ज़्यादा आबादी वाले दिल्ली की स्वास्थ्य-व्यवस्था मौजूदा BMW क्षमता से कहीं अधिक है।

शेष पृष्ठ 3 पर

संसदीय समितियां न सिर्फ बजट आवंटन, बल्कि परिणामों का भी करती हैं मूल्यांकन- ओम बिरला

● संसदीय समितियां न केवल बजट आवंटन की निगरानी करती हैं, बल्कि उनके परिणामों का मूल्यांकन भी करती हैं।

एजेंसी
भुवनेश्वर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राज्य एवम् केंद्र शासित प्रदेशों के विधानमंडलों की अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण समितियों के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए बिरला ने समावेशी विकास और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में संसदीय समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। बिरला ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि संसदीय समितियां न केवल बजट आवंटन की निगरानी करती हैं, बल्कि उनके परिणामों का मूल्यांकन भी करती हैं। बैंकिंग और अन्य क्षेत्रों में आरक्षण और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन सहित कई ऐतिहासिक निर्णय इन समितियों की सिफारिशों से सामने आए हैं। हालांकि सरकारें इन सिफारिशों को मानने के लिए बाध्य नहीं हैं, ज्यादातर सुझावों को आमतौर पर व्यापक विचार-विमर्श के बाद लागू किया जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य विधानसभाओं में समितियों को सशक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि वे प्रभावी ढंग से काम कर सकें, सर्वोत्तम प्रथाओं को अपना सकें और नई तकनीकों को एकीकृत कर सकें। इसका उद्देश्य दक्षता बढ़ाना और लोगों के लिए अधिकतम कल्याण सुनिश्चित करना है। बिरला ने समितियों की मुख्य जिम्मेदारी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका प्राथमिक उद्देश्य अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक और विधायी अधिकारों की रक्षा करना, उनकी चुनौतियों का समाधान करना और उनका कल्याण है। इस मिशन को आगे बढ़ाने के लिए एक विजन 2025 रोडमैप भी तैयार किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि समितियां नियमित रूप से हितधारकों के साथ बातचीत करती हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए कि सामाजिक कल्याण के लिए आवंटित धन का उचित उपयोग हो, क्षेत्रीय दौरे करती हैं। वे मौजूदा योजनाओं में संशोधन का सुझाव भी देती हैं या नई पहल की सिफारिश करती हैं। उन्होंने कहा कि परंपरागत रूप से, सरकारों ने इनमें से अधिकांश सिफारिशों को स्वीकार किया है। बिरला ने कहा कि सरकार के अलावा, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए राष्ट्रीय आयोग जैसी संस्थाएं भी मुद्दों की निगरानी और इन समुदायों के अधिकारों और कल्याण की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ने विभिन्न संसदीय मुद्दों पर मीडिया के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि संसदीय समितियों के माध्यम से अच्छे विचारों और प्रथाओं को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। समितियों के लिए सभी राजनीतिक दलों से नाम मांगे गए हैं, जिनका गठन जल्द ही किया जाएगा। बिरला ने संसद और राज्य विधानसभाओं में सार्थक और गरिमापूर्ण चर्चा की आवश्यकता पर बल दिया ताकि जनहित के मुद्दों पर बहस हो सके और समाज के गरीब और हाशिए पर पड़े वर्गों का कल्याण सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि देश की जनता भी यही अपेक्षा रखती है। उ?होंने लोकतंत्र में स्वस्थ बहस और रचनात्मक आलोचना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि असहमति लोकतंत्र की ताकत है, लेकिन इसे हमेशा गरिमापूर्ण तरीके से व्यक्त किया जाना चाहिए, चाहे वह नीतियों की आलोचना हो या सरकारी कामकाज की।

जम्मू-कश्मीर में एकनाथ शिंदे के लगे होर्डिंग्स, लोग पूछ रहे इनका यहां क्या काम

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के अमूमन होर्डिंग्स दिखाई देते हैं। लेकिन इस बार इनसे ज्यादा महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के होर्डिंग्स दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में श्रीनगर एयरपोर्ट के पास एक होटल में आयोजित बैठक में करीब 700 लोग शामिल हुए, जिसकी अध्यक्षता खुद महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने की। शिवसेना के स्थानीय नेता याक़ूब कुलगाम के रहने वाले हैं और पहले पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी यानी पीडीपी में थे। उन्होंने बताया कि बैठक से पहले एक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा, हमने बहुत सारे होर्डिंग्स लगाए ताकि लोग जान सकें कि शिवसेना कश्मीर में आ गई है। इन होर्डिंग्स के लिए हमने कोई भुगतान नहीं किया। हमारा मकसद था कि लोग इन्हें देखें और चर्चा करें।याक़ूब ने कहा कि एकनाथ शिंदे अक्सर घाटी का दौरा करते रहते हैं और यहां पार्टी को मजबूत करने के लिए गंभीर हैं। उन्होंने दावा किया कि, पहले शिवसेना को लेकर कश्मीर में कई भ्रांतियां थीं, लेकिन शिंदे जी के लगातार दौरों के कारण लोग अब पार्टी को सकारात्मक नजरिए से देखने लगे हैं। जून 2023 में शिंदे ने श्रीनगर में शिवसेना के 15 राज्यों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी। यह महाराष्ट्र से बाहर शिवसेना की पहली बड़ी बैठक थी। नवंबर 2023 में शिंदे ने एलओसी के नजदीक कुपवाड़ा में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया था।

स्पाइसजेट फ्लाइट केबिन प्रेशर में आई गिरावट, इमरजेंसी लैंडिंग कराई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से श्रीनगर आ रही स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी-385 को श्रीनगर एयरपोर्ट पर लैंडिंग करानी पड़ी। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के मुताबिक फ्लाइट केबिन प्रेशर में अचानक गिरावट आने से तेजी से नीचे आने लगी, जिसके बाद पायलट ने एयरपोर्ट से तुरंत प्रायोरिटी लैंडिंग की अनुमति मांगी। फ्लाइट को सुरक्षित उतारा गया। इस फ्लाइट में कुल 205 यात्री थे, जिनमें 4 बच्चे भी थे, साथ ही 7 क्रू मेंबर भी सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि केबिन प्रेशर की समस्या के चलते यह कदम उठाया गया। हालांकि, किसी यात्री या क्रू मेंबर ने कोई चिकित्सा सहायता लेने की जरुरत नहीं जताई। फ्लाइट का निरीक्षण किया जाएगा। स्पाइसजेट ने इस घटना पर बयान जारी करते हुए कहा कि फ्लाइट एसजी-385 के अप्रोच के दौरान केबिन एल्टीट्यूड वॉर्निंग मिली थी। इसके बाद विमान कुछ देर के लिए तेजी से नीचे आया। क्रू ने सभी जांचें कीं और पायलट ने सुरक्षा कारणों से प्रायोरिटी लैंडिंग की अनुमति मांगी। फ्लाइट सुरक्षित श्रीनगर एयरपोर्ट पर उतरी और सभी यात्री एवं क्रू मेंबर को सामान्य स्थिति में बाहर निकाला गया। केबिन एल्टीट्यूड वॉर्निंग तब जारी होती है जब विमान के केबिन के अंदर हवा का दबाव कम हो जाता है। इस चेतावनी के बाद विमान में ऑक्सीजन मास्क स्वत: गिर जाते हैं और पायलट को तुरंत विमान को नीचे ले जाकर लैंडिंग करनी होती है ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

आंतकियों का समंदर चाचा उर्फ बागू खान मुठभेड़ में मारा गया....घुसपैठ करने में माहिर

अमृतसर (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। सुरक्षा बलों ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में हुई मुठभेड़ के दौरान लंबे समय से वांटेड आतंकी बागू खान उर्फ समंदर चाचा को मार गिराया। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीआके) में 1995 से सक्रिय बागू खान को आतंकी गिरोहों में 'ह्यूमन जीपीएस' बताया जाता था। रक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, बागू बीते तीन दशकों में 100 से अधिक घुसपैठ प्रयासों को अंजाम देने में शामिल रहा। गुरेज सेक्टर की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और गुप्त रास्तों की बागू को गहरी जानकारी के चलते, उसके नेतृत्व में अधिकांश घुसपैठ के प्रयास सफल रहे। इसकारण वह हर आतंकी संगठन के लिए खास महत्व रखता था। बागू मूल रूप से हिजबुल कमांडर था, लेकिन बागू ने लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद सहित सभी आतंकी संगठनों को गुरेज और आसपास के इलाकों से घुसपैठ करने में मदद की। बागू को नैशेरा से घुसपैठ की कोशिश के दौरान सुरक्षाबलों ने ढेर किया। मुठभेड़ में एक अन्य आतंकी भी मारा गया। सूत्रों ने बताया कि वर्षों तक सुरक्षा बलों की निगरानी से बचता रहा बागू आखिरकार ताजा अभियान में सेना के द्वारा मारा गया। बागू की मौत को आतंकी संगठनों की लॉजिस्टिक और घुसपैठ नेटवर्क पर बड़ा झटका बताया जा रहा है। सेना के अधिकारियों का कहना है कि उसकी मौत से एलओसी के हिस्से में आतंकी गतिविधियों की योजना पर असर होगा। यह मुठभेड़ उस कार्रवाई के बाद हुई है, जिसमें भारतीय सेना ने गुरेज सेक्टर में दो घुसपैठियों को मार गिराया था। फिलहाल सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशों को देखकर इलाके में सुरक्षा बलों की कड़ी निगरानी जारी है और कई इलाकों में गोलीबारी की घटनाएं सामने आई हैं।

सपा नेता और पूर्व नगर अध्यक्ष के भतीजे पर ताबड़तोड़ फायरिंग

हापुड (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में सपा नेता और पूर्व नगर अध्यक्ष के भतीजे मनशाद पर कुछ बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की है, इससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह घटना नवादा अंडरपास के पास हुई थी।

बात दें कि पीड़ित मनशाद, जो सपा नेता और पूर्व नगर अध्यक्ष याद इलाही कुरैशी के भतीजे हैं। नवादा अंडरपास के पास बाइक पर सवार चार बदमाशों ने फायरिंग की। उन्हें पेट और जांघ में तीन गोलियां लगी हैं। परिवार ने बताया है कि यह हमला कपड़े के व्यापार से जुड़े किसी विवाद के कारण हो सकता है। मनशाद की हालत गंभीर है और उन्हें मेरठ के अस्पताल में रेफर किया गया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है। यह पूरी घटना मनशाद के दोस्त जमालुद्दीन के सामने हुई थी, जो तब उनके साथ बाइक पर थे। फायरिंग की आवाज सुनकर स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायल को अस्पताल पहुंचाया। एएसपी विनीत भटनागर और सीओ अनिता सिंह ने भी घटनास्थल का दौरा किया है।

गुजरात में 62 लाख फर्जी मतदाता, प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा का बड़ा दावा

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात प्रदेश कांग्रेस ने राज्य में मतदान में धांधली का गंभीर आरोप लगाते हुए एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने दावा किया है कि गुजरात की मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर छेड़छाड़ हुई है जिसमें लगभग 62 लाख फर्जी मतदाता शामिल हैं। सत्यापन के दौरान खासकर नवसारी लोकसभा और चोर्यासी विधानसभा क्षेत्रों में 30000 फर्जी मतदाता पकड़े गए। इस खुलासे के बाद कांग्रेस ने पूरे राज्य में मतदाता अधिकार अभियान शुरू करने की घोषणा की है। गुजरात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट किया कि किस तरह गुजरात में वोट चोरी हो रही है और गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और नवसारी से भाजपा सांसद सीआर पाटिल के निर्वाचन क्षेत्र में कुछ फर्जी वोट डाले गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि 182 विधानसभा क्षेत्रों में इस पद्धति से मतदान कराया गया था लगभग 62 लाख वोट चोरी हुए। अमित चावड़ा ने कहा लोकतंत्र की नींव और देश का संविधान हमें वोट देने का अधिकार देता है। लोकतंत्र इस समय खतरे में दिख रहा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने वोट चोरी का पर्दाफाश किया है। गुजराती इस बात से चिंतित हैं कि कहीं असली मतदाताओं की संख्या से ज़्यादा तो नहीं बढ़ गई है, नकली मतदाताओं की संख्या। लोकतंत्र एक व्यक्ति, एक वोट का अधिकार देता है। कांग्रेस की टीम द्वारा किए गए निरीक्षण के बाद पता चला कि मतदाता सूची में गड़बड़ी है। जब पूरे गुजरात की मतदाता सूची की जाँच की गई तो कई खुलासे हुए। गुजरात में एक व्यक्ति एक से ज़्यादा बार वोट देता है। ऐसे चोरों के कारण लोकतंत्र को ख़त्म करने की साजिश चल रही है। चोर्यासी विधानसभा में कुल मतदाताओं की संख्या 6 लाख है, जिनमें से 2.40 मतदाताओं की जाँच की गई, जिनमें से 30 हज़ार मतदाता फर्जी पाए गए। यह वोट चोरी देश में कैबिनेट मंत्री की ज़िम्मेदारी संभाल रहे एक नेता की मौजूदगी में हो रही है। चोर्यासी विधानसभा में भाजपा नेता संदीप देसाई विधायक हैं। इस विधानसभा में 12 प्रतिशत मतदाता फर्जी हैं। यदि जांच की जाए तो इस विधानसभा में 75,000 मतदाता फर्जी हो सकते हैं। अमित चावड़ा ने कहा कि मतदाता सूची में छेड़छाड़ के पाँच तरीके हैं। इनमें पूरी तरह से गलत मतदाता, मतदाता की स्पेलिंग में छेड़छाड़, एक व्यक्ति के तीन-चार मतदाता पहचान पत्र, पते में बदलाव और मतदाता सूची में भाषा से छेड़छाड़ शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पूरे गुजरात में मतदाताओं की संख्या 5 करोड़ 6 लाख है। अगर इन पाँच तरीकों को इस्तेमाल किया जाए तो एक चुनाव में 62.31 लाख वोट चोरी हुए हैं। अगर बड़े-बड़े नेताओं के इलाकों में ऐसे घोटाले हो रहे हैं, तो इसका मतलब है कि चौकीदार चोर है। अगर यह व्यवस्था 182 विधानसभा क्षेत्रों में लागू है, तो 62 लाख वोटों की चोरी हो रही है। चुनावों में मतदान में धांधली करके लोकतंत्र को नष्ट किया जा रहा है। गुजरात कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा ने कहा कि हम 2027 तक गुजरात के सभी मतदाताओं से

मिलेंगे और इन वोट चोरों को बेनकाब करेंगे। कांग्रेस ने घोषणा की है कि वह राज्य के हर गांव में जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करेगी और 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले मतदान में गड़बड़ी को खत्म करने के लिए चुनाव आयोग को एक प्रस्ताव सौंपेगी। कल दोपहर तीन बजे कलेक्टर कार्यालय के सामने होने वाले विरोध प्रदर्शन में प्रदेश भर से कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल होंगे और इस अभियान को और तेज किया जाएगा।

राष्ट्रहित के मुद्दों पर दलगत भावना से ऊपर उठकर कार्य करें : ओम बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधिनिर्माताओं से राष्ट्रहित के मुद्दों पर दलगत भावना से ऊपर उठकर कार्य करने का आग्रह किया। उन्होंने विधानमंडलों की बैठकों की संख्या में कमी और विधायी निकायों में सदस्यों के अमर्यादित आचरण पर क्षोभ व्यक्त किया। भुवनेश्वर, ओडिशा में संसद और राज्य विधानमंडलों की अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण समितियों के सभापतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए, बिरला ने कहा कि विधानमंडलों में चर्चा-संवाद का स्तर कम होना चिंता का विषय है। बिरला

ने कल्याणकारी योजनाओं को समाज के वंचित वर्गों तक सही मायने में पहुँचाने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए सरकारी धन के प्रभावी उपयोग और सुदृढ़ निगरानी तंत्र की आवश्यकता पर बल दिया और समावेशी विकास को गति देने में वित्तीय अनुशासन और प्रशासनिक जवाबदेही की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य वंचित वर्गों के उत्थान के उद्देश्य से सामाजिक कल्याण पहलों के लिए हर साल पर्याप्त संसाधन आवंटित किए जाते हैं । समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, बिरला ने कहा कि समितियां संसदीय लोकतंत्र का मुख्य आधार हैं। सदन में चर्चा पर हावी होने वाली राजनीतिक बाध्यताओं के विपरीत, समितियाँ दलगत राजनीति से ऊपर उठाकर मुद्दों की विस्तार से जाँच करती हैं और आम सहमति पर आधारित सिफ़ारिशें करती हैं।

राजनीति नहीं, अब पेंशन को लेकर पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ फिर चर्चा में

-पूर्व विधायक के नाते दिया आवेदन, हर माह मिलेगी 42 हजार पेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वह राजनीति को

लेकर नहीं, बल्कि पेंशन को लेकर हैं। राजस्थान विधानसभा में पूर्व विधायक के नाते उन्होंने पेंशन के लिए आधिकारिक तौर पर आवेदन दिया है। धनखड़ 1993 में अजमेर जिले की किशनगढ़ विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुने गए थे।

मीडिया रिपोर्ट में विधानसभा सचिवालय के मुताबिक पूर्व उपराष्ट्रपति को मासिक 42,000 रुपए पेंशन मिलने की पात्रता है। राजस्थान में यह व्यवस्था है कि कोई व्यक्ति अगर विधायक और सांसद दोनों रह चुका हो, तो वह दोनों पदों की अलग-अलग पेंशन ले सकता है। कई पूर्व जनप्रतिनिधि इस दोहरी पेंशन व्यवस्था का लाभ उठा रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इसकी पुष्टि की है कि जगदीप धनखड़ का पेंशन फॉर्म सचिवालय को मिला है और आगे की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है।

बता दें धनखड़ ने हाल ही में अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देकर सबको चौंका दिया था। उन्होंने 21 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर अपने इस्तीफे की जानकारी दी थी। इस्तीफे का कारण उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बताया था। लेकिन उनका यह फैसला तब सुर्खियों में आया जब उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले ही पद छोड़ दिया।

धनखड़ के इस्तीफे के बाद विपक्ष ने सवाल उठाने शुरू कर दिए। वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने तंज कसते हुए कहा कि अब तक तो 'लापता लेडीज़' सुना था, लेकिन ये पहली बार है जब 'लापता वाइस प्रेसिडेंट' की कहानी सुनने को मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि जब उन्होंने धनखड़ के निजी सचिव से संपर्क किया, तो उन्हें यह बताया गया कि वह आराम कर रहे हैं। इसके बाद से न कोई आधिकारिक बयान आया और न ही उनकी लोकेशन का पता चल सका।

राहुल-तेजस्वी की यात्रा में शामिल नहीं हुई ममता, अब भेज रहीं दो नेता

-वोटर अधिकार यात्रा में सीएम स्टालिन और रेड्डी कर चुके हैं शिरकत

पटना (एजेंसी)। बिहार में वोटर लिस्ट को संशोधित करने के लिए चुनाव आयोग ने एसआईआर अभियान चलाया। विपक्षी दलों का आरोप है कि इसके जरिए कई वैलिड वोटर्स के नाम हटाने का काम किया गया। चुनाव आयोग ने इस पर सख्त आपत्ति जताते हुए सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। ये सब घटनाक्रम ऐसे वक?त में हुआ, जब बिहार में विधानसभा चुनाव होना है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, आरजेडी नेता तेजस?वी यादव समेत विपक्ष के तमाम नेता 'वोट चोरी' जैसा गंभीर आरोप लगा रहे हैं। इन सबके बीच, विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इंडिया ब्लॉक को एकजुट करने की कवायद के तहत राहुल और तेजस?वी की अगुआई में बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाली जा रही है। इस यात्रा में तमिलनाडु के सीएम एमके स?टालिन और तेलंगान के सीएम रेवंत रेड्डी जैसे नेताओं ने शिरकत की। यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव भी इस यात्रा का हिस्सा बने लेकिन विपक्षी गुट की धाकड़ नेता और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी इस यात्रा से दूरी बनाए हुए हैं।

बता दें ममता बनर्जी विपक्ष की ताकतवर नेता हैं, ऐसे में वोटर अधिकार यात्रा में उनका शिरकत न करना कई तरह के सवाल खड़े कर रहा है। हालांकि, अब यह खबर सामने आई है कि सीएम ममता ने इस यात्रा में टीएमसी का प्रतिनिधित?व करने के लिए दो नेताओं को नामित किया है। इनमें यूसुफ पठान और ललितेश त्रिपाठी हैं। यूसुफ पठान बहरामपुर सीट से सांसद हैं, वहीं ललितेश त्रिपाठी टीएमसी की नेशनल वर्किंग कमेटी के सदस्य हैं। अब ये दोनों नेता वोटर अधिकार यात्रा में ममता बनर्जी की पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे।

दिलचस्प बात यह है कि पश्चिम बंगाल में भी वोटर लिस्ट को अपडेट करने की कोशिश की जा रही है। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल की सीएम ममता ने कोलकाता की रैली में बीजेपी, चुनाव आयोग और वामपंथी दलों पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है, जबकि उसका अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान तीन महीने का है। ममता बनर्जी ने बंगाल की जनता से आह्वान किया कि अगर कोई सर्वे करने आए तो कोई जानकारी न दें। अपना आधार कार्ड तैयार रखें। दरअसल, पश्चिम बंगाल में भी अगले साल 2026 में विधानसभा चुनाव होना हैं।

प्रदेश में टीएमसी का बीजेपी से सीधा मुकाबला है। बंगाल की सीएम भी चुनाव आयोग पर लगातार आरोप लगाती रही हैं। बिहार में राहुल गांधी और तेजस?वी यादव की

वोटर अधिकार यात्रा में इंडिया ब्लॉक के एक और दिग्गज नेता ने हिस्सा लिया। अब अखिलेश यादव की भी इस यात्रा में एंट्री हो चुकी है। चुनाव आयोग की ओर से कथित तौर पर 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने के विरोध में शुरू हुई वोटर अधिकार यात्रा अब अंतिम चरण में है। बता दें राहुल गांधी और तेजस?वी यादव की अगुआई में निकाली जा रही इस यात्रा को विपक्ष का शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है और इसे लोगों का समर्थन भी मिल रहा है। यात्रा का भव्य स्वागत हो रहा है।

तेजस्वी के बिहार के सीएम बनने पर...बहन रोहिणी का अजीबोगरीब बयान

पटना । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में शनिवार को राजद अध्यक्ष लालू यादव की पुत्री रोहिणी आचार्या भी शामिल हुई हैं। इस बीच, उन्होंने इंडिया ब्लॉक में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर अजीबोगरीब बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अभी शादी नहीं है, सुहागरात किसके साथ मनाया जाएगा, इसकी आप सभी को चिंता है। उन्होंने कहा कि जो जरूरी है, वहीं पहले होगा। दरअसल, उन्होंने कहा कि अभी मतदाताओं के अधिकार की लड़ाई लड़ी जा रही है। अभी शादी की बात ही नहीं चल रही है और सुहागरात किसके साथ मनाया जाएगा, उसकी चर्चा हो रही है। जो ज्यादा ज़रूरी है, उसकी बात नहीं होगी। इस दौरान, उन्होंने नीतीश कुमार की सरकार पर तेजस्वी यादव की घोषणाओं को नकल करके लागू करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में बिहार की जनता एनडीए को जवाब देगी। उन्होंने कहा कि आज उन्हें नौकरी और रोजगार दिखाई पड़ने लगे हैं, पहले कहां थे? इन लोगों ने बिहार में एक सुई की फैक्ट्री भी नहीं लगाई है। उन्होंने कहा कि सारण में जो कुछ भी है, वह लालू और तेजस्वी यादव का किया हुआ है। प्रधानमंत्री हर बार चुनाव में बोलकर जाते हैं, लेकिन कुछ होता नहीं है। जब तेजस्वी ने घोषणाएं की, तब ये लोग उसी का कॉपी-पेस्ट कर योजना लागू कर रहे हैं। रोहिणी ने पिछले लोकसभा चुनाव में सारण से राजद की टिकट पर चुनाव लड़ी थीं। हालांकि, उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। उन्हें भाजपा के प्रत्याशी राजीव प्रताप रूडी ने पराजित किया था। रोहिणी आचार्या ने कहा कि इस चुनाव में भाजपा का सफाया तय है।

जम्मू कश्मीर में बादल फटने से 5 और भूस्खलन से एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में शनिवार भारी बारिश और भूस्खलन से कुल 10 लोगों की मौत हो गई। रामबन में बादल फटने से 5 की मौत हुई है। इसी तरह रियासी में हुए भूस्खलन से एक मकान ढह गया जिसमें एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई। महोर क्षेत्र के एक घर पर अचानक भूस्खलन हुआ जिससे मकान ढह गया और पूरा परिवार मलबे में दब गया। अधिकारियों के अनुसार, परिवार के सातों सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। शवों को मलबे से निकालने में तीन से चार घंटे लग गए।महोर के एसडीपीओ वकार यूनुस ने बताया कि घटना तड़के करीब 3 बजे हुई। बादल फटने से तेज बारिश और मलबे का बहाव हुआ, जिसके चलते घर धराशायी हो गया। उन्होंने कहा, पूरा परिवार मलबे में दब गया था। बचाव अभियान के बाद सुबह सभी शव बरामद कर लिए गए। जम्मू-कश्मीर में रामबन जिले के एक सुदूर गांव में बादल फटने से 5 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि जिला मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर दूर स्थित पर्वतीय क्षेत्र राजगढ़ में शनिवार सुबह

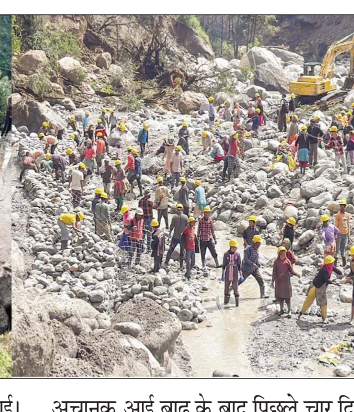

बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। अधिकारियों ने बताया कि बचावकर्मियों को दो महिलाओं समेत तीन लोगों के शव मिले हैं।

जम्मू जोन में 46 ट्रेन रद्द

उत्तर रेलवे ने 30 अगस्त को जम्मू, कटरा और उधमपुर रेलवे स्टेशनों से आने-जाने वाली 46 ट्रेन को रद्द करने की शुक्रवार को घोषणा की। मंगलवार को जम्मू क्षेत्र में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के बाद पिछले चार दिन से रेल यातायात स्थगित है। एक अधिकारी ने बताया कि जम्मू में कई स्थानों पर रेल लाइन के टूटने के कारण कठुआ और उधमपुर के बीच रेल यातायात स्थगित कर दिया गया है तथा ट्रेनें रद्द की जा रही हैं। इससे पहले, उत्तर रेलवे ने जम्मू, कटरा और उधमपुर रेलवे स्टेशनों से आने-जाने वाली 40 ट्रेनों को 29 अगस्त को रद्द करने की घोषणा की थी।

इसरो और जापान के साथ आने से मून मिशन को मिलेगी गति, जल्द हो सकेगा काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और जापान ने मिलकर मून मिशन को आगे बढ़ाने के लिए समझौता किया है। दोनों देशों ने चंद्रयान-5 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भेजने के लिए एक समझौते पर साइन किए हैं। इसरो और जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जाक्सा) के बीच यह पैक्ट साइन किया गया है जिसमें। जाक्सा के उपाध्यक्ष मातसुरा मायुमी और जापान में भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज शामिल थे। जापान की यात्रा के दौरान द योमिउरी शिंबुन को दिए एक साक्षात्कार में कहा, 'मुझे खुशी है कि भारत और जापान चंद्रयान श्रृंखला के अगले संस्करण या लूपेक्स (चंद्र ध्रुवीय अन्वेषण) मिशन के लिए हाथ मिला रहे हैं। इससे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर स्थायी रूप से छायांकित क्षेत्रों के बारे में हमारी समझ और गहरी होगी।'प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि भारत और जापान की वैज्ञानिक टीम अंतरिक्ष विज्ञान की

सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करेंगी।पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, 'अंतरिक्ष में हमारी साझेदारी न केवल हमारे क्षितिज का विस्तार करेगी, बल्कि हमारे आसपास के जीवन को भी बेहतर बनाएगी।' उन्होंने कहा कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा देश के वैज्ञानिकों के दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और नवाचार की कहानी है। चंद्रयान-5 मिशन का उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव में स्थायी रूप से छायांकित क्षेत्र (पीएसआर) के आसपास के क्षेत्र में चंद्रमा के पानी समेत अस्थिर पदार्थों का अध्ययन करना है। इस मिशन को जाक्सा द्वारा अपने एच3-24एल प्रक्षेपण यान से प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसमें इसरो निर्मित चंद्र लैंडर होगा, जो जापान निर्मित चंद्र रोवर को ले जाएगा। इसरो, चंद्र लैंडर के विकास के अलावा, चंद्र ध्रुवीय क्षेत्र में मौजूद वाष्पशील पदार्थों के अन्वेषण और यथास्थान विश्लेषण के लिए मिशन के लिए कुछ वैज्ञानिक उपकरण विकसित करेगा।

बिहार में 58 फीसदी लोगों ने माना एसआईआर सही, 17 फीसदी पक्ष में नहीं

– विपक्ष इस प्रक्रिया को लेकर लगातार चुनाव आयोग पर कर रहा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में ज्यादातर लोगों का मानना है कि बिहार में चुनाव आयोग की ओर से वोटर लिस्ट का विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) चुनाव प्रक्रिया को तय करने के लिए किया जा रहा है। एक सर्वे में 58 फीसदी लोगों का मानना है कि ये संशोधन चुनाव आयोग द्वारा नागरिकों के मतदान को सुनिश्चित करने के लिए किया गया। हालांकि सर्वे में 17 फीसदी लोगों ने कहा कि ये प्रक्रिया सत्तारूढ़ पार्टी को मदद करने के लिए किया गया है। वहीं 12 फीसदी लोगों ने इस संशोधन के प्रक्रिया के समय को संदिग्ध माना।

यह सर्वे 1 जुलाई से 14 अगस्त 2025 तक किया गया। इसमें 54,788 लोगों से सभी लोकसभा क्षेत्रों में राय ली गई। इसके अलावा नियमित डेटा से 1,52,038 इंटरव्यू का विश्लेषण किया गया। यानि कुल 2,06,826 लोगों की राय को इस रिपोर्ट में शामिल किया गया। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होना है। चुनाव आयोग ने अभी मतदान के लिए तारीखों का ऐलान नहीं किया है। विपक्ष एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लगातार चुनाव आयोग पर हमला कर रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने लोगों को वोट चोरी के खिलाफ जागरूक करने के लिए वोट चोरी यात्रा निकाली है। दोनों नेता प्रदेश भर में यात्रा कर रहे हैं और वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के मुद्दे को प्रमुखता से उठा रहे हैं। राहुल गांधी ने यात्रा के दौरान कहा था कि महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक की तरह बिहार में वोट चोरी नहीं होने देंगे।

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा शुरू किया गया एसआईआर एक अभियान है, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची को पूरी तरह से अपेडट और सही बनाना है। यह पहल जून 2025 में शुरू हुई, ताकि राज्य के हर योग्य नागरिक का नाम वोटर लिस्ट में शामिल हो सके और अयोग्य लोगों के नाम काटे जा सकें।

इस अभियान के तहत बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर सर्वे करता है। इस सर्वे में मतदाताओं के दस्तावेजों की पुष्टि, मृतकों के नाम हटाना, मकान बदलने की जानकारी लेना, दोहरी एंट्री और विदेशी नागरिकता जैसे मुद्दों की छानबीन की जाती है। अब तक 8 करोड़ से ज्यादा पात्र मतदाताओं के नाम की फिर से पुष्टि की जा चुकी है और संशोधित ड्राफ्ट की सूची प्रकाशित की गई है। चुनाव आयोग का दावा है कि अब तक लगभग 98 फीसदी मतदाताओं के दस्तावेज जमा हो चुके हैं।

इस बार चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और सूचियों की सटीकता सुनिश्चित करने के लिए सभी राजनीतिक पार्टियों के बूथ

एजेंट भी लगाए गए हैं, ताकि हर चरण पर उनकी भागीदारी हो। इस समन्वित प्रयास से बिहार की मतदाता सूची ज्यादा विश्वसनीय और अपडेटेड होगी, जिससे निष्पक्ष और प्रभावी चुनाव सुनिश्चित हो सके।

दर्शकों के लिए बंद किया गया दिल्ली का चिड़ियाघर, दो पक्षियों की मौत के बाद लिया गया फैसला

नई दिल्ली। चिड़ियाघर में एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) की पुष्टि हुई है। ऐसे में चिड़ियाघर को दर्शकों के लिए अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। यह कदम पेंटेड स्टॉर्क और ब्लैक-नेक्ड आइबिस की मौत के बाद लिया गया। जिनके नमूनों में गुरुवार रात भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान की जांच में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी एवियन इन्फ्लूएंजा की तैयारी, नियंत्रण और रोकथाम के लिए कार्य योजना के प्राणी उद्यान के लिए दिशा-निर्देशों के अनुसार तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मृत सारस के दो नमूनों को एवियन इन्फ्लूएंजा की जांच के लिए राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान भोपाल भेजे गए थे। इसके बाद दोनों नमूनों के लिए एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस के लिए सकारात्मक परिणाम की सूचना दी गई है। दो पक्षी के एच5एन1 बर्ड फ्लू वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद दिल्ली के चिड़ियाघर को शनिवार से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। दोनों मृत पक्षियों के नमूने 27 अगस्त को भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान भेजे गए है। 28 अगस्त को जांच में उनमें एच5एन1 वायरस की पुष्टि हुई। अधिकारियों ने बताया कि चिड़ियाघर को बंद करना जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक कदम है और अगली सूचना तक ये लागू रहेगा। अधिकारियों ने बताया कि चिड़ियाघर को बंद करना जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक कदम है और अगली सूचना तक ये लागू रहेगा। दो पक्षी के एच5एन1 बर्ड फ्लू वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद दिल्ली के चिड़ियाघर को शनिवार से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। दोनों मृत पक्षियों के नमूने 27 अगस्त को भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान भेजे गए है। 28 अगस्त को जांच में उनमें एच5एन1 वायरस की पुष्टि हुई। अधिकारियों ने बताया कि चिड़ियाघर को बंद करना जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक कदम है और अगली सूचना तक ये लागू रहेगा।

प्रदूषण की चपेट में जीवनदायिनी यमुना, दिल्ली जल बोर्ड के 37 में से 14 ट्रीटमेंट प्लांट ठप

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। यमुना नदी के किनारे स्थित दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के 37 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) में से 14 संयंत्रों के काम नहीं करने से जीवन दायिनी यमुना प्रदूषण की चपेट में आ गई हैं। यह खुलासा दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को सौंपी अपनी हालिया रिपोर्ट में किया है। रिपोर्ट के अनुसार, एसटीपी निर्धारित मानकों को पूरा नहीं करते पाए गए।, जिसमें फीकल कोलीफॉर्म के मानक भी शामिल हैं। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने डीपीसीसी को उन 14 एसटीपी के खिलाफ सुधारात्मक और दंडात्मक कार्रवाई करने के लिए कहा है। साथ ही, इसकी कार्रवाई रिपोर्ट आठ सप्ताह के अंदर देने का आदेश दिया है। पीठ में विशेष सदस्य डॉ. ए. सेंथिल वेल, ईश्वर सिंह और डॉ. प्रशांत गर्गवा शामिल रहें। मामले में अगली सुनवाई 11 नवंबर को होगी। कामकाज की समीक्षा की एक रिपोर्ट से पता चला है कि यूवी और क्लोरीनीकरण विधियों का उपयोग किया जा रहा है, लेकिन कई प्लांट निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतर रहे हैं। आईआईटी दिल्ली को सीवेज ट्रीटमेंट में यूवी तकनीक की प्रभावशीलता की जांच करने का निर्देश दिया गया है। शहर का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा सीवर लाइनों से जुड़ा हुआ है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यमुना के गंदे पानी में हाथ डालना भी बीमारियों को न्योता देने जैसा है। दिल्ली के साथ साथ इसका सबसे ब?ा नुकसान उन लोगों को भुगतना

प? रहा है जिनकी जिंदगी यमुना पर ही आश्रित है। थिंक टैंक सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में यमुना का 22 किलोमीटर लंबा हिस्सा है, जो नदी बेसिन की कुल लंबाई का बमुश्किल 2 प्रतिशत है। वह पूरी नदी में प्रदूषण के 80 प्रतिशत से अधिक हिस्से का योगदान देता है। अदालत ने कहा कि सीपीसीबी और डीपीसीसी ने केवल एसटीपी की तरफ से पूरा किए जाने वाले मानकों को निर्धारित किया है, लेकिन उस तकनीक को नहीं, जिसे अपनाया जाना है। ऐसे में यह पता लगाने की आवश्यकता है कि क्या डीजेबी की तरफ से एसटीपी में अपनाई गई यूवी-तकनीक प्रभावी है। केंद्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण इंजीनियरिंग संगठन के सीवेज उपचार तकनीकों के मैनुअल में यूवी, ओजोनेशन आदि जैसे विकल्पों का खुलासा किया गया है, लेकिन उनकी प्रभावशीलता की जांच की जानी है। यह किसी विशेषज्ञ निकाय व संस्थान से पता लगाया जा सकता है। ऐसे में अदालत ने आईआईटी दिल्ली से अनुरोध किया कि वह इस मुद्दे की जांच करे और एसटीपी में कीटाणुशोधन के लिए यूवी के उपयोग की व्यवहार्यता और प्रभावशीलता के पहलू पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करे और साथ ही मानकों को प्राप्त करने के लिए सीवेज (तरल मैट्रिक्स) में फीकल कोलीफॉर्म की प्रतिशत संख्या को नष्ट करने के लिए आवश्यक यूवी तरंगदैर्ध्य, तीव्रता, एक्सपोजर समय और दूरी का भी खुलासा करे। डीपीसीसी के एक आंकड़े के अनुसार, वर्ष 2017-18 से 2020-21 के बीच पांच वर्षों में यमुना की सफाई में जुटे विभिन्न विभागों को 6856.9 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई थी। यह धनराशि यमुना में गिरने वाले गंदे पानी के शोधन के लिए दिया गया था। 2015 से 2023 की पहली छमाही तक केंद्र सरकार ने यमुना की सफाई के लिए दिल्ली जल बोर्ड को लगभग 1200 करोड़ रुपये दिए थे। इसमें नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा के अंतर्गत 1000 करोड़ रुपये और यमुना एक्शन प्लान-3 के अंतर्गत 200 करोड़ रुपये दिए गए थे।

पूर्वी दिल्ली के मंडावली में बारिश के कारण जर्जर मकान की दीवार गिरी, तीन स्कूली छात्र घायल

दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मंडावली इलाके में बारिश के कारण एक जर्जर मकान की दीवार सड़क पर गिर गई। हादसे में वहां से गुजर रहे तीन स्कूली बच्चे चपेट में आ गए। लोगों ने तीनों बच्चों को निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। तीनों के पैर में चोट लगी है। बच्चों की पहचान आठ साल के पंकज, 10 साल के ध्रुव और आठ साल के आदी के रूप में हुई है। दीवार गिरने से बिजली का एक खंभा भी टेढ़ा हो गया। जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि शुक्रवार दोपहर 12.58 बजे मंडावली थाने में जर्जर मकान की दीवार गिरने की सूचना मिली। एक महिला ने पुलिस को बताया कि बाड़ा चौक के पास दीवार सड़क पर गिरने से वहां से गुजर रहे तीन स्कूली बच्चे घायल हो गए हैं। पुलिस तत्काल साकेत ब्लॉक के गली संख्या 12 स्थित घटनास्थल पर पहुंची। तब तक लोग बच्चों को अस्पताल में भर्ती करा चुके थे। पता चला कि तीनों बच्चों को पैर में मामूली चोट लगी है। जांच करने पर पता चला कि एक पुराने जर्जर मकान में काफी समय से ताला लगा हुआ है। बारिश के दौरान जर्जर मकान की दीवार सड़क की ओर गिर गई। उस दौरान बच्चे स्कूल से घर जा रहे थे जिसकी चपेट में आ गए।

अब स्वादिष्ट व्यंजन परोसेगा डीडीए, पांच जगहों पर खुलेंगे आरंभ कैफे

नई दिल्ली। राजधानी के व्यस्त मोहल्लों में अब डीडीए आरंभ कैफे खोलने जा रहा है। यहां दिल्लीवासियों को स्वादिष्ट व्यंजन परोसे जाएंगे। पहले फेज में दिल्ली में तीन साल के लाइसेंस आधार पर 5 कैफे खुलेंगे जहां लोग चाय-कॉफी के साथ किताबें पढ़ सकेंगे। यदि संचालकों ने बेहतर प्रदर्शन किया तो डीडीए इनके लाइसेंस को 9 साल के लिए बढ़ा देगा। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने आम लोगों, युवा उद्यमियों और छोटे कारोबारियों के लिए इन 5 कैफे के लिए ई-नीलामी शुरू की है। ये कैफे विभिन्न सामुदायिक केंद्रों में होंगे जहां उद्यमशील लोग अपना काम शुरू कर स्थानीय लोगों को स्वादिष्ट खानपान मुहैया कराएंगे। डीडीए अधिकारियों का कहना है कि इससे न सिर्फ रोजगार पैदा होगा बल्कि डीडीए को भी आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी। आरंभ कैफे समुदाय के लोगों को एक जगह इकट्ठे होने के लिए ये बेहतर ठिकाना भी बनेंगे। लाइसेंस की अवधि शुरुआत में 3 साल की है जो अच्छे प्रदर्शन पर दो बार 3-3 साल बढ़ाकर 9 साल तक हो सकती है। छठे साल के बाद आखिरी विस्तार दोनों पक्षों की सहमति से होगा। फीस हर तिमाही पहले महीने की 10 तारीख से पहले जमा करनी होगी। इसमें सालाना 5 फीसदी बढ़ोतरी और हर 3 साल बाद 10 फीसदी अतिरिक्त बढ़ेगी। अनुभवी लोगों को प्राथमिकता से लाइसेंस मिलेगा। डीडीए ने 26 अगस्त को आरंभ कैफे की बोली के लिए नोटिस जारी किया है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन और हेल्प डेस्क शुरू की गई है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 25 सितंबर को शाम 6 बजे तक है। ऑनलाइन बोली 30 सितंबर को लगेगी। कैफे के लिए दिल्ली के अलग-अलग इलाकों के सामुदायिक केंद्रों में पहले से जगह तैयार है। यहां बस अपना सामान लगाकर काम शुरू करना है। ये योजना उन लोगों के लिए उपयोगी साबित हो सकती है जो खानपान के क्षेत्र में हाथ आजमाना चाहते हैं। यहां खाना, चाय, कॉफी, बेकरी उत्पाद व स्नैक्स आदि परोस सकते हैं। डीडीए की ओर से बेसिक सुविधाएं जैसे बिजली, पानी और परोसने का क्षेत्र मिलेगा लेकिन मशीनरी व रखरखाव की जिम्मेदारी उद्यमी की होगी। सुरक्षा के लिए फायर सेफ्टी लगाना और क्षेत्र को साफ सुथरा रखना जरूरी है। डीडीए सिर्फ सफल बोली लगाने वाले से ही डील करेगा कोई सब लाइसेंस या पार्टनरशिप नहीं होगी। द्वारका सेक्टर-9 मेट्रो स्टेशन के पास डीडीए अमृत धारा फूड कोर्ट खोलने जा रहा है। इसके लिए ई-नीलामी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। युवा उद्यमियों और छोटे कारोबारियों के लिए ये बड़ा अवसर है। फूड कोर्ट में 30 कियोस्क होंगे। इसके लिए 382.40 वर्गमीटर खुला क्षेत्र और 140.02 वर्ग मीटर बनाया हुआ क्षेत्र मिलेगा। इसकी आरक्षित कीमत 1.94 करोड़ रुपये सालाना तय की गई है। डीडीए ने जानकारी दी है कि लाइसेंस फीस नीलामी में बढ़ सकती है। यहां वेज और नॉनवेज व्यंजन, स्नैक्स, गर्म-ठंडे पेय व पैक सामान परोसा जा सकता है। द्वारका की रिहायश को ध्यान में रखकर डीडीए ने इसका डिजाइन किया है। रखरखाव और सुरक्षा की जिम्मेदारी लाइसेंसधारी की होगी। डीडीए ने 26 अगस्त को इसका नोटिस जारी किया है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। 30 सितंबर तक ऑनलाइन बोली लगाई जा सकती है।

मेरा एक ही सपना, खिलाड़ी विश्व विजेता बनें और भारत का नाम रोशन करें: सीएम रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने उल्लेख किया कि पिछली सरकार द्वारा खेलों और खिलाड़ियों को उचित महत्व नहीं दिया जाता था, न पुरस्कार राशि बढ़ाई जाती थी और न ही खिलाड़ियों के लिए आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था थी। लेकिन वर्तमान सरकार ने खिलाड़ियों के लिए पुरस्कार राशि, सुविधाओं और संसाधनों में बड़ा सुधार किया है, जिससे दिल्ली के खिलाड़ी अब राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि दिल्ली सरकार खिलाड़ियों को ओलंपिक, एशियाई खेल, कॉमनवेल्थ खेल और राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन के लिए करोड़ों रुपये तक का पुरस्कार और सम्मानजनक सरकारी नौकरी प्रदान कर रही है। साथ ही, विश्वस्तरीय खेल सिस्टम, उच्चस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं, उत्तम आहार, आधुनिक स्टेडियम और खेल मैदान उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने इस अवसर पर नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट 2025 (जिसे उन्होंने खेलों का संविधान कहा) का भी उल्लेख किया। इस कानून से खिलाड़ियों को और बेहतर सुविधाएं, प्रशिक्षित कोच, उचित आहार, और आवश्यक संसाधन उपलब्ध होंगे। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के शहरी विकास व शिक्षा मंत्री श्री अशीष सूद ने कहा कि दिल्ली के खिलाड़ियों की हर समस्या का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा और दिल्ली को खेलों की राजधानी बनाने के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा। सरकार खिलाड़ियों को हर सुविधा और समर्थन देगी। खिलाड़ियों का एक ही कर्तव्य है, मेडल लाना और दिल्ली का नाम रोशन करना। उन्होंने कहा कि शिक्षा और खेल विभाग यह भरोसा दिलाता है कि आपकी हर समस्या का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। किसी भी कमी को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री का कार्यालय और मेरा कार्यालय आपके लिए तत्पर रहेगा।

सिरसा ने दिल्ली में दो नये बॉयो-मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने के लिए DPCC को प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिये

प्रथम पृष्ठ का शेष

मंत्री ने बताया कि लगभग 3.16 करोड़ आबादी वाले पड़ोसी हरियाणा में 11 BMW प्लांट हैं, जबकि दिल्ली में केवल दो। हमने बड़ी कमिया विरासत में पाई, पर यह सरकार छोटी से छोटी कमियों को, बहु-स्तरीय पहल के ज़रिए ख़त्म करने के लिए प्रतिबद्ध है, उन्होंने कहा। आगामी प्लांट न सिर्फ क्षमता बढ़ाएँगे, बल्कि पर्यावरण-अनुकूल आधुनिक तकनीक भी अपनाएँगे जो राष्ट्रीय उत्सर्जन मानकों के अनुरूप होगी।

नाबालिग लड़कियों से चल रहा देह व्यापार

नई दिल्ली। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस ने गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) की सूचना पर स्वरूप नगर इलाके में चल रहे देह-व्यापार का खुलासा किया है। यहां महिला अपने साथियों के साथ नाबालिग लड़कियों से देह-व्यापार करवा रही थी। पुलिस ने छापा मारकर महिला समेत छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। मौके से पुलिस ने 15 साल की किशोरी व गर्भवती समेत चार महिलाओं को मुक्त कराया है। पकड़े गए आरोपियों में तीन ग्राहक भी शामिल हैं। पुलिस ने जबरन देह-व्यापार कराने, पॉक्सो समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस को मौके से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामान भी बरामद हुए हैं। कर भेजा गया। एनजीओ का शिवम नकली ग्राहक बनकर देह-व्यापार के अड्डे पर पहुंचा। वहां उसने दलाल को एक हजार रुपये ऑन लाइन दे दिए। इसके बाद उसने पुलिस टीम को इशारा कर दिया। टीम मौके पर पहुंची तो वहां भारती (50), सहयोगी देवेश यादव और अर्जुन कुमार मिले।इसके अलावा तीन ग्राहक साजिद, अखिलेश और रजनीश भी वहां पर मौजूद थे। पुलिस ने इन सभी छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मुक्त कराई लड़कियों ने बताया कि भारती, देवेश और अर्जुन ने इनको देह-व्यापार के लिए बुलाया था। एक डायरी मिली है। इसमें देह-व्यापार का हिसाब-किताब लिखा हुआ है। पुलिस इनसे पूछताछ कर पता लगा रही है कि कब से यह लोग देह-व्यापार का रैकेट चला रहे थे।

बारिश में जर्जर मकान की दीवार गिरी, तीन स्कूली छात्र घायल

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मंडावली इलाके में बारिश के कारण एक जर्जर मकान की दीवार सड़क पर गिर गई। हादसे में वहां से गुजर रहे तीन स्कूली बच्चे चपेट में आ गए। लोगों ने तीनों बच्चों को निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। तीनों के पैर में चोट लगी है। बच्चों की पहचान आठ साल के पंकज, 10 साल के ध्रुव और आठ साल के आदी के रूप में हुई है। दीवार गिरने से बिजली का एक खंभा भी टेढ़ा हो गया। जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि शुक्रवार दोपहर 12.58 बजे मंडावली थाने में जर्जर मकान की दीवार गिरने की सूचना मिली। एक महिला ने पुलिस को बताया कि बाड़ा चौक के पास दीवार सड़क पर गिरने से वहां से गुजर रहे तीन स्कूली बच्चे घायल हो गए हैं। पुलिस तत्काल साकेत ब्लॉक के गली संख्या 12 स्थित घटनास्थल पर पहुंची। तब तक लोग बच्चों को अस्पताल में भर्ती करा चुके थे। पता चला कि तीनों बच्चों को पैर में मामूली चोट लगी है। जांच करने पर पता चला कि एक पुराने जर्जर मकान में काफी समय से ताला लगा हुआ है। बारिश के दौरान जर्जर मकान की दीवार सड़क की ओर गिर गई। उस दौरान बच्चे स्कूल से घर जा रहे थे जिसकी चपेट में आ गए। नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिला विदेशी सेल ने महेंद्र पार्क में ट्रांसजेंडर बन कर अवैध रूप से रह रहे दो बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। इनके पास से 2 स्मार्टफोन जिनमें प्रतिबंधित आईएमओ एप इंस्टॉल था। दो बांग्लादेशी राष्ट्रीय पहचान पत्र भी पुलिस ने बरामद किया है। दोनों लालबत्ती पर लोगों से पैसे मांगते थे। उनकी पहचान ढाका बांग्लादेश निवासी खाजा मैनुद्दीन उर्फ खतीजा और राजेब चंद्र सरकार के रूप में हुई। जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया, मंगलवार को जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन एवं नई सब्जी मंडी के पास से दो संदिग्ध पकड़े गए। पूछताछ में उन्होंने खुद को भारतीय नागरिक बताया। लेकिन बोलचाल से पुलिस को उनपर शक हुआ। पुलिस ने उनके इंस्टाग्राम अकाउंट को खंगाला, जिसमें उनके बांग्लादेश का निवासी होने के प्रमाण मिले। बांग्लादेशी संस्थाओं सेऑनलाइन कनेक्शन भी पाए गए। उनके मोबाइल फोन गैलरी एवं इंस्टाग्राम अकाउंट से बांग्लादेश के स्थानों की तस्वीरें बरामद हुईं। बांग्लादेशी राष्ट्रीय पहचान पत्र पुलिस टीम को उन्होंने सौंपा। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी (जीएएस) करवाई थी। ताकि वह अपना शारीरिक स्वरूप बदलकर महिला जैसा दिख सकें। वह नियमित मेकअप, साड़ी, सलवार सूट, नकली बाल (विग) और अन्य महिला संबंधी सामान का उपयोग करते थे।

मेट्रो में चोरी करने वाली चार महिलाएं गिरफ्तार

नई दिल्ली। नेहरु प्लेस मेट्रो स्टेशन थाना पुलिस ने चलती ट्रेन में चोरी करने वाली चार महिलाओं को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान कठपुतली कॉलोनी शादीपुर निवासी लक्ष्मी, संजना, संध्या और जाह्नवी के रूप में हुई है। मेट्रो पुलिस उपायुक्त कुशलपाल सिंह ने बताया कि 28 अगस्त को राजेंद्र चौहान ने चोरी की शिकायत दी थी। थाना प्रभारी सुधीर कुमार के नेतृत्व में टीम ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की। इसमें कुछ महिला चोरों को उनके बैग के साथ छेड़छाड़ करते देखा गया। इसके बाद निजामुद्दीन सराय काले खां मेट्रो स्टेशन से आरोपियों को पुलिस ने पकड़ लिया। लक्ष्मी गिरोह की सरगना है और उसपर चोरी के तेरह मामले दर्ज हैं।

कटड़ा हादसे में उजड़ गए परिवार, सभी 34 मृतकों की पहचान, अपनों के शव देख बिलख पड़े परिजन

जम्मू। कटड़ा त्रासदी के सभी 34 मृतकों की पहचान हो गई है। शुक्रवार को 19 शवों की पहचान की गई। वीरवार को 15 शवों की पहचान हुई थी। अपनों के शव देखकर परिजन फफक उठे। शव लेने के लिए परिजन सुबह से ही जम्मू जीएमसी पहुंचने लगे थे। हर तरफ बेबसी के आंसू थे। दिल पर पत्थर रख उन्होंने शव देख अपने प्रियजनों को पहचाना।शव लेने के लिए उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर, दिल्ली के बुराड़ी, गाजियाबाद, पंजाब के अमृतसर से परिजन पहुंचे थे। परिजनों की चीखों से पोस्टमार्टम हाउस का हर कोना कराह उठा। हर आंख नम थी। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने शवों को ले जाने के लिए निशुल्क एंबुलेंस सेवा की व्यवस्था की है। पत्नी व बेटी के शव को रो पड़े मुज्जफरनगर के इंद्रपालमुज्जफरनगर के गांव रामपुरी निवासी इंद्रपाल पर दुखों का पहाड़ टूटा है। पत्नी रामवीरी व बेटी आकांक्षा के शव को देख वह कराह उठे। इंद्रपाल ने बताया कि क्या पता था कि जीवनसंगिनी व बेटी का साथ इस तरह छूटेगा। कैसे आगे की जिंदगी कटेगी। रुंधे गले से कहा कि जब मौसम खराब था तो प्रशासन को चाहिए था कि यात्रा रोक देता। उन्होंने बताया कि त्रासदी में भाई रविंद्र की पत्नी ममता, भतीजी अंजलि, भाई अजय घायल हुए हैं जबकि अज्य के बेटे दीपेश की भी मौत हो गई है। दिल्ली के बुराड़ी के एक परिवार ने छह लोगों को खोया है। अभिषेक ने बताया कि उनकी भतीजी दीपांशी, बहन पिंकी, भाई राजा व अजय की मौत हो गई है। रिश्तेदारों में तान्या व पुकार निवासी खेड़ा धर्मपुरा (गाजियाबाद) की भी जान गई है। अभिषेक की मां रामकुमारी शवों को देखकर दहाड़ मारकर रो पड़ीं। बेटे अभिषेक व मनोहर ने उनको संभाला। श्राइन बोर्ड बरामद सामान भी कर रहा सुपुर्दश्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने मृतकों के परिजनों को शवों के पास से बरामद सामान भी सुपुर्द किया। बोर्ड के डिप्टी सीईओ पवन कुमार ने बताया कि बरामद सामान में नगदी व आभूषण शामिल हैं। शवों को ले जाने के लिए एंबुलेंस की निशुल्क व्यवस्था की है।

बड़े गिरोह का भंडाफोड़, दो वर्षों में 500 लोगों की तस्करी कर चुका है गैंग

दिल्ली। दिल्ली पुलिस की बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस ने मानव तस्करी के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से एक किशोर और दो नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया है। गिरोह के सदस्य रेलवे स्टेशनों पर कमजोर नाबालिगों और मजदूरों को निशाना बनाकर जम्मू-कश्मीर भेजते थे। वहां उन्हें बिना पैसे दिए घरेलू कार्य और बंधुआ मजदूरी कराई जाती थी। पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने बताया कि किशोरों के लिए 20 हजार से 25 हजार जबकि लड़कियों के एवज में 60 हजार रुपये तक वसूलते थे। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी के अनुसार यह गिरोह दलालों और प्लेसमेंट एजेंटों के नेटवर्क के जरिये काम करता था। ये पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन सहित विभिन्न स्थानों पर गरीब और बेसहारा बच्चों और मजदूरों को बेहतर खानपान और रुपयों का लालच देकर फंसाते थे। पुलिस उपायुक्त स्वामी ने बताया कि गिरोह के सदस्य गांदरबल (जम्मू-कश्मीर) निवासी सलीम-उल-रेहमान उर्फ वसीम (38), बेगमपुर (दिल्ली) निवासी सूरज (31), रामपुर (उत्तर प्रदेश) निवासी मोहम्मद तालीब और बाराबंकी (उत्तर प्रदेश) निवासी सतनाम सिंह उर्फ सरदार को गिरफ्तार किया गया है। सलीम पिछले दो वर्षों के दौरान 500 लोगों की तस्करी कर चुका है और प्रत्येक पीड़ित के बदले भारी कमीशन वसूला है। तालीब के पास से यूपी पुलिस के उप-निरीक्षक का फर्जी पहचान पत्र भी बरामद हुआ है। आरोपी इसका इस्तेमाल गिरफ्तारी से बचने और पीड़ितों की यात्रा को आसान बनाने के लिए करता था। उपायुक्त स्वामी ने बताया कि इस गिरोह का खुलासा उस समय हुआ जब भलस्वा डेरी थाने में 15 और 13 साल की दो लड़कियों के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई गई। टेक्निकल सर्विलांस के जरिये इन लड़कियों की लोकेशन श्रीनगर में ट्रेस की गई। पुलिस टीम ने 15 जून को दोनों नाबालिगों को श्रीनगर से सुरक्षित बरामद कर लिया और दोनों को दिल्ली लाया गया। बाल कल्याण समिति के समक्ष दर्ज बयान में पीड़ितों ने बताया कि उन्हें पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से बहलाया-फुसलाया गया और फिर श्रीनगर ले जाकर जबरन घरेलू काम कराया गया। बयानों के आधार पर 14 अगस्त को वसीम और सूरज को प्रहलाद विहार से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार सलीम ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह श्रीनगर में %%%%वीए मैनपावर प्राइवेट लिमिटेड नामक एजेंसी चलाता था और पिछले दो साल में 500 लोगों को कश्मीर में बेच चुका है। सूरज ने बताया कि वह दिल्ली में एजेंटों के लिए ट्रांसपोर्टर का काम करता था और उसने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के आसपास सक्रिय कई साथियों के नाम बताए। पुलिस ने 19 अगस्त को श्रीनगर में की गई छापेमारी के दौरान तालीब और सतनाम को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनके कब्जे से 16 वर्षीय एक किशोर को मुक्त कराया था। उन्होंने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों शहबाज खान, नरेश, रोहित पांडे और सोहेल अहमद की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस यूपीआई लेनदेन की जांच कर रही है और तस्करी में प्रयुक्त वाहनों की पहचान भी कर रही है।

दिल्ली के 40त्न छात्र प्राइवेट ट्यूशन पर निर्भर, राष्ट्रीय औसत से दोगुना कर रहे खर्च

दिल्ली में पढ़ाई कर रहे बच्चों के लिए प्राइवेट ट्यूशन अब एक सामान्य हिस्सा बन चुका है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (ह्स्स्) का शिक्षा पर व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (ष्टरूस्) की नई रिपोर्ट के मुताबिक, राजधानी में करीब 10 में से 4 स्कूली छात्र प्राइवेट कोचिंग ले रहे हैं, जो राष्ट्रीय औसत (27त्न) से कहीं ज्यादा है। दिल्ली इस मामले में देशभर में छठे स्थान पर है। सूची में सबसे ऊपर त्रिपुरा है, जहां लगभग 79त्न छात्र ट्यूशन पर निर्भर हैं। पश्चिम बंगाल और ओडिशा इसके बाद आते हैं। दिल्ली की लड़कियां लड़कों के मुकाबले ज्यादा कोचिंग ले रही हैं। रिपोर्ट बताती है कि 42.7त्न लड़कियां और 36.5त्न लड़के ट्यूशन क्लास में जाते हैं। खासकर सीनियर क्लासेज में यह आंकड़ा तेजी से बढ़ जाता है। सर्वेक्षण के अनुसार, दिल्ली में हायर सेकेंडरी स्तर पर छात्रों की ट्यूशन पर निर्भरता सबसे ज्यादा देखी गई है। इस स्तर पर 59.2त्न छात्र प्राइवेट कोचिंग ले रहे हैं। शहरी इलाकों में यह आंकड़ा और भी अधिक है, जहां 61त्न विद्यार्थी ट्यूशन ले रहे हैं। इसमें लड़कियां (61.8त्न) लड़कों (60.3त्न) से थोड़ी आगे हैं। वहीं, ग्रामीण दिल्ली की बात करें तो यहां ट्यूशन लेने वाले छात्रों का प्रतिशत काफी कम होकर 31.4त्न रह जाता है। सिर्फ संख्या ही नहीं, बल्कि खर्च में भी दिल्ली आगे है। जहां देशभर में परिवार सालाना औसतन 2,409 रुपये कोचिंग पर खर्च करते हैं, वहीं दिल्ली में यह खर्च 5,643 रुपये है यानी दोगुना से भी ज्यादा। शहरी दिल्ली में छात्र औसतन 5,812 रुपये खर्च करते हैं, जबकि ग्रामीण इलाके में यह आंकड़ा ?2,865 है। दिल्ली की लड़कियां भी लड़कों से ज्यादा खर्च कर रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बोर्ड एग्जाम और कॉम्पिटिटिव टेस्ट की तैयारी इस ट्रेंड को और बढ़ा रही है।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82Cr.P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **सत्य प्रकाश, पुत्रः** राम मूर्ति, **पताः** कृष्णा नगर, पीएस- सिहानी गेट, गाजियाबाद, यू.पी., ने **FIR No.: 765/2018, U/s: 379 IPC, दिनांक: 07.01.2018, थानाः** गाजीपुर, दिल्ली, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **सत्य प्रकाश,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **सत्य प्रकाश,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No.: 765/2018, U/s: 379 IPC, दिनांक: 07.01.2018, थानाः** गाजीपुर, दिल्ली, के उक्त अभियुक्त, **सत्य प्रकाश,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांकः **13.10.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सचिन, एलडी.
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी—03
पूर्व जिला, कमरा न. 16
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/11440/ED/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सौरव नागर पुत्र** ओमवीर सिंह नागर **निवासी** मकान नं0 30, प्रथम तल, इंदिरा गार्डन, खोडा कॉलोनी, गाजियाबाद (उ0प्र0), ने **FIR No. 237/2025, Dt. 15.05.25, U/S 109(1)/3(5) भारतीय न्याय संहिता, & 27 Arms Act, पुलिस स्टेशन गाजीपुर, पूर्व जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सौरव नागर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सौरव नागर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 237/2025, Dt. 15.05.25, U/S 109(1)/3(5) भारतीय न्याय संहिता, & 27 Arms Act, पुलिस स्टेशन गाजीपुर, पूर्व जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **सौरव नागर** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.10.2025** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री सचिन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी—03, पूर्व जिला,
कमरा नं0—16, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/11598/ED/2025
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

वोट चोरी करना कांग्रेस की फितरत में : मुख्यमंत्री नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस देश की सबसे बड़ी वोट चोर पार्टी है। कांग्रेस के डीएनए में ही वोट चोरी शामिल है। बूथ कैप्चरिंग करना, लोगों को डराना-धमकाना और अव्यवस्था फैलाना कांग्रेस की फितरत रही है।शनिवार को नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि कांग्रेस जब-जब चुनाव हारती है तो ईवीएम को दोष देती है और जब जनता नकारती है तो नए-नए मुद्दे गढ़ती है। उन्होंने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिनका जन्म भ्रष्टाचार की दलदल में हुआ है, वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे ईमानदार नेता पर अंगुली उठा रहे हैं। सीएम सैनी ने कांग्रेस नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माताजी के खिलाफ अपशब्द कहे जाने की निंदा की। उन्होंने कहा, 'आप नरेंद्र मोदी को गाली दें, यह राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का हिस्सा हो सकता है, लेकिन उनकी माताजी के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करना निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस को इसके लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।' मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस का जन्म ही भ्रष्टाचार में हुआ है और आज भी कांग्रेस का नाम आते ही भ्रष्टाचार की बू आती है। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने देश को मजबूत करने की बजाय अपने परिवार को मजबूत किया।

प्रदेश सरकार की नीतियों से हर वर्ग में खुशहाली : कुलदीप बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने नलवा के विधायक रणधीर पनिहार के साथ गांव कैमरी में करोड़ों रूपए के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कैमरी गौशाला में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश सरकार की गऊ रक्षा के प्रति बेहतर नीतियों को आगे बढ़ाते हुए गौशाला को चेक वितरित किए। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि रणधीर पनिहार ने पिछले 9 माह में विधायक के तौर पर बहुत ही मेहनत से एक आदर्श जनप्रतिनिधि होने का परिचय दिया है, जिससे नलवा हलका विकास के पथ पर अग्रसर हुआ है। चुनाव के दौरान उन्होंने हलके की जनता से वादा किया था कि अगर वे भजन लाल पारिवारिक सदस्य को विधानसभा में पहुंचाते हो तो रणधीर पनिहार आपकी उम्मीदों से बढ़कर आपकी सेवा करेगा। अब रणधीर पनिहार का कार्य आप सभी के सामने है। दिन हो या रात वे हर समय क्षेत्र के हितों को लेकर सजग रहते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी आदमपुर, नलवा सहित प्रदेश का एक समान चहुंमुखी विकास करवा रहे हैं और प्रदेश सरकार की नीतियों से आज हर वर्ग में खुशहाली है।

पलवल में फर्जी डेंटल क्लिनिक का भंडाफोड़, सीएम फ्लाइंग ने की कार्रवाई

पलवल। जिले के होडल कस्बे में बिना किसी डिग्री के चल रहे फर्जी डेंटल क्लिनिक का सीएम फ्लाइंग ने भंडाफोड़ किया है। पुरानी अनाज मंडी के पास संचालित इस क्लिनिक में तीन लोग मरीजों का इलाज करते हुए पकड़े गए। फरीदाबाद सीएम फ्लाइंग के अधिकारी सतबीर सिंह के नेतृत्व में टीम ने औचक निरीक्षण किया। टीम में जिला नागरिक अस्पताल पलवल के एसएमओ डॉ. सुरेश कुमार, एसडीएस नरेंद्र कुमार और स्थानीय पुलिस भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि परमाल नामक युवक डॉक्टर की कुर्सी पर बैठकर मरीजों का इलाज कर रहा था। उसके साथ जवाहर और राहुल नामक दो सहयोगी भी उपचार में लगे थे। जब टीम ने मेडिकल डिग्री या डेंटल असिस्टेंट कोर्स संबंधी प्रमाण पत्र मांगे तो कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। जांच में यह भी सामने आया कि क्लिनिक डॉक्टर चमन कुमार के रजिस्ट्रेशन नंबर पर पंजीकृत है, लेकिन मौके पर डॉक्टर की जगह परमाल अपने सहायकों के साथ मरीजों का इलाज करता मिला। टीम ने मौके पर ही क्लिनिक में मौजूद सभी उपकरणों को सील कर दिया। तीनों आरोपियों के खिलाफ होडल थाना पुलिस में मामला दर्ज करा दिया गया है। मामले की आगे जांच जारी है।

चबूतरा हटाने की बजाए मकान हटाने का थमा दिया नोटिस

जींद। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने जिला परिवेदना समिति बैठक में प्रशासनिक लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया। उचाना कला के वार्ड आठ में एक अवैध चबूतरे की शिकायत पर नगर पालिका के अधिकारियों ने चबूतरा हटाने के बजाय मकान मालिक को मकान हटाने का नोटिस थमा दिया। बैठक में जब मंत्री ने नगर पालिका के सचिव से इस गलत नोटिस के बारे में जवाब मांगा तो अधिकारी कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे पाए। नाराजगी जताते हुए मंत्री ढांडा ने जिला प्रशासन को सख्त निर्देश दिए कि अगले दो दिनों के भीतर अवैध चबूतरा हटाया जाए। उन्होंने चेताया कि यदि समय सीमा में कार्रवाई नहीं हुई तो संबंधित अधिकारी को निलंबित कर दिया जाएगा। इसके साथ ही मकान हटाने का नोटिस जारी करने वाले अधिकारी के खिलाफ चार्जशीट करने के आदेश भी जारी किए गए। शिक्षा मंत्री कार्रवाई दर्शाती है कि वो जनता की शिकायतों के प्रति गंभीर हैं और प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए तत्पर हैं।

भारत और अफ्रिका एक-दूसरे की क्षमताओं पर करें विश्वास : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हरियाणा को कृषि-प्रधान राज्य बताते हुए कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल उत्पादन बढ़ाना ही नहीं, बल्कि कृषि को लोगों के लिए एक स्थायी और लाभदायक व्यवसाय बनाना है। नई दिल्ली में 20वें सीआईआई इंडिया-अफ्रीका बिजनेस कॉन्क्लेव में 'खेत से भविष्य तकः भारत का अनुभव साझा करना - हरियाणा की कहानी' विषय पर आयोजित एक सत्र में सैनी ने कहा कि राज्य सरकार खेती से लेकर बाजार में उपज बेचने तक, हर कदम पर किसानों की मदद के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने अफ्रिका के अपने सभी भागीदारों से मिलकर काम करने और अपने अनुभवों को साझा करने का आग्रह किया। उन्होंने दोनों देशों की सर्वोत्तम कृषि पद्धतियों का आदान-प्रदान करने का आह्वान किया। सैनी ने

कहा, हमें एक-दूसरे की क्षमताओं पर विश्वास करना चाहिए और नए अवसरों को मिलकर तलाशना चाहिए। भारत और अफ्रिका के बीच यह साझेदारी मानवता, गरिमा और एक साझा भविष्य के लिए एक शक्तिशाली संदेश भी है। हम हरियाणा के लोग बिजनेस टू बिजनेस और गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट डील नहीं करते बल्कि हार्ट टू हार्ट डील करते हैं। उन्होंने मिलकर इस 20वें कॉन्क्लेव को मील का पत्थर बनाने की आह्वान किया, जो आगामी दशकों के लिए दोनों देशों की साझेदारी की दिशा तय करे। उन्होंने सीआईआई को लेकर कहा, सीआईआई उद्योग जगत और सरकार के बीच लंबे समय से एक सेतु के रूप में कार्य कर रहा है। देश में ओद्योगिक क्षेत्र के विकास और प्रगति में इस संस्था का महत्वपूर्ण योगदान है। यह संस्था उद्योग जगत प्रतिनिधियों को उनके अनुभवों और विचारों के आदान प्रदान के लिए उपयुक्त मंच प्रदान करती है। सैनी ने ग्लोबल साउथ को लेकर कहा कि पीएम मोदी ने ग्लोबल साउथ की भूमिका पर जोर देते हुए कहा है कि विकासशील देशों की आवाज को मजबूती से उठाया जाए। साथ ही सामूहिक विकास के लिए सहयोग और साझेदारी की जरूरत है। पीएम मोदी ने कहा है कि ग्लोबल साउथ की एकता से ही वैश्विक समस्याओं का समाधान संभव हो सकता है।

भारी बारिश और बाढ़ के हालात पर सीएम सैनी ने उपायुक्तों को दिए सतर्कता बरतने के निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य में भारी बारिश और बाढ़ के संभावित खतरों को देखते हुए सभी जिला उपायुक्तों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि किसी भी स्थिति में जान-माल का नुकसान नहीं होना चाहिए और यह सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों को निर्देश दिया कि वे नदियों के किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को तुरंत अलर्ट करें। उन्होंने

कहा कि बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए जिला स्तर पर एक ठोस कार्ययोजना तैयार होनी चाहिए। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि अगर किसी भी क्षेत्र में जलभराव होता है तो तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया जाए। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए और उनके लिए पर्याप्त भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाइयां और अन्य जरूरी सामान की व्यवस्था की जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि राहत शिविरों में कोई असुविधा न हो। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागों - पुलिस, स्वास्थ्य, राजस्व और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण - के बीच बेहतर तालमेल बनाकर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन को जनता को समय-समय पर सही जानकारी देनी चाहिए, ताकि अफवाहें न फैलें। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार हर स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

पार्श्वनाथ सोसायटी पर कार्रवाई के निर्देश, 13 शिकायतें निपटाई

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा के युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता राज्यमंत्री गौरव गौतम ने पार्श्वनाथ सोसायटी के खिलाफ मिली शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वहां रहने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने नगर निगम को आदेश दिया कि सुविधाओं के लिए अस्टीमेट तैयार करें तथा बिल्डर द्वारा लापरवाही बरतने पर पुलिस सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। राज्यमंत्री की अध्यक्षता में लघु सचिवालय में कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक आयोजित हुई। इसमें रखी गई 16 शिकायतों में से 13 का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि तीन शिकायतों पर अगली बैठक तक निस्तारण के निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान तत्काल हो ताकि लोगों को चक्कर न काटने पड़ें। गांव पट्टी ब्राह्मणान निवासी अशोक वर्मा व गांव करेवड़ी निवासी राहुल द्वारा गलत पेंशन लेने की शिकायत पर डीएसडब्ल्यूओ को रिकवरी की कार्रवाई करने को कहा

गया। गोहाना में अवैध रास्ता बनाने की शिकायत की जांच एसडीएम को सौंप दी गई। फरीदाबाद निवासी ओमप्रकाश धामा की खानपुर खुर्द चौपाल भूमि पर कब्जे की शिकायत पर राज्यमंत्री ने धोखाधड़ी की जांच कर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अंसल सुशांत सिटी प्लॉट विवाद में संबंधित व्यक्ति को अगली बैठक में बुलाने के आदेश हुए। गांव हसनपुर निवासी संजीव की रास्ते की शिकायत और गांव सिटावली निवासी संदीप की गली निर्माण संबंधी शिकायत की जांच एसडीएम को सौंप दी गईइसी तरह सेक्टर-27 सोनीपत के धोखाधड़ी प्रकरण की जांच एसीपी को दी गई। गांव गढ़ी बाला के ग्रामीणों की महात्मा गांधी ग्रामीण बस्ती योजना संबंधी शिकायत पर पाया गया कि जिस भूमि पर वे प्लॉट मांग रहे हैं।

खेल जीवन को अनुशासित करने का सशक्त माध्यम : विनोद वर्मा

एजेंसी

हिसार। लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र, हिसार के सहयोग से महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया। देशभर में भी प्रत्येक वर्ष 29 अगस्त को मेजर ध्यानचंद जी की स्मृति में यह दिवस खेलभावना, अनुशासन और प्रेरणा के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा मुख्यअतिथि रहे। उन्होंने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं, बल्कि यह जीवन को अनुशासित बनाने, आपसी सहयोग, धैर्य और टीम भावना जैसे अमूल्य गुणों को विकसित करने का एक सशक्तमाध्यम है। जिस प्रकार शिक्षा इंसान की बौद्धिक क्षमता को बढ़ाती है, उसी प्रकार खेल उसके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करते हैं।

कुलपति प्रो. वर्मा ने इस अवसर पर मेजर ध्यानचंद जी को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने अपने असाधारण खेल कौशल और अनुशासन के दम पर हॉकी को नई पहचान दिलाई और भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। उनकी जयंती को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाना हम सभी के लिए गर्व की बात है। यह दिवस हमें यह संदेश देता है कि खेल केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन को स्वस्थ, ऊर्जावान और संतुलित बनाने के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे नियमित रूप से खेलों में भाग लें और प्रतिदिन कम से कम एक घंटा खेल के मैदान में बिताएँ। इससे न केवल शरीर स्वस्थ रहेगा, बल्कि आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच भी बढ़ेगी।

पंचकूला में सुरक्षा एजेंसियों की उच्च स्तरीय बैठक, आतंकी खतरों से निपटने की साझा रणनीति पर मंथन

एजेंसी

पंचकूला। पंचकूला के मोगीनंद में आज देश की शीर्ष सुरक्षा एजेंसियों और उत्तरी राज्यों के पुलिस प्रमुखों की एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश व केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशकों ने आसूचना ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के साथ मिलकर आतंकवाद और संगठित अपराध के बदलते स्वरूप पर गहन चर्चा की। इस बैठक का उद्देश्य सभी एजेंसियों के बीच आपसी तालमेल को मजबूत कर एक साझा रणनीति बनाना था। आतंकवाद का बदलता स्वरूप और डिजिटल चुनौतियांः एनआईए के महानिदेशक सदानंद दाते ने बताया कि आतंकवाद का बुनियादी ढांचा अब डिजिटल माध्यमों और नई तकनीकों का इस्तेमाल कर रहा है, जिससे इसकी रणनीति और भी

जटिल हो गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी एजेंसियों को 'गोल्डन आवर' के दौरान त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने संयुक्त अभ्यास और आपसी तालमेल को आतंकवाद से लड़ने का सबसे प्रभावी हथियार बताया। हरियाणा पुलिस की तैयारियां और मीडिया पर अपीलः हरियाणा के पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने राज्य की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हरियाणा में 53 स्पेशल वेपन्स एंड टैक्टिक्स (स्वाट) टीमें तैनात हैं, जो किसी भी हिंसक स्थिति में पहली प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आतंकवाद और बड़े अपराधियों के बीच बढ़ते गठजोड़ को एक बड़ी चुनौती बताया। कपूर ने यह भी कहा कि मीडिया में अपराधियों के नाम और तस्वीरों के प्रचार से उनकी गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है। हरियाणा विधानसभा ने इसे रोकने के लिए एक विशेष प्रस्ताव भी पारित किया है और उन्होंने पड़ोसी राज्यों से भी ऐसा न करने का अनुरोध किया है। एनएसजी का प्रशिक्षण मॉडलः एनएसजी के महानिदेशक बी श्रीनिवासन ने %संयुक्त आतंकवाद विरोधी प्रतिक्रिया% पर एक प्रेजेंटेशन दी। उन्होंने बताया कि एनएसजी ने हरियाणा, हिमाचल और चंडीगढ़ में पुलिसकर्मियों को बम निरोधक तकनीक, टैक्टिकल ड्राइविंग और काउंटर टेरर कैप्सूल जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया है। अब तक हरियाणा में 609, हिमाचल में 560 और चंडीगढ़ में 261 कर्मियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

हरियाणा में दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना से महिलाएं होंगी आत्मनिर्भरः आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने 'दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना' को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लिए गए इस निर्णय से राज्य की बेटियों और बहनों के जीवन में आर्थिक आत्मनिर्भरता का एक नया अध्याय शुरू होगा। आरती सिंह राव ने कहा कि यह योजना 'सशक्त महिला-समृद्ध समाज-विकसित हरियाणा' के विजन को मजबूती देगी। इसके तहत महिलाएं न सिर्फ अपने परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर करेंगी, बल्कि समाज में भी अपनी भूमिका आत्मविश्वास के साथ निभा पाएंगी। उन्होंने बताया कि

इस योजना का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती, 25 सितंबर 2025 को किया जाएगा। इसके तहत 23 वर्ष या उससे अधिक आयु की पात्र महिलाओं को उनके बैंक खाते में हर महीने 2100 रुपये दिए जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार हमेशा महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता देती आई है। सरकार भविष्य में भी महिला कल्याण और समृद्धि के लिए लगातार प्रयास करती रहेगी।

पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में हरियाणा में चलेगा सेवा पखवाड़ाः बड़ौली

एजेंसी

गुरुग्राम। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से लेकर दो अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा चलेगा। इस दौरान भाजपा के कार्यकर्ता सेवा के कार्य करेंगे। वे गुरुग्राम स्थित भाजपा कार्यालय गुरुकमल में दो महत्वपूर्ण बैठकें ले रहे थे। इन बैठकों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में होने वाले सेवा के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। भाजपा कार्यालय पहुंचने पर भाजपा जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने सभी नेताओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अनेक कार्यक्रम चलाए जाएंगे, जिनके लिए प्रदेश स्तर की टीम बनाई गई है। भाजपा ने संकल्प पत्र में जो बातें कही थी उन्हें नायब सरकार तीव्र गति से पूरा कर रही है। आने वाले समय में नायब सरकार संकल्प पत्र की सभी घोषणाओं को पूरा करने का काम करेगी। दीनदयाल लाडो लक्ष्मी

योजना पर बोलते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह अच्छी योजना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संकल्प पत्र में किए गए वादे को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा महिलाओं को 2100 रुपये देने वाला देश का पहला राज्य बना है, हालांकि मध्य प्रदेश में महिलाओं को 1500 रुपये मिलते हैं। उन्होंने कहा कि इसके तहत 23 से 60 वर्ष तक की लगभग 21 लाख बहनों को लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ मिलने वाला है। बड़ौली ने कहा कि यह तो अभी शुरुआत है पोर्टल लांच होने के बाद ही सही आंकड़े सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि नायब सरकार ने फिलहाल पांच हजार करोड़ रुपये के करीब बजट रखा है, जिसे आगे बढ़ाया भी जा सकता है। बैठकों प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के साथ राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़, राष्ट्रीय कार्यालय सचिव महेंद्र पांडे, राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री एवं कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, प्रदेश कार्यालय सचिव गुलशन भाटिया के अलावा सभी जिलों के अध्यक्ष, जिला प्रभारी और कार्यालय समिति के सदस्य मौजूद रहे। बैठक के बाद मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए बड़ौली ने राहुल गांधी को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अमीर मां का बेटा है और सोने की चम्मच मुंह में लेकर पैदा हुआ है, इसलिए राहुल गांधी गरीब दर्द को क्या जाने। उन्होंने कहा कि अगर किसी गरीब मां का बेटा उच्च पद पर जाता है तो कांग्रेस के लोग अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के लिए अशोभनीय भाषा बोलना राहुल गांधी की आदत हो गई है। बड़ौली ने कहा कि बिहार को भाषा, संस्कृति और संस्कार के रूप में पहचाना जाता है, बिहार की धरती से कांग्रेस नेताओं ने जिस भाषा का प्रयोग किया है वह निंदनीय है। एक अन्य सवाल पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकारें हैं वहां जाकर पूर्व सीएम हुड्डा को देखना चाहिए।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को बीस वर्ष कैद की सजा

जींद। एडीजे डा. चंद्रहास की फास्ट ट्रैक स्पेशल अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म करने के जुर्म में दोषी को बीस वर्ष कैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा अदालत ने दोषी को बीस हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार अलेवा थाना क्षेत्र के गांव के एक व्यक्ति ने 22 जुलाई 2024 को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि गांव कबूलपुर खेड़ा करनाल निवासी सुमित छह जून 2022 को में यहां पर आया हुआ था। उसने मौका पार उसकी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया और घटना के बारे मे बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी। इसके बाद जब भी सुमित यहां आता तो उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म करता था। यह सिलसिला 11 दिसंबर 2023 तक चलता रहा। आरोपित ने उसकी बेटी को परेशान भी करना शुरू कर दिया। महिला थाना पुलिस ने व्यक्ति की शिकायत पर सुमित खिलाफ यौन शोषण करने समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया था।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर मंत्री ने खिलाड़ियों को दिलाई फिट इंडिया की शपथ

एजेंसी

गुरुग्राम। मेजर ध्यान चंद की जयंती के उपलक्ष में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर नेहरू स्टेडियम, गुरुग्राम में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। उद्योग एवं वाणिज्य, वन, पर्यावरण एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। साथ ही प्रतिभागी खिलाड़ियों को फिट इंडिया की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम में तीन अर्जुन अवार्डी खिलाड़ियों गीता जुत्शी, नेहा राठी और यशपाल सोलंकी को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। वहीं विभिन्न खेल प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले उर्मिला डागर, चिराग, अक्षय, अशोक कुमार कोच को भी सम्मानित किया गया। मंत्री राव नरबीर सिंह ने मेजर ध्यान चंद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रतिभागी बच्चों को खेलकूद के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और कहा कि हरियाणा के खिलाड़ी हमेशा देश का नाम रोशन करते हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा

कि हरियाणा सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और बेहतर सुविधाएं देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मंत्री ने बच्चों से नशे की बुराई के खिलाफ जागरूकता फैलाने की अपील की। साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पौधारोपण कर उनकी देखभाल करने और स्वयं व अपने परिवार को पॉलीथिन का उपयोग न करने के लिए प्रेरित किया। विधायक मुकेश शर्मा की मांग पर उन्होंने स्टेडियम के पुराने हॉस्टल को तुड़वाकर खिलाड़ियों के लिए नया भवन बनाने की घोषणा भी की। गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने मेजर ध्यान चंद के खेल कौशल से खिलाड़ियों को परिचित कराया। भारत को ओलंपिक में पहला गोल्ड मेडल दिलाने में उनका बड़ा योगदान रहा। विधायक ने प्रतिभागी खिलाड़ियों को हरियाणा के नेहरू स्टेडियम से जुड़े अपने संस्मरण भी साझा किए। गुरु द्रोण की धरा गुरुग्राम के इस स्टेडियम ने कई बेहतरीन खिलाड़ी देश को दिए हैं।

हरियाणा सरकार के फैसलों से पंजाब की सियासत गरमाई, भाजपा को मिला मजबूत आधार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में नायब सैनी सरकार द्वारा लिए जा रहे फैसलों से जहां प्रदेश में विपक्षी दल सकते में आ गए हैं वहीं पंजाब की राजनीति पूरी तरह से गरमा गई है। पंजाब में वर्ष 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। राजनीतिक दल अभी से चुनावी मोड पर आ गए हैं। भारतीय जनता पार्टी पंजाब में अभी तक शिरोमणि अकाली दल के सहारे सत्ता में आती रही है लेकिन वर्तमान में अकाली दल व भाजपा अलग-अलग राह पर चल रहे हैं। दूसरी तरफ हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में आई है। पहले दो चुनावों के मुकाबले भाजपा को तीसरे चुनाव में अधिक सीटों पर जीत हासिल हुई है। हरियाणा के मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण अत्रे की ओर से विज्ञप्ति जारी की गई है, जिसमें दावा किया गया है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा पिछले दिनों लिए गए फैसलों ने इस दिनों पंजाब की राजनीति गरमाई हुई है। पंजाब की राजनीति पर वर्ष 1984 में हुए दंगों का असर आज भी दिखाई देता है। वर्ष 1984 में हुए दंगों में हरियाणा के 121 लोगों की मृत्यु हुई थी। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बड़ा राजनीतिक फैसला लेते हुए सभी 121 परिवारों के वर्तमान सदस्य को उनकी सहमति से प्राथमिकता के आधार पर नौकरी देने का फैसला किया है। इसके अलावा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर शहीदी वर्ष को गरिमापूर्ण ढंग से मनाने का फैसला किया है। अपनी यात्राओं के दौरान गुरु साहिब ने कुरुक्षेत्र, पिहोवा, कैथल, जींद, अंबाला, चीका और रोहतक में आकर इस भूमि को पवित्र किया है। सरकार इन कार्यक्रमों की रूपरेखा को जल्द जारी करेगी। पंजाब में आम आदमी पार्टी ने चुनाव से पहले महिलाओं को हर माह 1100 रुपये देने का ऐलान किया था, वहीं पड़ोसी राज्य हिमाचल में कांग्रेस ने महिलाओं को 1500 रुपये महीना देने का ऐलान किया था। दोनों सरकारों का आधा-आधा कार्यकाल बीत चुका है लेकिन अभी तक इस योजना को लागू करने की दिशा में कोई प्रयास नहीं हुआ है। दूसरी तरफ हरियाणा में भाजपा सरकार ने अपने पहले ही साल में इस योजना को लागू करके आम आदमी पार्टी तथा कांग्रेस को मुद्दा विहीन करते हुए सवाल खड़ा कर दिया है।

माइक्रोसॉफ्ट इंडिया में एआई एजेंट की मांग बढ़ी, राजस्व में 9 फीसदी बढ़ोतरी

- एआई एजेंटों के सहारे कारोबार में बढ़ी तेजी

मुंबई ।

माइक्रोसॉफ्ट इंडिया की बिक्री टीमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एआई एजेंटों का उपयोग कर अपने कारोबार में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज कर रही हैं। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने बेंगलूरु में वॉलमार्ट ग्लोबल टेक के रिटेल-टेक कार्यक्रम कन्वर्ज 2025 में बताया कि एआई के इस्तेमाल से उनकी बिक्री टीमों ने राजस्व में 9.3 प्रतिशत की वृद्धि की है और सौदे करने की गति 20 प्रतिशत बढ़ी है। उन्होंने कहा कि एआई एजेंट कंपनियों के लिए सबसे लोकप्रिय तकनीक बन गए हैं, जो कर्मचारियों के सामान्य कार्यों में मदद करते हैं, उत्पादकता बढ़ाते हैं और उन्हें अधिक मूल्यवर्धित काम करने के लिए समय प्रदान करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ग्राहक सेवा के क्षेत्र में भी 12 प्रतिशत तक सुधार हुआ है। माइक्रोसॉफ्ट इंडिया और दक्षिण एशिया प्रमुख ने यह उदाहरण भी दिया कि कंपनी के एक-तिहाई कोड गिटहब के कॉ-पायलट एआई ने ही लिखा है, जो तकनीक के महत्व को दर्शाता है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि एआई को अपनाने में

कार्यबल के बीच कुछ चुनौतियां हैं। कई कर्मचारी इस तकनीक को अपनाने में झिझक रहे हैं, खासकर इस डर से कि एआई उनकी नौकरियों को प्रभावित कर सकती है। इस प्रकार जबकि एआई व्यवसायों के लिए नई संभावनाएं खोल रहा है, वहीं इसके साथ आने वाली सामाजिक चुनौतियों से निपटना भी जरूरी है। माइक्रोसॉफ्ट की इस पहल से यह स्पष्ट होता है कि भविष्य की कार्य संस्कृति में एआई का योगदान अहम होगा।

जापान भारत में 10 लाख करोड़ येन करेगा निवेश

- मोदी ने 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' का किया आग्रह

मुंबई ।

टोक्यो में आयोजित 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में दोनों देशों ने आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। जापान ने अगले 10 वर्षों में भारत में 10 लाख करोड़ येन (67 अरब डॉलर) के निवेश का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापानी कंपनियों से 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' की अपील की है। दोनों पक्षों ने 13 महत्वपूर्ण समझौतों को अंतिम रूप दिया, जिनमें रक्षा सहयोग को मजबूत करना, भारत में खनन क्षेत्र में जापानी निवेश, सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सहयोग, और हाई-स्पीड रेल नेटवर्क के विस्तार के लिए जापानी सहायता शामिल हैं। इसके अलावा, जापान में 50,000 भारतीयों को कुशल और अर्ध-कुशल प्रशिक्षण देने का भी समझौता हुआ है। मोदी ने बताया कि भारत-जापान संबंध केवल केंद्र सरकार तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राज्य और प्रांत स्तर पर भी गहरा सहयोग होगा। हाल ही में आंध्र प्रदेश-तोयामा, तमिलनाडु-एहिमे, उत्तर प्रदेश-यामानाशी और गुजरात-शिजुओका के बीच साझेदारी स्थापित की गई है। दोनों देश छोटे और मध्यम उद्यमों और स्टार्टअप्स के बीच सहयोग को बढ़ावा देंगे। यह पहल व्यापार और तकनीकी नवाचार के लिए नए अवसर पैदा करेगी। जापान का यह निवेश और सेमीकंडक्टर सहयोग ऐसे समय में महत्वपूर्ण है जब भारत अमेरिकी शुल्कों की चुनौतियों से जूझ रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के अनुसार, पिछले दो वर्षों में भारत-जापान ने 150 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनका संचयी मूल्य 13 अरब डॉलर है। इस साझेदारी से भारत की आर्थिक और तकनीकी प्रगति को मजबूती मिलेगी और दोनों देशों के बीच व्यापारिक तथा सामरिक संबंध और गहरे होंगे।

वित्त वर्ष 2026 में यात्री वाहन बिक्री में मामूली वृद्धि की उम्मीद

- इक्रा ने जताई 1-4 फीसदी वृद्धि की संभावना, नए मॉडल और जीएसटी कटौती से बढ़ सकती है मांग

मुंबई ।

देश के यात्री वाहन उद्योग में वित्त वर्ष 2026 के दौरान थोक बिक्री में 1 से 4 प्रतिशत की सीमित वृद्धि देखी जा सकती है। एक रेटिंग एजेंसी ने यह अनुमान जताया है। एजेंसी के अनुसार ऊंचे आधार वर्ष और डीलरों के पास बिना बिके वाहनों की अधिकता जैसी चुनौतियों के बावजूद, नए मॉडल्स की लॉन्चिंग और जीएसटी दरों में संभावित कटौती से बाजार को सहारा मिल सकता है। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में थोक बिक्री में 1.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जिससे उद्योग के सामने निकट अवधि की चुनौतियों का संकेत मिलता है। हालांकि, एजेंसी को उम्मीद है कि सरकार की नीतिगत मदद और वाहनों की वहन क्षमता में वृद्धि से कुछ श्रेणियों में मांग बढ़ सकती है। एसयूवी सेगमेंट अब भी उद्योग का प्रमुख विकास इंजन बना हुआ है। इनकी यात्री वाहनों की कुल बिक्री में दो-तिहाई हिस्सेदारी है और आने वाले तिमाहियों में इनकी मांग बनी रहने की संभावना है। विशेष रूप से यूटिलिटी वाहनों की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। जुलाई 2025 में थोक बिक्री सालाना आधार पर 3.4 लाख यूनिट पर स्थिर रही, जबकि खुदरा बिक्री में 0.8 फीसदी की गिरावट देखी गई। निर्यात के मोर्चे पर भी सकारात्मक संकेत मिले हैं। जुलाई में यात्री वाहन निर्यात में 9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें मारुति सुजुकी और ह्युंडै मोटर इंडिया अग्रणी रहीं।

1 अरब स्क्रीन की ओर जियोस्टार, भारत बना दुनिया का दूसरा स्ट्रीमिंग हब

- जियो हॉटस्टार ने तीन महीनों में 60 करोड़ उपयोगकर्ता जोड़े

मुंबई ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज और वॉल्ट डिज्नी के संयुक्त उपक्रम जियोस्टार ने भारत के मीडिया और एंटरटेनमेंट उद्योग में बड़ा कदम उठाया है। कंपनी का लक्ष्य मोबाइल, टेलीविजन और कनेक्टेड टीवी (सीटीवी) जैसे सभी प्लेटफॉर्म्स पर 1 अरब स्क्रीन तक सेवाएं पहुंचाना है। यह जानकारी रिलायंस इंडस्ट्रीज के गैर-कार्यकारी निदेशक आकाश अंबानी ने कंपनी की 48वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) में दी। जियोस्टार का ओटीटी प्लेटफॉर्म जियोहॉटस्टार, फरवरी 2025 में लॉन्च होने के बाद सिर्फ तीन महीनों में ही 60 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं को जोड़ चुका है, जिनमें 7.5 करोड़ कनेक्टेड टीवी उपयोगकर्ता शामिल हैं।

इसके साथ ही 30 करोड़ पेड सब्सक्राइबर्स के साथ यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म बन गया है और वह भी पूरी तरह भारत में स्थापित। जियोस्टार पर 3.2 लाख घंटे से अधिक का कंटेंट उपलब्ध है, जो भारत के दो अन्य बड़े ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के कुल कंटेंट का छह गुना है। हर साल इसमें 30,000 घंटे का नया कंटेंट जोड़ा जा रहा है। तकनीक के मोर्चे पर भी जियोस्टार आगे है। कंपनी ने एआई वॉइस क्लोनिंग और लिप-सिंकिंग जैसे फीचर्स की मदद से किरदारों को क्षेत्रीय भाषाओं में अपनी खुद की आवाज़ में बोलने की क्षमता दी है।

वॉल्ट डिज्नी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत अब वैश्विक स्तर पर डिज्नी के लिए सबसे रोमांचक और महत्वपूर्ण बाजारों में से एक बन गया है।

सेंसेक्स और निफ्टी में 1.8 फीसदी की गिरावट रही

- अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं शेयर बाजार कमजोर हुआ

नई दिल्ली । बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में गिरावट का रुख देखा गया। गणेश चतुर्थी के कारण 27 अगस्त को बाजार बंद रहने के चलते केवल चार कारोबारी दिन थे। इन चार दिनों में बाजार ने मिले-जुले प्रदर्शन के बाद कुल मिलाकर लगभग 1.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। सप्ताह की शुरुआत अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों और आईटी सेक्टर में खरीदारी के चलते सकारात्मक रही, लेकिन अमेरिका की ओर से भारत से आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की मसौदा अधिसूचना जारी होने के बाद बाजार में दबाव बढ़ गया। सप्ताह के पहले दिन सेंसेक्स 285 अंक चढ़कर 81,635 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी ने 91 अंक की बढ़त के साथ 24,967 पर बंद किया। हालांकि, मंगलवार को अमेरिकी टैरिफ की घोषणा के बाद सेंसेक्स 849 अंक गिर गया और निफ्टी भी 255 अंक नीचे आ गया। गुरुवार को भी वैश्विक व्यापार तनाव के चलते सेंसेक्स और निफ्टी क्रमशः 705 और 211 अंक की गिरावट के साथ बंद हुए। निवेशकों में अमेरिकी आर्थिक नीतियों और व्यापार बाधाओं को लेकर चिंता स्पष्ट रूप से देखी गई। शुक्रवार को बाजार ने थोड़ी मजबूती दिखाई और सेंसेक्स 197 अंक ऊपर खुला, लेकिन अंत में 271 अंक गिरकर 79,809 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 74 अंक गिरकर 24,426 पर बंद हुआ। साप्ताहिक आधार पर

यह स्पष्ट हुआ कि अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं भारतीय शेयर बाजार पर दबाव बना रही हैं। निवेशक अब आगामी सप्ताह में फेडरल रिजर्व की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा पर नजर बनाए हुए हैं, जो बाजार के अगले रुझान को प्रभावित कर सकते हैं।

रिजर्व बैंक ने बंधन बैंक पर लगाया 44.70 लाख का जुर्माना

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वैधानिक और नियामकीय निर्देशों के उल्लंघन पर बंधन बैंक पर 44.7 लाख का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई 31 मार्च, 2024 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के आधार पर किए गए निरीक्षण के बाद की गई। आरबीआई ने बताया कि बैंक ने कुछ कर्मचारियों को अनुचित रूप से कमीशन के रूप में पारिश्रमिक दिया। इसके अलावा बैंक ने खातों के डेटा में 'बैक-एंड' के माध्यम से हस्तक्षेप किया और सिस्टम में उपयोगकर्ताओं के ऑडिट ट्रेल्स/लॉग्स दर्ज नहीं किए, जिससे पारदर्शिता में कमी आई। इन उल्लंघनों के आधार पर बैंक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। जांच और उत्तरों की समीक्षा के बाद जुर्माना लगाया गया।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर उम्मीद से बेहतर 7.8 फीसदी रही

नई दिल्ली । सरकार द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही, जो उम्मीद से बेहतर और हाल की पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। यह वृद्धि दर अमेरिका द्वारा भारी शुल्क लगाए जाने से पहले की अवधि की उच्चतम वृद्धि को दर्शाती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों में यह सामने आया है कि कृषि क्षेत्र में इस तिमाही में 3.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की 1.5 प्रतिशत वृद्धि से बेहतर है। इस क्षेत्र की मजबूत वृद्धि ने समग्र आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वहीं, व्यापार, होटल और रियल एस्टेट जैसे सेवा क्षेत्रों ने भी जीडीपी वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर भी मामूली बढ़त के साथ 7.7 प्रतिशत रही, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 7.6 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है।

एफएसएसएआई मानकों पर खरी नहीं उतरने वाली चाय नीलामी से हटेगी: टी बोर्ड

कोलकाता । भारतीय चाय बोर्ड (टी बोर्ड) ने निर्देश जारी किया है कि जो चाय भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मानकों के अनुरूप नहीं है, उसे नीलामी से पहले बाजार से हटा दिया जाएगा। एक परिपत्र के माध्यम से बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 2003 के तहत कोई भी निर्माता अमानक चाय का उत्पादन नहीं कर सकता। टी बोर्ड ने यह भी निर्देश दिया है कि अमानक चाय की खेप को नष्ट करने के लिए विक्रेता को बोर्ड से संपर्क करना अनिवार्य होगा। इससे पहले, बोर्ड ने निर्देश दिया था कि एक वर्ष में तैयार होने वाली सभी डस्ट-ग्रेड चाय की बिक्री केवल नीलामी के माध्यम से ही की जाए। यह कदम गुणवत्ता, पारदर्शिता और बेहतर मूल्य निर्धारण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इंडियन टी एसोसिएशन (आईटीए) और टी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएआई) जैसे व्यापार संगठनों ने इस निर्णय का स्वागत किया है। टीएआई के अनुसार, उत्तर भारत में कुल चाय उत्पादन का लगभग 20 फीसदी हिस्सा डस्ट ग्रेड चाय का होता है।

रूस और वेनेजुएला से अटकी रकम की वसूली की उम्मीद में ओवीएल

- बैंकिंग चैनल खुलने और प्रतिबंधों में छूट से 95 करोड़ डॉलर की फंसी रकम मिलने की संभावना

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) की विदेशी इकाई ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) को रूस और वेनेजुएला से अपनी करीब 95 करोड़ डॉलर की अटकी हुई रकम की वसूली की उम्मीद है। कंपनी को यह राशि वहां की तेल एवं गैस परियोजनाओं से हुए लाभांश और हिस्सेदारी से मिलनी है, जो बैंकिंग प्रतिबंधों और राजनीतिक कारणों से फंसी हुई है। ओवीएल के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि रूस में ओवीएल की परिसंपत्तियों से मिला लगभग 35 करोड़ डॉलर का लाभांश जुलाई 2022 से फंसा हुआ है। यह राशि रूस के बैंकिंग प्रतिबंधों के कारण भारत स्थानांतरित नहीं हो पा रही, हालांकि वहां संचालन सामान्य रूप से चल रहा है। इसके अलावा वेनेजुएला में ओवीएल की सान क्रिस्टोबल परियोजना में 40 फीसदी हिस्सेदारी है, जहां से लगभग 60 करोड़ डॉलर की राशि मिलनी है। लेकिन अमेरिका सहित कई देशों द्वारा लगाए गए अर्थिक प्रतिबंधों के कारण यह रकम अटकी हुई है। कंपनी ने इन प्रतिबंधों से छूट की मांग की है ताकि बकाया वसूला जा सके। उन्होंने कहा कि जब तक रूसी तेल वाणिज्यिक रूप से लाभदायक रहेगा और भारतीय रिफाइनरियों की आवश्यकताओं को पूरा करता रहेगा, तब तक उसकी खरीद जारी रहेगी। ओवीएल को उम्मीद है कि निकट भविष्य में बैंकिंग चैनलों के खुलने और राजनयिक प्रयासों से यह वित्तीय संकट सुलझ सकेगा।

बाजार में गिरावट आने पर डर से म्यूचुअल फंड बेचना सही नहीं, सोच समझकर कर फैसला लें

नई दिल्ली।

भारतीय निवेशक अक्सर म्यूचुअल फंड खरीदने की बात करते हैं, कौन सा फंड अच्छा है, कौन सा फंड मैनेजर अच्छा रिटर्न दे रहा है, या कौन सी कैटेगरी में पैसा लगाना चाहिए, लेकिन बेचने की बात कम होती है। कुछ लोग तो बेचते ही नहीं, और कुछ जल्दबाजी में गलत समय पर बेच देते हैं। सही समय पर बेचना आपकी कमाई को बचा सकता है, नहीं तो अच्छा फंड भी नुकसान दे सकता है। गलत कारणों से बेचने से बचें।

बाजार में गिरावट आने पर डर के मारे फंड बेच देना सही नहीं है। 2008 में सेंसेक्स 21,000 से गिरकर 8,000 आ गया था। उस समय कई निवेशकों ने डरकर अपने फंड बेच दिए, लेकिन अगर वे रुके होते, तो पांच साल में उनकी रकम दोगुनी हो सकती थी। इसी तरह अगर आपका फंड कुछ समय तक अच्छा परफॉर्म नहीं करता, तो उसे तुरंत नहीं बेचना चाहिए। हर फंड के बुरे दिन आते हैं या फिर अगर आपका दोस्त किसी नए फंड में पैसा डाल रहा है, तो उसके पीछे भागकर पुराना फंड बेच देना भी गलती है।

एक रिपोर्ट में अमेरिकी रिसर्च फर्म के मुताबिक निवेशकों को फंड के मुकाबले 3-4 फीसदी कम रिटर्न मिलता है, क्योंकि वे गलत समय पर बेच देते हैं। भारतीय निवेशक भी ऐसा ही करते हैं। पहला अगर आपका वित्तीय लक्ष्य पूरा हो गया हो- जैसे, अगर आपने बच्चे की पढ़ाई के लिए निवेश किया था और अब वह रकम चाहिए, तो बेच देना सही है। दूसरा, अगर फंड लगातार कई सालों तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा है। अगर आपका फंड अपने बेंचमार्क या दूसरों से पीछे है, तो उसे बदलने का समय है। तीसरा,

अगर आपकी जिंदगी में बड़ा बदलाव आया हो, जैसे नौकरी छूटना या रिटायरमेंट, तो अपने फंड को कम जोखिम वाले विकल्प में शिफ्ट कर सकते हैं। चौथा, अगर बाजार बहुत ज्यादा ऊंचा हो और आपको लगता हो कि गिरावट आ सकती है, तो कुछ रकम सुरक्षित जगह डालना ठीक होगा, लेकिन ये फैसला सावधानी से लें।

बता दें बेचने से पहले अपने फंड की जांच करें। फंड मैनेजर बदल गया हो, फंड का स्टाइल बदल गया हो, या उसका खर्चा ज्यादा हो, तो ये बेचने का कारण हो सकता है। लेकिन जल्दबाजी न करें। अपने वित्तीय सलाहकार से बात करें। बाजार की अस्थिरता को समझें और धैर्य रखें। म्यूचुअल फंड लंबे समय के लिए होते हैं और सही समय पर बेचने से आपकी मेहनत की कमाई सुरक्षित रह सकती है।

भारत में रूसी उर्वरकों का रिकॉर्ड आयात, पहली छमाही में 20 फीसदी बढ़ा

मॉस्को । वर्ष 2025 की पहली छमाही में भारत ने रूस से 25 लाख टन उर्वरक आयात किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। रूसी उर्वरक उत्पादक संघ के एक प्रमुख अे धिकारी के अनुसार इससे भारत के कुल उर्वरक आयात में रूस की हिस्सेदारी बढ़कर रिकॉर्ड 33 प्रतिशत हो गई है। इसका मतलब है कि भारत द्वारा आयात किए जा रहे हर तीसरे टन उर्वरक की आपूर्ति अब रूस से हो रही है। एक रूसी समाचार एजेंसी के मुताबिक पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बाद भारत ने मित्र देश के रूप में रूस से उर्वरक खरीद में अग्रणी भूमिका निभाई है। इस साझेदारी से भारत को सस्ती और स्थिर उर्वरक आपूर्ति मिल रही है, जबकि रूस को अपने निर्यात का नया बाजार प्राप्त हो रहा है। यह दोनों देशों के बीच मजबूत होते व्यापारिक संबंधों का संकेत है।

अमेरिका के टैरिफ से ट्राइडेंट ग्रूप संकट में

- कंपनी का करीब 70 प्रतिशत निर्यात अकेले अमेरिका में

- कंपनी के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ी

- शेयर बाजार में भारी गिरावट, 60 से 27 रूपये पहुंची कीमत

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ से भारतीय टेक्सटाइल कंपनियों को भारी नुक्सान हुआ है। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा टेक्सटाइल उत्पादक देश है। टेक्सटाइल और परिधान उद्योग का 2024 में बाजार आकार लगभग 146.55 अरब यूएस डॉलर का था और 2030 तक 350 अरब यूएस डॉलर तक पहुँचने का अनुमान लगाया जा रहा था। लेकिन अमेरिकी टैरिफ ने इस विकास यात्रा को बड़ा झटका दिया है।

देश की जानी मानी टेक्सटाइल कंपनी ट्राइडेंट अमेरिका में होम टेक्सटाइल (बाथ व बेड लिनेन) का निर्यात बड़ी मात्रा में करती है। अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के चलते गंभीर संकट में फंस गई है। अमेरिका ट्राइडेंट ग्रूप के लिए सबसे बड़ा निर्यात बाजार है और कंपनी का करीब 70 प्रतिशत होम टेक्सटाइल (बाथ और बेड लिनेन) निर्यात अकेले अमेरिका में होता है। अन्य देशों में 20 प्रतिशत और भारत के घरेलू बाजार में लगभग 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

ट्राइडेंट अपने उत्पादों का निर्यात 150 देशों में करता है, जो एशिया, यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अमेरिका जैसे छह महाद्वीपों तक फैला हुआ है। कंपनी के कुल राजस्व का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा निर्यात से आता है, जिसमें अमेरिका की हिस्सेदारी सबसे बड़ी है। 50 प्रतिशत टैरिफ का असर अब मध्यप्रदेश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर साफ दिखने लगा है। राज्य के मंडीदीप और बुधनी लंबे समय से भारत के प्रमुख टेक्सटाइल हब माने जाते हैं। यहां से न सिर्फ घरेलू बाजार बल्कि बड़े पैमाने पर निर्यात भी होता है। ट्राइडेंट के साथ वर्धमान, अनंत स्पिनिंग और सागर मैन्युफैक्चरर्स जैसी कंपनियां अमेरिका में बड़े स्तर पर टेक्सटाइल निर्यात करती हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ से ट्राइडेंट ग्रूप की लागत बढ़ जाएगी और अमेरिकी बाजार में इसकी प्रतिस्पर्धा क्षमता कमजोर होगी। इससे न केवल निर्यात प्रभावित होगा बल्कि कंपनी की आय और लाभांश पर भी बड़ा असर पड़ेगा।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि इस झटके के तुरंत बाद भारतीय शेयर बाजार में ट्राइडेंट ग्रूप के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई।

तीन साल में खुदरा राजस्व में 20 फीसदी सीएजीआर का लक्ष्य: रिलायंस रिटेल

- हर साल 2,000-3,000 नए स्टोर खोलने की योजना

मुंबई । रिलायंस रिटेल को आने वाले तीन वर्षों में अपने खुदरा राजस्व में 20 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक चक्रवृद्धि दर (सीएजीआर) हासिल होने का भरोसा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में कंपनी की कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने कहा कि कंपनी के विकास के तीन मुख्य इंजन - ऑफलाइन स्टोर्स, ऑनलाइन चैनल और बी2बी सेगमेंट पहले से ही लाभदायक हैं और तीव्र वृद्धि के लिए तैयार हैं। ईशा अंबानी ने बताया कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में 2,659 नए स्टोर खोले, जिससे स्टोर्स की कुल संख्या 19,340 हो गई है। ये स्टोर्स 7,000 से अधिक शहरों और कस्बों में 7.7 करोड़ वर्ग फुट में फैले हैं। वर्तमान में कंपनी का लगभग 70 फीसदी राजस्व फिजिकल स्टोर्स से आता है। अगले तीन वर्षों में हर साल 2,000-3,000 नए स्टोर खोलने की योजना है। ऑनलाइन चैनल की हिस्सेदारी फिलहाल सिंगल डिजिट में है, लेकिन कंपनी का लक्ष्य इसे तीन वर्षों में 20 फीसदी तक पहुंचाना है। क्विक कॉमर्स में बेहतर डिलीवरी नेटवर्क और डेटा एनालिटिक्स के साथ कंपनी प्रतिस्पर्धियों से आगे निकलने की योजना बना रही है। ईशा अंबानी ने कहा कि कंपनी की मजबूती उसके आठ प्रमुख स्तंभों पर आधारित है, जिनमें उपभोक्ता की समझ, उत्पाद विकास, तेज आपूर्ति श्रृंखला और ओमनी-चैनल रणनीति शामिल हैं।

मध्यप्रदेश के कण-कण में है सौंदर्य

डॉ. मोहन यादव

भारत का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश अप्रतिम सौंदर्य से समृद्ध प्रदेश है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि मध्यप्रदेश सर्वाधिक सम्मोहित करने वाला राज्य है। इसके कण-कण में सौंदर्य है। जो एक बार आता है यहां की स्मृतियों के सम्मोहन में बंधकर बार-बार आता है। मध्यप्रदेश में हर आयु के पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता है।

भारत का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश अप्रतिम सौंदर्य से समृद्ध प्रदेश है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि मध्यप्रदेश सर्वाधिक सम्मोहित करने वाला राज्य है। इसके कण-कण में सौंदर्य है। जो एक बार आता है यहां की स्मृतियों के सम्मोहन में बंधकर बार-बार आता है। मध्यप्रदेश में हर आयु के पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता है।

पर्यटन के संबंध में दशकों पहले की अवधारणाएं अब समाप्त हो गई हैं। मध्यप्रदेश के पर्यटन ने अब उद्योग का रूप ले लिया है। हमारी नीतियों और दूरदर्शी निर्णयों से पर्यटन क्षेत्र का तेजी से विस्तार हो रहा है। यह सर्वमान्य तथ्य है कि अर्थव्यवस्था में पर्यटन सर्वाधिक रोजगार उत्पन्न करने वाला सैक्टर है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अतुल्य भारत का वैश्विक स्तर पर मान-सम्मान बढ़ा है। इसका सकारात्मक प्रभाव सभी राज्यों के पर्यटन उद्योग पर पड़ा है। देश का घरेलू पर्यटन बढ़ने से मध्यप्रदेश जैसे तेजी से बढ़ते राज्य को सीधा लाभ हुआ है।

मध्यप्रदेश के शांतिप्रिय नागरिकों के लिये सबसे ज्यादा खुशी की बात है कि मध्यप्रदेश अब वैश्विक पर्यटन नक्शे पर ध्रुव तारे जैसा चमक रहा है। हमारे पर्यटन की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह अत्यंत समृद्ध और विविधता से सम्पन्न है। साथ ही जिम्मेदार और सुरक्षित भी।

प्रदेश में पर्यटन की नई-नई शाखाएं उभरी हैं। प्राकृतिक पर्यटन हो या सांस्कृतिक पर्यटन, आध्यात्मिक पर्यटन हो या वन्यजीव पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन हो या रोमांचकारी पर्यटन, कृषि पर्यटन हो या फिल्म पर्यटन या नया उभरता हुआ चिकित्सा पर्यटन। इन सभी नये स्वरूपों के साथ मध्यप्रदेश की पहचान बहु आयामी पर्यटन प्रदेश के रूप में हो रही है। प्रदेश में अब पर्यटकों की संख्या हर वर्ष बढ़ती जा रही है। गत वर्ष देश में सर्वाधिक पर्यटक मध्यप्रदेश में आए। नैसर्गिक सौन्दर्य, वन्य प्राणी, धार्मिक स्थल, आकर्षक ऐतिहासिक विरासतें और हरे-भरे वन हमारी विशेषता हैं। हमारे वन जीवित हैं। देश में सर्वाधिक बाघ मध्यप्रदेश में हैं। चंबल सबसे साफ नदी है जिसमें घड़ियालों का संरक्षण हो रहा है। नर्मदा मैया के दर्शन करने हजारों श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि से मध्यप्रदेश अब देश का एकमात्र चीता प्रदेश बन गया है। चीतों का परिवार पालपुर कूनो में फल फूल रहा है।

सांची, खजुराहो और भीमबेटका जैसी विश्वविख्यात धरोहर हमारी वैश्विक सांस्कृतिक पहचान है। अब यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में ग्वालियर किला, बुरहानपुर का

खूनी भंडारा, चंबल के पत्थर कला स्थल, भोजेश्वर महादेव मंदिर भोजपुर, रामनगर मंडला के गोंड स्मारक और मंदसौर का धमनार भी जुड़ने की तैयारी में हैं। इसके अलावा नर्मदा परिक्रमा, गोंड चित्रकला और भगोरिया उत्सव भी पर्यटन के नक्शे पर प्रमुखता से उभरे हैं। मध्यप्रदेश ऐसा अग्रणी राज्य बन गया है, जिसने सबसे ज्यादा 18 स्थलों को विश्व विरासत सूची में शामिल करने की पहल की है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सहयोग से मध्यप्रदेश के पर्यटन को नई दिशा मिली है। केन्द्र का भरपूर सहयोग मिल रहा है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां ईको सेंसिटिव जोनल मास्टर प्लान बनाने का काम शुरू किया गया और 27 राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों में से सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान और बोरी वन्य जीव अभयारण्य में पूरा हो गया। हैरिटेज पर्यटन की कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

प्रदेश में अधोसंरचना मजबूत होने, सड़क संपर्क में निरंतर सुधार होने और केन्द्र सरकार के सहयोग से रेल सुविधाओं के बढ़ने से पर्यटन क्षेत्र और उद्योग को लाभ मिला है। इस क्षेत्र में निवेश निरंतर बढ़ रहा है। हाल में रीवा पर्यटन कॉन्क्लेव में तीन हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले। पर्यटन स्थलों में सुविधाएं निरंतर बढ़ाई जा रही हैं। पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा की शुरूआत हुई है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सतना और सिंगरौली के मध्य वायु सेवा का संचालन हो रहा है। मध्यप्रदेश सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा है। इसी समय आध्यात्मिक पर्यटन भी निरंतर विस्तार ले रहा है। भगवान श्रीमहाकाल की नगरी उज्जैन और यहां श्रीमहाकाल लोक विश्व विख्यात हैं। पिछले साल सात करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। प्रदेश की जीडीपी में पर्यटन क्षेत्र के योगदान में आध्यात्मिक पर्यटन भागीदारी को और ज्यादा सशक्त बनाने की तैयारी चल रही है।

ओरछा में भगवान श्रीराम का मंदिर है। यह विश्व का एकमात्र मंदिर है, जहां भगवान को राजा के रूप में गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाता है। यह अभूतपूर्व आध्यात्मिक घटनाक्रम है। यहां भगवान श्रीराम राजा की सरकार स्थापित है। ग्वालियर के ऐतिहासिक भव्य किले के संबंध में उल्लेख मिलता है कि भारत में पहली बार जीरो का लिखित इस्तेमाल कहां हुआ। ग्वालियर किले में नवीं शताब्दी के इस चतुर्भुज मंदिर में शून्य का सबसे शुरूआती शिलालेख पर उकेरा हुआ प्रमाण मिलता है। इस मंदिर को दुनिया में टैंपल ऑफ जीरो के नाम से भी पहचाना जाता है। धार्मिक आयोजनों को नया स्वरूप दिया जा रहा है। बाबा श्रीमहाकाल की दिव्य सवारी को भव्य रूप दिया गया। रक्षा बंधन के त्यौहार और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को सार्वजनिक रूप से प्रदेश के कोने-कोने में मनाया गया।

धार्मिक महत्व के स्थलों में धार्मिक और सांस्कृतिक लोगो और स्मारकों का निर्माण आध्यात्मिक पर्यटन को नया आयाम देगा। संत रविदास लोक सागर, रानी दुर्गावती स्मारक जबलपुर, देवी लोक सलकनपुर सीहोर, श्री रामराजा लोक ओरछा, जाम सांवली श्री हनुमान लोक पांढुर्ना, श्री पशुपतिनाथ लोक मंदसौर, श्री परशुराम लोक जानापाव महू, महाराणा प्रताप लोक भोपाल, भादवा माता लोक नीमच, रानी अवंतीबाई स्मारक जबलपुर, माँ नर्मदा महालोक अमरकंटक अनूपपुर, देवी अहिल्या लोक खरगौन और नागलवाड़ी लोक बड़वानी में किया जा रहा है।

एक ओर जहां आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन समृद्ध हो रहा है वहीं दूसरी ओर फिल्म पर्यटन भी तेजी से बढ़ रहा है। फिल्म निमार्ताओं को मध्यप्रदेश में आकर्षक सुविधाएं मिल रही हैं। कई प्रसिद्ध फिल्मों की शूटिंग मध्यप्रदेश में हुई है। इससे स्थानीय कलाकारों को फिल्मो में काम मिला। फिल्म यूनिट के सदस्यों को होम स्टे की सुविधाओं का लाभ मिला। होम स्टे की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। प्रदेश की ग्रामीण संस्कृति को देखने-समझने में होम स्टे अच्छी भूमिका निभा रहे हैं। फिलहाल 100 पर्यटन ग्राम विकसित किए गए हैं, जिनमें से 63 पर्यटन ग्राम विकसित हो चुके हैं। इनमें 470 से ज्यादा होम स्टे हैं। देश के पहले हैंडलूम गाँव प्राणपुर को वैश्विक पहचान मिली है। गॉड, भील पेंटिंग और मांडना आर्ट जैसी जनजातीय कलाओं से पर्यटक परचित हुए हैं।

हमारा लक्ष्य है कि पर्यटन उद्योग का निरंतर विस्तार हो, ताकि पर्यटन की संभावनाओं को पूरी तरह रोजगार सृजन के लिये उपयोग किया जा सके। वर्ष 2024 में 13 करोड़ 41 लाख से ज्यादा पर्यटक प्रदेश में आये, जो एक रिकार्ड है। विदेशी पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। बांधवगढ़, कान्हा, पन्ना और पेंच में आवागमन बढ़ा है। जिस प्रकार मध्यप्रदेश ने आर्थिक निवेश के द्वार खोले हैं, पर्यटन क्षेत्र पर इसका सीधा प्रभाव पड़ा है। स्थानीय समुदाय की भागीदारी, उद्योग समूहों के सहयोग और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता से पर्यटन का क्षेत्र मध्यप्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।

लेखक मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन हैं

संपादकीय

काशी, मथुरा और संघ

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने स्पष्ट कहा है कि राम मंदिर एकमात्र ऐसा आंदोलन था, जिसका संघ ने समर्थन किया था और अब काशी और मथुरा सहित ऐसे किसी अन्य अभियान का समर्थन नहीं करेगा। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में अपनी तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के अंतिम दिन सवालों के जवाब में भागवत ने यह भी स्पष्ट किया कि आरएसएस के स्वयंसेवक ऐसे आंदोलनों में शामिल होने के लिए स्वतंत्र हैं। हिन्दू समाज आग्रह करेगा तो संघ के स्वयंसेवक संस्कृति और समाज के हिसाब से इस प्रकार के किसी अभियान में शिरकत कर सकते हैं। यह व्याख्यान श्रृंखला आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी। देश में रोजगार परिदृश्य, संस्कृत की विषय के रूप में अनिवार्यता, भारत की अखंडता, हिन्दू-मुस्लिम एकता, जाति-वर्ण व्यवस्था, जातिगत आरक्षण, भाषा विवाद, भाजपा अध्यक्ष के चयन में विलंब, एक तय आयु में संन्यास जैसे तमाम मुद्दों पर भी संघ प्रमुख ने अपनी बात कही। जहां तक काशी-मथुरा में धर्म स्थल का मसला है, तो यह मामला कोई नया नहीं है, लेकिन राम मंदिर आंदोलन के चलते इसे हिन्दुत्ववादियों ने थोड़े समय के लिए विराम दे रखा था। राममंदिर का निर्माण पूरा होते ही वे हरकत में आ गए। न केवल काशी-मथुरा, बल्कि सम्भल में शाही जामा मस्जिद के सर्वे के मुद्दे के साथ ही अन्य अनेक धर्मस्थलों को लेकर मामलों ने भी जोर पकड़ लिया। बीते साल 24 नवम्बर को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा भड़क उठी थी। हिंसा मामले की जांच के लिए बने आयोग ने बृहस्पतिवार को ही अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपी है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे दंगों के बाद तुष्टीकरण की राजनीति के चलते बड़े पैमाने पर आबादी में बदलाव, धर्म परिवर्तन और समुदाय विशेष के परिवारों का पलायन हुआ। बेशक, संघ प्रमुख पहले भी कह बार स्पष्ट कर चुके हैं कि हर जगह मंदिर नहीं ढूंढ़ा जाना चाहिए। लेकिन लगता नहीं कि धर्मस्थलों में मंदिर ढूंढे जाने की कवायद थम पाएगी। दरअसल, यह मसला बहुत पहले से धार्मिक से ज्यादा राजनीतिक हो चुका है।

कटाक्ष/ कबीरदास

अब शॉल नहीं ओढ़ाएंगे!

तो मोदी जी को पचहत्तर साल वाला शॉल ओढ़ाने का प्रोग्राम कैंसिल! थैंक यू भागवत जी, सारा कंफ्यूजन दूर करने के लिए। शुक्र है, आपने वक्त रहते साफ कर दिया कि पचहत्तर साल वाला शॉल आप न खुद ओढ़ेंगे और न किसी को और को ओढ़ाने देंगे। किसी और को ओढ़ाना देना तो दूर, किसी को ओढ़ने की सलाह भी नहीं देंगे। वर्ना जब से आपने पचहत्तर साल वाला शॉल ओढ़ने-ओढ़ाने की सलाह दी थी, सुनने में आया था कि मार्गदर्शक मंडल में हड़कंप मचा हुआ था।

अडवाणी जी, जोशी जी तय नहीं कर पा रहे थे कि नये प्रवेशार्थी की रैगिंग की तैयारी करें या पुष्प गुच्छ से स्वागत की। और हड़कंप नागपुर छाप भगवा पार्टी में भी मचा हुआ था। जितने चेहरे टीवी पर, उतनों की ही दावेदारी। योगी जी तो पहले ही दरवाजे के पीछे से झांक रहे थे-अंदर आ जाऊं। शाह जी पहले ही आधे दरवाजे के अंदर थे-नंबर दो। पचहत्तर साल के शॉल का ख्याल कर के, दिल पर पत्थर रख कर अगला कदम उठाने को तैयार, वर्ना वह तो नंबर दो में ही खुश थे। उधर, गडकरी जी वाया नागपुर दिल्ली के लिए अलग ही हाईवे बनाते हुए संतई की मुद्रा में-संघ की कुर्सी, संघ दे तो उसका भला और नहीं भी दे, तो भी उसका भला! पर भागवत जी ने सब के मंसूबों पर पानी फेर दिया। पचहत्तर साल पर शॉल ओढ़ाने का प्रोग्राम ही कैंसल करा दिया। न खुद पचहत्तर साल वाला शॉल ओढ़ेंगे और न किसी को मोदी जी को शॉल ओढ़ाने देंगे। भागवत भी स्वयंसेवक और मोदी जी भी स्वयंसेवक। और स्वयंसेवक के लिए न टायरमेंट और न रिटायरमेंट! अगली पीढ़ी के लिए जगह खाली करने का तो खैर कोई सवाल ही नहीं उठता है। भागवत जी की पचहत्तर साल का शॉल ओढ़ने-ओढ़ाने की पिछले महीने की जिस बात को लोग ले उड़े थे, असल में मोदी जी के विरोधियों की मिसअंडरस्टेंडिंग थी। भागवत जी, मोदी जी जैसे स्वयंसेवकों को नहीं, अडवाणी जी जैसे भूतपूर्व-स्वयंसेवकों को पचहत्तर की उम्र वाला शॉल ओढ़ाए जाने की बात कर रहे थे, ताकि उनका रिटायरमेंट पक्का हो जाए। और हां, शॉल नहीं ओढ़ाएंगे की तुक, डिग्री नहीं दिखाएंगे से जोड़ने की कोशिश कोई नहीं करे। न पहले और न आज, डिग्री दिखाने की बात तो भागवत जी ने कभी भी नहीं कही। कागज प्रजा दिखाती है, चक्रवर्ती सम्राट नहीं।

प्रेम, भक्ति एवं शक्ति की अनंत ज्योति हैं राधाजी

ललित गर्ग

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की अष्टमी का दिन भारतीय संस्कृति में प्रेम, भक्ति, शक्ति और समर्पण का अनोखा पर्व लेकर आता है-यह है राधाष्टमी। इसे राधा रानी का जन्मोत्सव माना जाता है। यह केवल किसी भक्ति की शिखर नारी चरित्र के जन्मोत्सव का पर्व नहीं, बल्कि उस दिव्य शक्ति की अभ्यर्थना है जिसने स्वयं श्रीकृष्ण के जीवन को एक अनूठी ऊंचाई दी। इस दिन भक्त राधा और श्रीकृष्ण की पूजा करते हैं, व्रत रखते हैं और उनकी कृपा से सुख-समृद्धि व सौभाग्य की प्राप्ति की कामना करते हैं। ब्रजभूमि, खासकर बरसाना में इसे बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। राधाजी प्रेम, भक्ति और श्रीकृष्ण के भीतर छिपी शक्ति का प्रतीक हैं; वह प्रेम की पराकाष्ठा, भक्ति की देवी और श्रीकृष्ण की आंतरिक शक्ति के रूप में पूजी जाती हैं। उनका दिव्य प्रेम आध्यात्मिक प्रेम की एक मिसाल है। यदि श्रीकृष्ण लीला, माधुर्य और करुणा के अवतार हैं, तो राधा उस लीला का रस, उस माधुर्य की गहराई और उस करुणा की आत्मा हैं। इसीलिए भारतीय भक्ति परंपरा में कहा गया-''राधे बिनु नहीं कृष्ण, कृष्ण बिनु नहीं राधे'।

राधा भारतीय संस्कृति में केवल एक स्त्री का नाम नहीं हैं, वे प्रेम की पराकाष्ठा और भक्ति की सर्वोच्च अभिव्यक्ति हैं। उनका प्रेम सांसारिक या देहाधारित नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा का मिलन है। यह प्रेम स्वार्थ और अधिकार से परे है, यह प्रेम केवल समर्पण और तादात्म्य का है। राधा का जीवन त्याग और अनुराग का अद्भुत समन्वय है। उन्होंने कभी अपने लिए कुछ नहीं चाहा, उनका हर भाव, हर श्वास केवल श्रीकृष्ण में रमा रहा। यही कारण है कि भक्त कवियों ने राधा को 'भक्ति-रस की मूर्ति' और 'प्रेम की अधिष्ठात्री देवी' कहा। सूरदास ने लिखा-'प्रेम भया मनु भाव समाना, राधा तन मन कृष्ण बखाना।' अर्थात, प्रेम ऐसा हो कि हृदय और आत्मा में केवल श्रीकृष्ण का ही वास हो जाए। निश्चित ही राधा और श्रीकृष्ण का संबंध, आत्मा और परमात्मा का अद्भुत एवं विलक्षण संवाद है। सामान्य दृष्टि से देखने पर राधा और श्रीकृष्ण का संबंध केवल प्रेमिका-प्रेमी का प्रतीत हो सकता है, लेकिन इसका वास्तविक अर्थ बहुत गहन है। यह संबंध सांसारिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक है। यह आत्मा और परमात्मा का शाश्वत संवाद इसलिये है कि इसमें किसी प्रकार का मोह, स्वार्थ या वासना नहीं है। राधा श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व को पूर्णता प्रदान करती हैं। श्रीकृष्ण लीला के केंद्र हैं, परंतु वह लीला राधा के बिना अधूरी है। इसीलिए भक्त परंपरा में श्रीकृष्ण का नाम लेने से पहले राधा का नाम लिया जाता है, 'राधे-कृष्ण', 'श्यामा-श्याम'। यह क्रम अपने आप में गहरा दार्शनिक संदेश देता है कि परमात्मा तक पहुँचने का मार्ग राधा जैसे प्रेम और भक्ति से होकर जाता है। राधा केवल श्रीकृष्ण की प्रेयसी नहीं, बल्कि उनकी शक्ति और प्रेरणा हैं। गीता में श्रीकृष्ण ने प्रकृति के दो रूप बताए हैं-अपरा और परा। राधा को 'परा प्रकृति' का स्वरूप माना जाता है, जो जीवन को आध्यात्मिकता की ओर ले जाती है। वे श्रीकृष्ण की लीलाओं की आत्मा हैं, उनकी आराधना का आधार हैं। राधा के प्रेम में कोई अधिकार नहीं, केवल समर्पण है। उनका संदेश है कि सच्चा प्रेम पाने में नहीं, बल्कि देने में है। यही देने की भावना जीवन को ऊँचाई देती है। यह प्रेम केवल मनुष्य और मनुष्य के बीच संबंधों में ही नहीं, बल्कि मनुष्य और ईश्वर के संबंध में भी उतना ही प्रासंगिक है।

राधा की भक्ति को सर्वोच्च माना गया है। उनका प्रेम निष्काम है, केवल श्रीकृष्णमय है। उन्होंने अपने अस्तित्व को ही श्रीकृष्ण में विलीन कर दिया। यही कारण है कि चैतन्य महाप्रभु ने राधा की भक्ति को अपनाया और उसी रस में डूबकर कहा-'मैं राधा की भक्ति में श्रीकृष्ण को देखता हूँ और श्रीकृष्ण की भक्ति में राधा को।' सूरदास, रसखान, विद्यापति, मीराबाई-सभी भक्त कवियों ने राधा के माध्यम से ही प्रेम और भक्ति के गहनतम स्वरूप का चित्रण किया। मीराबाई ने जब कहा-'मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई'-तो उसमें राधा का ही भाव प्रतिध्वनित होता है। आज के समय में जब संबंधों में स्वार्थ, गणना और तात्कालिकता का समावेश बढ़ता जा रहा है, तब राधा का चरित्र हमारे लिए नई रोशनी देता है। सच्चा प्रेम वही है जिसमें समर्पण, विश्वास और त्याग हो। समकालीन जीवन में जहां परिवार और समाज टूटते जा रहे हैं, वहां राधा का संदेश और भी महत्वपूर्ण हो उठता है। उनका जीवन बताता है कि जब तक हम संबंधों को केवल लाभ-हानि की दृष्टि से देखते रहेंगे, तब तक उनमें स्थायित्व नहीं आएगा। स्थायित्व तभी आएगा जब उनमें राधा जैसा समर्पण होगा।

भक्ति के स्तर पर भी राधा हमें प्रेरणा देती हैं। आज धर्म अक्सर कर्मकांड और बाहरी आडंबर तक सीमित होता जा रहा है। राधा हमें सिखाती हैं कि भक्ति हृदय की गहराई में होती है, जहां भक्त और भगवान का भेद मिट जाता है। जब हम राधा की तरह निष्काम होकर ईश्वर में समर्पित हो जाते हैं, तब जीवन की हर कठिनाई तुच्छ लगने लगती है और एक अद्भुत शांति प्राप्त होती है। राधा का जीवन हमें यह स्मरण कराता है कि मनुष्य का परम उद्देश्य केवल भौतिक सुख या उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा का मिलन है। वे हमें बताती हैं कि भक्ति केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि हृदय की गहराई से ईश्वर के साथ तादात्म्य स्थापित करना है। आज जब मानवता संघर्ष, तनाव और अकेलेपन से गुजर रही है, राधा हमें सिखाती हैं कि सच्चा समाधान प्रेम और समर्पण में है। यदि हम राधा के जीवन से प्रेरणा लें, तो हमारे व्यक्तिगत संबंध, सामाजिक ताना-बाना और आध्यात्मिक जीवन सब में नई ऊर्जा और शांति का संचार हो सकता है।

शास्त्रों में श्री राधा श्रीकृष्ण की शाश्वत शक्तिस्वरूपा एवम्-प्राणों की अधिष्ठात्री देवी के रूप में वर्णित हैं अतः

राधाजी की पूजा के बिना श्रीकृष्ण की पूजा अधूरी मानी गयी है। श्रीमद देवी भागवत में श्री नारायण ने नारदजी के प्रति 'श्री राधायै स्वाहा' षडाक्षर मंत्र की अति प्राचीन परंपरा तथा विलक्षण महिमा के वर्णन प्रसंग में श्री राधा पूजा की अनिवार्यता का निरूपण करते हुए कहा है कि श्री राधा की पूजा न की जाए तो मनुष्य श्रीकृष्ण की पूजा का अधिकार नहीं रखता। स्वयं भोलेनाथ ऋषि नारदजी के पूछने पर कहते हैं कि मैं तो श्रीराधा के रूप, लावण्य और गुण आदि का वर्णन करने मे अपने को असमर्थ पाता हूं। उनके रूप आदि की महिमा कहने में भी लज्जित हो रहा हूं। तीनों लोकों में कोई भी ऐसा समर्थ नहीं है जो उनके रूपादि का वर्णन करके पार पा सके। उनकी रूपमाधुरी जगत को मोहने वाले श्रीकृष्ण को भी मोहित करने वाली है। यदि अनंत मुख से चाहूं तो भी उनका वर्णन करने की मुझमें क्षमता नहीं है।' शास्त्रों के अनुसार, राधा के बिना कृष्ण की पूजा भी अधूरी मानी जाती है, इसलिए राधा अष्टमी का महत्व बहुत अधिक है। इस दिन व्रत और पूजा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और भक्तों को धन, ऐश्वर्य और सुख मिलता है। विवाहित महिलाएं अखंड सौभाग्य और संतान सुख के लिए राधा अष्टमी का व्रत रखती हैं। राधाअष्टमी का पर्व केवल एक जन्मोत्सव नहीं, बल्कि यह हमें यह याद दिलाता है कि सच्चा प्रेम और भक्ति किसे कहते हैं।

बाढ़ से तबाही : तबाही की वजह तलाशनी जरूरी

रोहित कौशिक

बारिश और बाढ़ के कारण भारत के कई राज्यों में भारी तबाही हुई है। एक तरफ नदियां उफान पर हैं, तो दूसरी तरफ पहाड़ टूट रहे हैं। महाराष्ट्र में पिछले कई दिनों से बारिश का कहर जारी है।

मूसलाधार बारिश के बाद बाढ़ के कारण जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। देश के अनेक हिस्सों में बाढ़ के कारण कई लोगों की मौत हो चुकी है। राजस्थान में कई जगहों पर भारी बारिश के कारण स्थिति खराब हो गई है। उत्तर प्रदेश और बिहार में भी कई जगहों पर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से पार पहुंचने के कारण हालात खराब हैं। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से भूस्खलन होने के कारण कई सड़कें बंद हैं। त्रिपुरा में भी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और नगालैंड में भी यही हाल हैं।

भारी बारिश की वजह से देश के कई हिस्सों में बाढ़ के हालात हैं। विकास परियोजनाओं के लिए जिस तरह जंगलों को नष्ट किया गया, उसने स्थिति को और भयावह बना दिया है। इसके कारण मानसून तो प्रभावित हुआ ही, भू-क्षरण एवं नदियों द्वारा कटाव किए जाने की प्रवृत्ति भी बढ़ी। बाढ़-सूखा जमाने से जीवन को परेशानी में डालते रहे हैं। बाढ़-सूखा प्राकृतिक आपदाएं भर नहीं हैं, बल्कि प्रकृति की चेतावनियां भी हैं। सवाल है कि क्या हम पढ़-लिख लेने के बावजूद प्रकृति की चेतावनियों को समझ पाते हैं। विडम्बना ही है कि पहले से अधिक पढ़े-लिखे समाज में प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठा कर जीवन जीने की समझदारी अभी भी विकसित नहीं हो पाई है। \बाढ़-सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाएं पहले भी आती थीं लेकिन उनका अपना अलग शास्त्र और तंत्र था। इस दौर में मौसम विभाग की भविष्यवाणियों के बावजूद हम बाढ़ का पूवार्नुमान नहीं लगा पाते। दरअसल, प्रकृति के साथ जिस तरह का व्यवहार हम कर रहे हैं, उसी तरह का व्यवहार प्रकृति भी हमारे साथ कर रही है। पिछले कुछ समय से भारत को जिस तरह सूखे-बाढ़ का सामना करना पड़ा है, वह आईपीसीसी की जलवायु परिवर्तन पर आधारित उस रिपोर्ट का ध्यान दिलाता है, जिसमें जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़-सूखे जैसी आपदाओं की चेतावनी दी गई थी।

आज ग्लोबल वार्मिंग जैसा शब्द इतना प्रचलित हो गया है कि इस मुद्दे पर हम बनी-बनाई लीक पर ही चलना चाहते हैं। यही कारण है कि कभी हम आईपीसीसी की रिपोर्ट को संदेह की नजर से देखने लगते हैं, तो कभी ग्लोबल वार्मिंग को अनावश्यक हौव्वा मानने लगते हैं। विडंबना ही है कि हम इस मुद्दे पर बार-बार सच से मुंह मोड़ना चाहते हैं। दरअसल, प्रकृति से छेड़छाड़ का नतीजा जलवायु परिवर्तन के किस रूप में हमारे सामने होगा, यह नहीं कहा जा सकता। जलवायु परिवर्तन का एक ही जगह पर अलग-अलग असर हो सकता है। यही कारण है कि हम बार-बार बाढ़-सूखे का ऐसा पूवार्नुमान नहीं लगा पाते जिससे लोगों की जान-माल की समय रहते पर्याप्त सुरक्षा हो सके। शहरों और कस्बों में होने वाले जल-भराव के लिए काफी हद तक हम भी जिम्मेदार हैं। पिछले कुछ वर्षो में कस्बों और शहरों में जो विकास और विस्तार हुआ है, उसमें पानी की समुचित निकासी की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। गंदे नालों की पर्याप्त सफाई न हाने से उनकी पानी बहा कर ले जाने की क्षमता लगातार कम हो रही है। यही कारण है कि अधिकतर कस्बों और शहरों में थोड़ी बारिश होने पर ही सड़कों पानी भर जाता है। गौरतलब है कि 1950 में हमारे यहां लगभग ढाई करोड़ हेक्टेयर भूमि ऐसी थी जहां पर बाढ़ आती थी लेकिन अब लगभग सात करोड़ हेक्टेयर भूमि ऐसी है, जिस पर बाढ़ आती है। हमारे देश में केवल चार महीनों के भीतर ही लगभग अस्सी फीसद पानी गिरता है। उसका वितरण इतना असमान है कि कुछ इलाके बाढ़ और बाकी इलाके सूखा झेलने को अभिशप्त हैं।

ऐसी भौगोलिक असमानताएं हमें बहुत कुछ सोचने को मजबूर करती हैं। पानी का सवाल जैविक आवश्यकता से भी जुड़ा है। हमें यह सोचना होगा कि बाढ़ के पानी का सदुपयोग कैसे किया जाए। बाढ़ के संबंध में विशेषज्ञ चेतावनी देते रहते हैं कि भविष्य में बाढ़ की प्रवृत्ति और प्रकृति लगातार बदलती रहेगी। इसलिए हमें एक तरफ अपने आपदा प्रबंधन तंत्र को सक्रिय बनाना होगा तो दूसरी तरफ अपने पारंपरिक जल स्त्रेतों पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा।

गौरतलब है कि देश में बाढ़ से होने वाले नुकसान का लगभग साठ फीसद उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, असम और आंध्र प्रदेश में बाढ़ के माध्यम से होता है। बाढ़ केवल हमारे देश में ही कहर नहीं ढा रही है, बल्कि चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल जैसे देश भी इसी तरह की समस्या से जूझ रहे हैं। हालांकि हमारे देश में सूखे-बाढ़ से पीड़ित लोगों के लिए अनेक घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन मात्र घोषणाओं के सहारे ही पीड़ितों का दर्द कम नहीं होता है। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इन घोषणाओं का लाभ वास्तव में पीड़ितों तक भी पहुंचे।

(लेख में विचार निजी हैं)

संक्षिप्त समाचार

सांसदों की वेतन बढ़ोतरी के खिलाफ 20 हजार छात्रों का प्रदर्शन

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशियाई संसद सदस्यों के वेतन-भत्तों में बढ़ोतरी के खिलाफ राजधानी जकार्ता में इन दिनों हजारों छात्र सड़कों पर हैं, जिनकी तादाद करीब 20 हजार है। प्रदर्शनरत छात्र संसद भवन तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। ऐसे में पुलिस ने पानी की बौछार की और कई राउंड आंसू गैस के गोले दागे। इससे कई छात्र घायल हो गए।

ब्राजील में आपराधिक नेटवर्क से जुटी 22 करोड़ अमेरिकी डॉलर की संपत्ति जब्त

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को देशभर में चलाए गए एक बड़े अभियान के तहत 1.2 अरब रियाल (करीब 22 करोड़ अमेरिकी डॉलर) की संपत्ति जब्त की है। यह कार्रवाई ईंधन क्षेत्र और निवेश फंड्स के जरिये चलाए जा रहे एक विशाल मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क से जुड़ी हुई थी। अधिकारियों ने 14 जगहों पर तलाशी और जब्ती वारंट तथा 14 गिरफ्तारी वारंट जारी किए, जिनमें से पांच लोगों को हिरासत में लिया गया। न्याय मंत्री रिकार्डो लेवानडोव्स्की ने इसे देश के इतिहास में संगठित अपराध के खिलाफ सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक बताया। हालांकि, संघीय अधिकारियों ने किसी भी व्यक्ति या कंपनी का नाम नहीं बताया, क्योंकि जांच अभी गुप्त और जारी है। लेकिन साओ पाउलो के अभियोजकों ने कहा कि यह नेटवर्क ब्राजील के कुख्यात आपराधिक गिरोह फर्स्ट कैपिटल कमांड से जुड़ा हुआ है।

म्यांमार में केएनयू आतंकवादी संगठन घोषित

नाएप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार की सैन्य सरकार ने बृहस्पतिवार को आधिकारिक तौर पर करेन नेशनल यूनियन (केएनयू) को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया। यह संगठन देश का एक बड़ा जातीय विद्रोही समूह है। अब इसके साथ किसी भी तरह की गतिविधि करना, यहां तक कि तीसरे पक्ष द्वारा संपर्क करना भी गैरकानूनी होगा। करेन नेशनल यूनियन देश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में सक्रिय है और 1948 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता मिलने के बाद से लगातार अधिक स्वायत्तता के लिए लड़ाई लड़ रहा है। फरवरी 2021 में आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर सेना ने सत्ता अपने हाथ में ले ली थी। तभी से केएनयू और सेना के बीच लगातार और तीखी लड़ाई हो रही है। यह घोषणा ऐसे समय आई है, जब महज चार महीने बाद 28 दिसंबर से सेना-नियोजित चुनाव होने हैं। केएनयू पहले ही एलान कर चुका है कि वह इन चुनावों को बाधित करेगा। अब आतंकवादी घोषित किए जाने के बाद इसके लिए किसी भी तरह की गतिविधि करना, चाहे वह सिर्फ प्रचार या जानकारी फैलाने का शांतिपूर्ण तरीका ही क्यों न हो, गैरकानूनी हो गया है।

ट्रंप प्रशासन ने सैन्य अड्डे से आव्रजन अभियान में मदद मांगी

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने इस हफ्ते शिकागो के बाहर स्थित एक सैन्य अड्डे से आव्रजन अभियान में सहयोग मांगा है। यह कदम इस बात का संकेत देता है कि देश के तीसरे सबसे बड़े शहर में कड़ी कार्रवाई कैसी दिख सकती है। नेवल स्टेशन ग्रेट लेक्स के प्रवक्ता मैट मोगल ने बुधवार को बताया कि होमलैंड सुरक्षा विभाग ने बेस से सीमित सहयोग की मांग की है, जिसमें सुविधाएं, ढांचा और अन्य लॉजिस्टिक मदद शामिल है। यह अड्डा शिकागो से करीब 56 किलोमीटर (35 मील) उत्तर में स्थित है। यह अनुरोध उस समय आया है, जब रिपब्लिकन प्रशासन ने कुछ हफ्ते पहले वाशिंगटन डीसी में अपराध, इमिग्रेशन और बेघर लोगों की समस्या से निपटने के लिए नेशनल गार्ड की तैनाती की थी। दो महीने पहले इसी तरह सैनिकों को लॉस एंजिलिस भेजा गया था। हालांकि शिकागो के लिए प्रशासन की योजनाओं के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन शहर के नेता कई संभावनाओं के लिए तैयार हो रहे हैं- जैसे सैनिकों को इमिग्रेशन गिरफ्तारी में लगाना या फिर सड़कों पर गश्त कराना आदि। पुलिस अधीक्षक लैरी स्नेलिंग ने कहा, हम नहीं चाहते कि किसी तरह का डर फैलाया जाए।

रूस ने यूक्रेन पर दागीं 31 मिसाइलें और 598 ड्रोन

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने पूरे देश में 598 ड्रोन और विभिन्न प्रकार की 31 मिसाइलें दागीं। कीव शहर प्रशासन के प्रमुख तैमूर त्काचेंको ने बताया कि मृतकों में तीन नाबालिग शामिल हैं। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि बचाव दल मलबे में दबे लोगों को निकालने का प्रयास कर रहा है। त्काचेंको ने कहा कि रूस ने वायु रक्षा प्रणाली को चकमा देने में सक्षम ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

हमले पर दुनियाभर के लोगों से प्रतिक्रिया की उम्मीद-जेलेंस्की : यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, रूस बातचीत की मेज के बजाय बैलिस्टिक हथियारों को चुनता है। हम दुनिया के उन सभी लोगों से प्रतिक्रिया की उम्मीद करते हैं जिन्होंने शांति की अपील की थी, लेकिन सैद्धांतिक रुख अपनाने के बजाय अक्सर चुप रहते हैं।

दो मीडिया संस्थानों के कार्यालय पर भी हमले : कीव में यूरोपीय संघ मिशन, एक ब्रिटिश सरकार के सांस्कृतिक भवन के साथ-साथ दो मीडिया संस्थानों के कार्यालय भी रूसी हमले में क्षतिग्रस्त हो गए हैं। रूस की इस हरकत पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। एएफपी के पत्रकारों ने बचावकर्मियों को रिहायशी इलाकों और अपार्टमेंट ब्लॉक से कई मृतकों के शरीर को बैग में भरकर ले जाते देखा, जब वे सुलगते मलबे में खोजबीन अभियान चला रहे थे।

चारों ओर उड़ रहे थे कांच : एक हमले के पास पार्किंग में मौजूद गैलिना शचरबक ने एएफपी को बताया, हमले के बाद चारों ओर काँच उड़ रहे थे... बम फटने पर हम चीख रहे थे। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि मॉस्को ने 629 ड्रोन और मिसाइलें दागीं। कीव द्वारा उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार, यह युद्ध का दूसरा सबसे बड़ा हमला है।

563 ड्रोन और 26 मिसाइलें रोकने का दावा : यूक्रेन की वायुसेना ने एक बयान में कहा कि रूस ने रात भर में 598 लड़ाकू और जासूसी ड्रोन भेजे और 31 मिसाइलें भी दागी। यूक्रेनी एयर डिफेंस ने इनमें से 563 ड्रोन और 26 मिसाइलों को रोक लिया। ये 13 स्थानों पर जमीन से टकराईं और 26 स्थानों पर इनका मलबा गिरा। कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको के अनुसार, मारे गए लोगों में 17 और 14 साल के दो बच्चे भी शामिल हैं।

किंजल हाइपरसोनिक एरोबैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि रूस ने हमारे शहरों और समुदायों के खिलाफ एक और बड़ा हमला किया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने भी इसकी पुष्टि की है और कहा है कि रूसी सेना ने यूक्रेन के सैन्य-औद्योगिक उद्यमों और हवाई अड्डों पर जोरदार हमले को अंजाम दिया है। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, इस हमले में लंबी दूरी से सटीक निशाना लगाने वाले हवाई हथियार, किंजल हाइपरसोनिक एरोबैलिस्टिक मिसाइलें और लड़ाकू ड्रोन शामिल थे। मंत्रालय ने कहा, हमलावर अभियान सफल रहा और इसने अपने लक्ष्यों को हासिल किया।

ट्रंप की मुहिम को झटका : यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि रूसी मिसाइलों और ड्रोनों ने राजधानी कीव में अपार्टमेंट ब्लॉकों को तहस-नहस कर दिया, जिसमें चार बच्चों सहित कम से कम 23 लोग मारे गए। ये हमले ऐसे वक्त पर हुए हैं, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीजफायर से लेकर शांति समझौते तक की बातचीत की कोशिशों में जुटे हैं। इससे पहले अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि ऐसे हमले शांति प्रयासों को कमजोर कर सकते हैं।

सीमा से जुड़े भूमि बंदरगाहों को बंद करने पर आया बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने गुरुवार को जनता का पैसा बचाने के नाम पर तीन भूमि बंदरगाहों को बंद करने का फैसला लिया है। इसके अलावा एक और बंदरगाह, जिसका निर्माण कार्य चल रहा था उसे भी रोक दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन बंदरगाहों पर कोई भी व्यापारिक गतिविधि नहीं हो रही थी, इसलिए खर्च में कटौती करने के लिए और करदाताओं पर से बोझ कम करने के लिए इन्हें बंद करने का फैसला लिया गया है। गौरतलब है कि यह भूमि बंदरगाह भारत की सीमा पर स्थित हैं। मई और जून में भारत ने बांग्लादेश को दी जाने वाली ट्रांस शिपमेंट सेवा को निरस्त कर दिया था और व्यापार के लिए केवल कोलकाता और मुंबई के बंदरगाह का इस्तेमाल करने के लिए कहा था।

यूनुस सरकार के मुख्य प्रेस सलाहकार शफीकुल आलम ने कहा कि बंदरगाहों को बंद करने का यह निर्णय प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में लिया गया।

बंद किए जाने वाले बंदरगाहों में नीलफामारी में चिलाहाटी बंदरगाह शामिल है, जो कि पश्चिम बंगाल के हल्दीबाड़ी से जुडा हुआ है। इसके अलावा चुआडांगा में दौलतगंज भूमि बंदरगाह है, जो पश्चिम बंगाल के मझदिया से जुडा है। इसके अलावा रंगमती में तेगामुख भूमि बंदरगाह है जो मिजोरम के देमागरी से जुड़ा हुआ है।

बांग्लादेश सरकार के मुताबिक इसके अलावा त्रिपुरा के खोवाई से जुड़े हबीगंज में बल्ला भूमि बंदरगाह पर का भी संचालन बंद कर दिया गया है। इस बंदरगाह पर अभी भारत की तरफ से काम पूरा नहीं किया गया है। आलम ने कहा, सीमावर्ती क्षेत्रों के राजनेता कभी-कबी राजनीतिक कारणों से इन बंदरगाहों को खोलने और संचालित करने का दबाव डालते हैं लेकिन वास्तव में इन सुविधाओं के माध्यम से कोई व्यापार नहीं हुआ है और इनसे सरकार की लागत बढ़ रही है। गौरतलब है कि यह चाल भूमि बंदरगाह उन आठ बंदरगाहों में शामिल हैं, जिन्हें बांग्लादेश ने निष्क्रिय घोषित कर दिया है।

आपको बता दें बांग्लादेश की तरफ से जिन भूमि बंदरगाहों को बंद करने का ऐलान किया गया है। वहां से मुख्य रूप से भारत के साथ व्यापार करने की उम्मीद थी। चूकि भारत ने मई और जून में बांग्लादेश को मिलने वाली ट्रांस शिपमेंट फैसेलिटी पर प्रतिबंध लगा दिया तो ऐसी स्थिति में इन बंदरगाहों के लिए स्थिति और विकट हो गई।

मैक्सिको की सीनेट में विपक्षी नेता-सीनेट अध्यक्ष में हाथापाई, मोरेनो बोले- मैं तुझे मार डालूंगा

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मैक्सिको की सीनेट में बुधवार को उस वक्त हंगामा मच गया, जब एक जोरदार बहस के बाद विपक्षी नेता ने सीनेट अध्यक्ष को पकड़कर धक्का-मुक्की शुरू कर दी। यह सब उस वक्त हुआ, जब सीनेट की कार्यवाही खत्म होने के बाद सांसद राष्ट्रगान गा रहे थे। यह नजारा इतना हैरान करने वाला था कि लाइव स्ट्रीम में पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे सीनेट में कुर्सियां छोड़कर मुक्के चलने लगे।

विपक्षी इंस्टीट्यूशनल रिवॉल्यूशनरी पार्टी (पीआरआई) के नेता अलेजांद्रो अलिटो मोरेनो ने सत्तारूढ़ मोरेना पार्टी के सीनेट अध्यक्ष गेरार्डो फर्नांडीज नोरोना पर हमला बोल दिया। मोरेनो बार-बार कह रहे थे, मुझे बोलने दो और उन्होंने नोरोना का हाथ पकड़ लिया। नोरोना ने जवाब में कहा, मुझे छूना मत, लेकिन बात यहीं नहीं रुकी। दोनों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई हंगामा एक चर्चा के बाद शुरू हुआ। इसमें मैक्सिको में विदेशी सशस्त्र बलों की मौजूदगी पर तीखी चर्चा हुई थी। नोरोना के मुताबिक, मोरेनो ने कहा, मैं तुझे मार डालूंगा। इस दौरान एक और सांसद ने भी नोरोना पर मुक्का चलाने की कोशिश की।

अगर कोई भयानक त्रासदी घटित होती है, तो वह राष्ट्रपति पद संभालने के लिए तैयार हूं-उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों अपने फैसलों की वजह से दुनिया भर के देशों की सुर्खियों में बने हुए हैं। ऐसे में उनके पद पर रहने या न रहने को लेकर भी दुनिया बड़े गौर से देख रही है। उनकी सेहत को लेकर भी तमाम तरह की अटकलें लगाई जाती रहती हैं। हालांकि वाइट हाउस और ट्रंप परिवार की तरफ से उनकी सेहत को बिल्कुल सही बताया जाता है। इस सब के बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक इंटरव्यू में कहा है कि अगर कोई भयानक त्रासदी घटित होती है, तो वह राष्ट्रपति पद संभालने के लिए तैयार हैं। हालांकि उन्होंने इस बात को भी दोहराया कि ट्रंप का स्वास्थ्य बेहतर है।

यूएस टुडे को दिए इंटरव्यू में जेडी वेंस ट्रंप के स्वास्थ्य और अपने राष्ट्रपति पद को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति अच्छी स्थिति में हैं, वह अपना शेष कार्यकाल पूरा करेंगे और अमेरिका को महान बनाने के अपने काम में लगे रहेंगे।

जेडी ने आगे कहा, भगवान न करे, कोई ऐसी भयानक घटना होती है, तो मैं पिछले 200 दिनों से ट्रंप के अंडर ट्रेनिंग ले रहा हूं, तो मैं राष्ट्रपति पद संभालने के लिए भी तैयार हूं।

गौरतलब है कि वेंस की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब बार-बार ट्रंप के स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

हाल ही में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ मुलाकात के दौरान ट्रंप के हाथ पर चोट के निशान देखे गए थे। हालांकि वाइट हाउस से जब इस चोट के बारे में जानकारी मांगी गई, तो उन्होंने बताया कि बार-बार हाथ मिलाने और एस्पिरिन का इस्तेमाल करने की वजह से यह चोट लगी है।

गाजा में भूख से मर रहे महिलाएं और बच्चे- सिंडी मैक्केन

गाजा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी की प्रमुख ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस हफ्ते गाजा दौरे के दौरान यह साफ दिखा कि वहां खाने-पीने की चीजें पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर उन्होंने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात की और ज्यादा मानवीय मदद पहुंचाने की तात्कालिक जरूरत पर जोर दिया। दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य संकट निगरानी संस्था ने पिछले हफ्ते कहा था कि गाजा पट्टी का सबसे बड़ा शहर भुखमरी की चपेट में है और अगर युद्धविराम तथा राहत सामग्री पर लगी रोक नहीं हटाई गई, तो यह पूरे इलाके में फैल सकती है। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) की कार्यकारी निदेशक सिंडी मैक्केन ने कहा कि गाजा में भुखमरी जारी है। उन्होंने कहा, मैंने खुद गाजा में माताओं और बच्चों से मुलाकात की जो भूख से मर रहे हैं। यह सच्चाई है और यह अभी हो रहा है। मैक्केन ने बताया कि पीएम नेतन्याहू स्पष्ट तौर पर चिंतित थे कि लोगों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल रहा।

अमेरिकी राजनयिक ने लेबनानी पत्रकारों से मांगी माफी, संवाददाता सम्मेलन में की थी अपमानजनक टिप्पणी

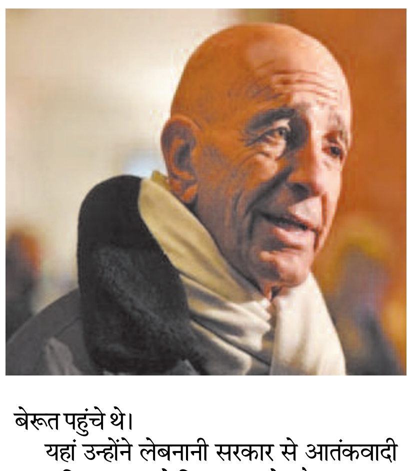

बेरूत, एजेंसी। अमेरिकी राजनयिक टॉम बैरक ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को लेबनानी पत्रकारों से माफी मांगी। उन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों को चुप कराने की कोशिश करते हुए उनकी तुलना जानवरों से की थी।

तुर्किये में अमेरिकी राजदूत और सीरिया में अमेरिकी दूत बैरक, जो लेबनान में एक अस्थायी कार्यभार भी संभाल रहे हैं, ने कहा कि उनका इरादा अपमानजनक तरीके से इस शब्द का इस्तेमाल करने का नहीं था। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि उनकी टिप्पणी अनुचित थी।

बीते मंगलवार को बेरूत पहुंचे थे बैरक

दरअसल, बीते मंगलवार को बैरक अमेरिकी अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बेरूत पहुंचे थे।

यहां उन्होंने लेबनानी सरकार से आतंकवादी समूह हिजबुल्ला को निशस्त्र करने और इस्राइल-हिजबुल्ला युद्ध के बाद हुए संघर्षविराम समझौते के क्रियान्वयन पर चर्चा की।

पत्रकारों ने बैरक को मंच पर आने के लिए कहा था

राष्ट्रपति भवन में संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत में पत्रकारों ने बैरक से चिल्लाकर कहा कि वह मंच पर आएं, क्योंकि बैरक ने कमरे में किसी दूसरी जगह से बोलना शुरू किया था। जैसे ही बैरक मंच पर पहुंचे, उन्होंने पत्रकारों से कहा, सभ्य, दयालु और सहनशील बनें। उन्होंने धमकी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ, तो वह सम्मेलन बीच में ही खत्म कर देंगे। बैरक ने कहा, जिस क्षण यह अराजकता, पशुवत होने लगेगी, हम यहां से चले जाएंगे।

राष्ट्रपति भवन ने भी बैरक की टिप्पणी पर जताया खेद

बैरक की इस टिप्पणी का भारी विरोध हुआ। लेबनान प्रेस संगठन ने माफी की मांग की और कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो बैरक के कार्यक्रमों का बहिष्कार किया जाएगा। राष्ट्रपति भवन ने भी एक बयान जारी कर बैरक की टिप्पणी पर खेद जताया और पत्रकारों की कड़ी मेहनत की सराहना की।

मुझे खुद और ज्यादा सहनशील होना चाहिए था

बैरक ने एक्स प्लेटफॉर्म पर मीडिया कर्मी मारियो नवाफल के साथ साक्षात्कार में कहा कि पशुवत शब्द मैंने अपमानजनक रूप से नहीं कहा था, मैं सिर्फ कहना चाहता था कि माहौल शांत हो, सहनशीलता और दयालुता हो, सब सभ्य बने। लेकिन मीडिया तो अपना काम कर रहा था, ऐसे में यह कहना अनुचित था। उन्होंने आगे कहा, मुझे खुद और ज्यादा सहनशील होना चाहिए था और पत्रकारों को समय देना चाहिए था।

ईशनिंदा आरोप का सामना कर रही कैंसर पीड़ित महिला की जमानत खारिज, विवादित तस्वीर पोस्ट करने का मामला

रबात, एजेंसी। मोरक्को की एक अदालत ने नारीवादी कार्यकर्ता इब्तिसाम लचगर की जमानत याचिका खारिज कर दी है। लचगर पर ईशनिंदा करने के आरोप हैं। गौरतलब है कि लचगर कैंसर की समस्या से जूझ रही हैं और सितंबर में उनकी सर्जरी होनी है। इसके बावजूद मोरक्को की अदालत ने नारीवादी कार्यकर्ता को जमानत पर रिहा करने से इनकार कर दिया। इब्तिसाम लचगर का मामला इन दिनों मोरक्को समेत पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है।

इब्तिसाम लचगर के वकील ने बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान उन्हें स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर रिहा करने की मांग की थी, लेकिन राजधानी रबात की अदालत ने अपील ठुकरा दी और लचगर को रिहा करने से इनकार कर दिया। लचगर पर एक विवादित टिप्पणी वाली टीशर्ट पहनकर अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का आरोप है। मोरक्को में राजशाही और इस्लाम का अपमान करने की सख्त मनाही और इसे लेकर वहां लंबे समय से कठोर कानून हैं।

लचगर की वकील नईमा एलगुलाफ ने बताया कि लचगर कैंसर से जूझ रही हैं और जेल में उन्हें जरूरी देखभाल नहीं मिल पा रही है। वकील ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि लचगर की सितंबर में सर्जरी होनी है। सर्जरी में तय किया जाना है कि क्या लचगर अभी भी अपने कृत्रिम हाथ के साथ जी सकती हैं या फिर उसे हटाना पड़ेगा। जेल में लचगर की हालत लगातार बिगड़ रही है। लचगर इस्लाम धर्म के खिलाफ काफी मुखर रही हैं और कई बार विवादों में फंस चुकी हैं।

फ्लोरिडा के करदाताओं को 218 मिलियन डॉलर के नुकसान की आशंका, एलीगेटर अलकाट्राज को बंद करने का आदेश

ऑरलैंडो, एजेंसी। फ्लोरिडा के करदाताओं को 218 मिलियन डॉलर का भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है, क्योंकि बुधवार (स्थानीय समयानुसार) देर रात एक जज ने एलीगेटर अल्काट्राज के संचालन को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का आदेश देते हुए अपने फैसले को बरकरार रखा। यह राज्य के एवरग्लेड्स में स्थित है और इसे हवाई प्रशिक्षण अड्डे से इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर में बदला गया था। इस केंद्र को एलीगेटर अल्काट्राज नाम दिया गया था। अब यह केंद्र जल्द ही पूरी तरह से खाली हो सकता है।

राज्य द्वारा अदालत में दायर दस्तावेजों के अनुसार, फिलहाल इस केंद्र को बंद करने में ही फ्लोरिडा को 15 से 20 मिलियन डॉलर का खर्च आएगा। अगर इसे दोबारा चालू करने की अनुमति मिली तो फिर से संरचनाओं को स्थापित करने पर 15 से 20 मिलियन डॉलर और खर्च होंगे। एक राज्य अधिकारी ने अदालती दस्तावेजों में कहा कि फ्लोरिडा आपातकालीन प्रबंधन विभाग को 218 मिलियन डॉलर का अधिकांश निवेश खोना पड़ेगा। सिर्फ कुछ ही दिनों में बने इस केंद्र में बड़े सफेद टेंटों के चारों तरफ जंजीरों से बंधे पिंजरे हैं, जिनके चारों ओर चारपाई बिस्तरों की कतारें लगी हुई हैं।

इस केंद्र के निर्माण-संचालन के लिए दिए गए हैं 405 मिलियन डॉलर के ठेके : एपी के हवाले से आई पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लोरिडा ने इस सुविधा के निर्माण और संचालन के लिए कम से कम 405 मिलियन डॉलर के ठेके दिए हैं। अधिकारियों ने शुरू में अनुमान लगाया था कि इसे चलाने में हर साल 450 मिलियन डॉलर लगेंगे। जुलाई के अंत तक ही राज्य 245 मिलियन डॉलर इस केंद्र पर खर्च कर चुका था। यह सुविधा 1 जुलाई से शुरू हुई थी। पिछले महीने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस केंद्र का दौरा किया था और कहा था कि यह पूरे देश में भविष्य के हिरासत केंद्रों का मॉडल हो सकता है।

कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहा केंद्र : लेकिन शुरुआत से ही यहां गंदगी, अस्वच्छ हालात और बंदियों को कानूनी मदद से वंचित रखने जैसी शिकायतें आती रही हैं। यह केंद्र कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहा है। बुधवार को अमेरिकी जिला न्यायाधीश कैथलीन विलियम्स ने अपना आदेश दोहराया कि केंद्र को बंद किया जाए, क्योंकि राज्य और संघीय एजेंसियों ने इस क्षेत्र की संवेदनशील आद्रभूमि में डिटेंशन सेंटर बनाने से पहले जरूरी पर्यावरण समीक्षा नहीं की। जज ने संचालन बंद करने के अपने आदेश को स्थगित करने के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया।

होमलैंड सुरक्षा विभाग ने कहा आदेश से बाधित होंगी योजनाएं : मियामी के न्यायाधीश ने कहा कि यहां बंदियों की संख्या पहले ही घट रही है और इससे संघीय सरकार के आव्रजन प्रवर्तन लक्ष्यों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, होमलैंड सुरक्षा विभाग के वकीलों का कहना है कि आदेश से उनकी योजनाएं बाधित होंगी। विभाग ने सिर्फ इतना कहा कि वह अदालत के आदेश का पालन कर रहा है और बंदियों को अन्य केंद्रों में शिफ्ट किया जा रहा है। हालांकि होमलैंड सुरक्षा विभाग ने यह नहीं बताया कि पिछले हफ्ते जज के अस्थायी निषेधाज्ञा के बाद से कितने बंदी बचे हैं और कितने बाहर निकाले गए हैं।

बार-बार डकार आ रही है तो ये घरेलू उपाय आएंगे काम

पेट में बनी गैस डकार के जरिए शरीर से बाहर निकलती है। डकार से बदबू आ भी सकती है और नहीं भी। डकार के जरिए शरीर पेट में जमा अत्यधिक गैस को बाहर निकालता है। वैसे तो डकार का कोई नुकसान नहीं होता है, लेकिन अगर बार-बार डकार आए तो ये आपके लिए शर्मिंदगी की वजह बन सकता है। अगर आप भी उन लोगों में से एक हैं, जिन्हें बार-बार डकार आने की प्रॉब्लम है तो कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से आप इस परेशानी से छुटकारा पा सकते हैं।

डकार बंद करने का घरेलू नुस्खा है पुदीना : पुदीने में मासंपेशियों को आराम देने वाले गुण होते हैं, जो पाचन मार्ग को राहत देता है और पेट में बनने वाली गैस को कम करता है। ये पित्त के प्रवाह में सुधार लाता है और पाचन को बेहतर करता है, जिससे डकार कम आती है। एक चम्मच पुदीने की सूखी पत्तियां लें और उसे एक कप गर्म पानी में डालें। इसे 10 मिनट उबालें और फिर छानकर दिन में दो से तीन बार पिएं।

ज्यादा डकार आने का इलाज है अदरक : डकार पैदा करने वाली गैस से संबंधित समस्याओं का असरकारी रूप से इलाज करने में अदरक बहुत फायदेमंद है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-इंफ्लामेट्री और दर्द-निवारक गुण होते हैं। ताजे अदरक का एक छोटा-सा टुकड़ा लेकर चबाएं।

ज्यादा डकार आने का घरेलू उपाय है पपीता : पपीते में ऐसा एंजाइम होता है, जो बैक्टीरिया बढ़ने से रोकता है और पाचन में सुधार लाता है। पपीता डकार और सीने में जलन का असरकारी घरेलू उपचार है। आप पका पपीता रोज खाएं या इसकी स्मूदी बनाकर पिएं।

बार बार डकार आने का इलाज है केला : केले में फाइबर उच्च मात्रा में होता है, जिससे पाचन में सुधार आता है और डकार कम आती है। अगर आपका बार-बार डकार आ रही है तो केला खा लें, लेकिन एक दिन में एक से ज्यादा केला न खाएं।

डकार रोकने का तरीका है सौंफ : खट्टी डकार को सौंफ से ठीक किया जा सकता है। पेट दर्द के साथ-साथ खट्टी डकारें आ रही हैं तो एक या आधा चम्मच सौंफ चबा लें। आप गुनगुने पानी में भी इसे मिलाकर पी सकते हैं।

डकार आने का उपाय है हींग : हींग डकार पैदा करने वाली गैस से राहत पाने में मदद करती है। एक गिलास गुनगुने पानी में एक चुटकी हींग, अदरक पाउडर और नमक डालकर मिक्स करें। अब इस पानी को पी लें।

बार बार डकार आने की दवा है इलायची : इलायची पाचक रस का अधिक उत्पादन करने में मदद करती है और गैस बनने से रोकती है। एक इलायची मुंह में चबाएं, आप चाहें को पानी में दो तीन इलायची कूटकर डालने के बाद उबालें और यह पानी छानकर पी लें।

डकार रोकने का उपाय है दही : दही पाचन में मदद करता है और गट बैक्टीरिया को संतुलित कर गैस बनने से रोकता है। यहां तक कि इससे हर प्रकार के पाचन विकार को ठीक करने में मदद मिल सकती है। दही में एक चुटकी नमक मिलाकर खाएं या छाछ पीना भी फायदेमंद रहता है। खाना खाने के बाद छाछ पिएं।

उपरोक्त घरेलू नुस्खों की मदद से आप बार-बार डकार आने की परेशानी से छुटकारा पा सकते हैं।

एंडोक्राइन बीमारी से पीड़ित लोगों का इस तरह रखें विशेष ध्यान

कोरोना वायरस महामारी ने पूरी दुनिया में हड़कंप मचा दिया है। यह उन लोगों के लिए ज्यादा तनाव और जोखिम का कारण बन गयी है, जो कि पहले से ही किसी बीमारी से पीड़ित हैं। इन लोगों में ऐसे रोगी भी आते हैं, जो कि एंडोक्राइन रोग से जूझ रहे हैं। यहां यह जानना जरूरी है कि एंडोक्राइन बीमारी से पीड़ित व्यक्ति अगर कोविड-19 की चपेट में आता है तो कितना जोखिम होता है। एम्स के डॉ. उमर अफरोज का कहना है कि शरीर की एंडोक्राइन प्रणाली उन कोशिकाओं से बनी होती है, जो हार्मोन्स पैदा करती है। हार्मोन वे रसायनिक पदार्थ हैं जो खून के जरिए शरीर के आंतरिक अंगों और कोशिकाओं तक पहुंचते हैं। इन आंतरिक अंगों और कोशिकाओं पर हार्मोन्स का विशेष प्रभाव होता है। अपने हार्मोन के स्तर बहुत अधिक या बहुत कम कर रहे हैं, तो हार्मोन डिसऑर्डर हो सकता है।

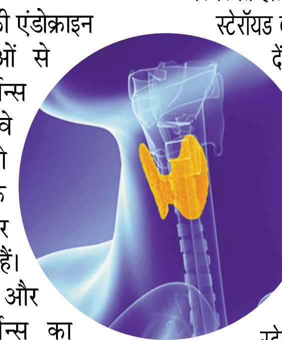

यदि मधुमेह है : एंडोक्राइन की सबसे आम रोग मधुमेह के शिकार हैं और इस वायरस की चपेट में आ गए हैं तो गंभीर जटिलताएं पैदा होने का ज्यादा जोखिम है। वायरस के प्रतिकूल प्रभाव टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज में कोई भेदभाव नहीं करता है। इसके अतिरिक्त यदि अनियंत्रित डाटबिटीज या हृदय रोग भी है तो स्थिति और भी गंभीर है। चीन में देखा गया है कि ऐसे व्यक्ति जो कोविड-19 से संक्रमित थे और जिन्हें मधुमेह था, उनकी सामान्य आबादी की तुलना में गंभीर जटिलताएं और मृत्यु की उच्च दर थी। द चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, वायरस से संक्रमित मधुमेह वाले रोगियों में 7.3 प्रतिशत की घातक स्थिति दर्ज की गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, पूरी दुनिया में करीब 400 मिलियन से ज्यादा लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं। संगठन द्वारा जारी गाइडलाइंस में ऐसे लोगों को भीड़ में जाने से बचने को कहा है, क्योंकि ऐसे लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है और आसानी से संक्रमित हो सकते हैं। डॉक्टरों द्वारा यह सुझाया गया है कि डायबिटीज के मरीजों को समय-समय पर अपना ब्लड शुगर लेवल चेक करते रहना चाहिए।

एड्रिनल इंसफिशिएंसी : डॉ. आयुष शर्मा का कहना है कि जब शरीर में एड्रिनल ग्रंथियों द्वारा बनाए जाने वाले कुछ विशेष हार्मोन का अपर्याप्त मात्रा में उत्पादन होता है तो यह विकार होता है। इस रोग में एड्रिनल ग्रंथि बहुत कम मात्रा में कोर्टिसोल बना पाती है। अक्सर एड्रिनल ग्रंथि एल्डोस्टेरोन को अपर्याप्त मात्रा में उत्पादन करती है। एड्रिनल ग्रंथि गुर्दे की चोटी पर स्थित होती है। कोरोना वायरस के समय अपने स्टेरॉयड बंद न करें, जब तक डॉक्टर सलाह न दें। इस दौरान सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपने स्टेरॉयड को अचानक बंद न करें। यह न केवल एड्रिनल इंसफिशिएंसी वाले लोगों के लिए है, बल्कि किसी ऐसे व्यक्ति के लिए जो गंभीर स्थितियों के लिए लंबे समय से स्टेरॉयड ले रहे हैं।

हालांकि, कुछ यह मान सकते हैं कि स्टेरॉयड दवाएं इम्यून सिस्टम से समझौता कर सकती हैं, शरीर में स्टेरॉयड की सही मात्रा होना सामान्य शारीरिक कार्यों के लिए जरूरी है और संक्रमण से निपटने के दौरान जीवन रक्षक साबित हो सकती हैं।

थायराइड के शिकार : आज तक थायरॉइड रोग के रोगियों के वायरस के चपेट में आने के परिणामों की जांच करने के लिए कोई अध्ययन नहीं किया गया है। हालांकि, हाइपोथायरायडिज्म और हाइपरथायरायडिज्म जैसे थायराइड रोगों वाले रोगियों को डॉक्टर के साथ पहले परामर्श के बिना अपनी दवाएं लेना बंद नहीं करना चाहिए। ब्रिटिश थायराइड एसोसिएशन के पास ऐसे कई लोगों के सवाल आए जो कि थायराइड से ग्रसित हैं। एसोसिएशन ने बताया कि चूंकि कोविड-19 नया वायरस है तो यह जानकारी नहीं है कि थायराइड रोग के साथ व्यक्ति को कैसे प्रभावित करता है। हालांकि, थायराइड रोग को सामान्य रूप से वायरल संक्रमण के बढ़ते जोखिम से जुड़ा नहीं जाना जाता है, न ही थायराइड रोग और वायरल संक्रमण की गंभीरता के बीच संबंध है। यह भी बताया कि इम्यून सिस्टम का हिस्सा जो ऑटोइम्यून थायरॉयड स्थितियों के लिए जिम्मेदार है, वह कोविड-19 जैसे वायरल संक्रमण से लड़ने के लिए जिम्मेदार इम्यून सिस्टम के लिए अलग है।

रेसिपी

मैंगो राइस

सामग्री

- **कच्ची मूंगफली:** 4 चम्मच
- **करी पत्ता:** 10
- **बासमती चावल:** 150 ग्राम
- **हल्दी पाउडर:** 1/2 चम्मच
- **सरसों के दाने:** 2.5 चम्मच
- **लाल मिर्च:** 6
- **कच्चा आम (कद्दूकस):** 1.5 कप
- **नारियल (कद्दूकस) :** 4 चम्मच
- **हींग :** 1/2 चम्मच
- **चना दाल (पानी में भिगोई हुई):** 1 चम्मच
- **लाल मिर्च (टुकड़े में):** 1
- **तेल:** 3 चम्मच

विधि

चावल को पकाएं और एक ओर ठंडा होने के लिए रख दें। डेढ़ चम्मच सरसों, हींग पाउडर, लाल मिर्च, हल्दी पाउडर और कद्दूकस किए हुए नारियल को मिक्सी में डालकर पीसें और मसाला तैयार करें। कद्दूकस किए हुए आम का भी बारीक पेस्ट तैयार कर लें। अब कड़ाही में तेल गर्म करें। उसमें सरसों के दाने, चना दाल, लाल मिर्च और करी पत्ता डालें। जब सरसों पक जाए तो उसमें मूंगफली डालें। जब दाल का रंग गोल्डन हो जाए तो उसमें आम का पेस्ट भी डालें और कुछ देर तक धीमी आंच पर पकाएं। अब मसाले को कड़ाही में डालें और अच्छी तरह से पकाएं। गैस ऑफ कर दें। जब चावल पूरी तरह से ठंडा हो जाए तो उसमें स्वादानुसार नमक मिलाएं। थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कड़ाही में चावल मिलाएं। जब पूरा चावल और मसाला अच्छी तरह से मिल जाए तो सर्व करें।

चावल से बनी जलेबी

सामग्री

- **बचे हुए चावल :** 1 कप
- **मैदा :** 5 चम्मच
- **दही:** 3 चम्मच
- **आधा कप चीनी**
- **पानी :** 1/4 कप
- **बेकिंग पाउडर** :1/4 चम्मच
- **थोड़ा सा फूड कलर**
- **जलेबी को शेप देने के लिए एक छेद किया हुआ कपड़ा या कोई पाइपिंग बॉटल**

विधि

जलेबी बनाने के लिए सबसे पहले ब्लेंडर में उबले हुए चावल का पेस्ट बना लें। इसके बाद इसमें मैदा, बेकिंग पाउडर के साथ 3 चम्मच दही डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद आप इसमें ऑरेंज फूड कलर मिला लें। जलेबी का बैटर बनाते समय ध्यान रखें कि इसमें किसी भी तरह के कोई लंप्स नहीं रहने चाहिए। बैटर की कंसिस्टेंसी इडली के बैटर जैसी ही रखें। इस बैटर को थोड़ी देर ऐसे ही रखें। थोड़ी देर बाद इस बैटर को किसी पाइपिंग बैग या छेद किए कपड़े में भरकर तेल में फ्राई करें। फ्राई की हुई जलेबियों को शक्कर की चाशनी में डाल दें। आपकी कुरकुरी जलेबी बनकर तैयार हो चुकी है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 2572

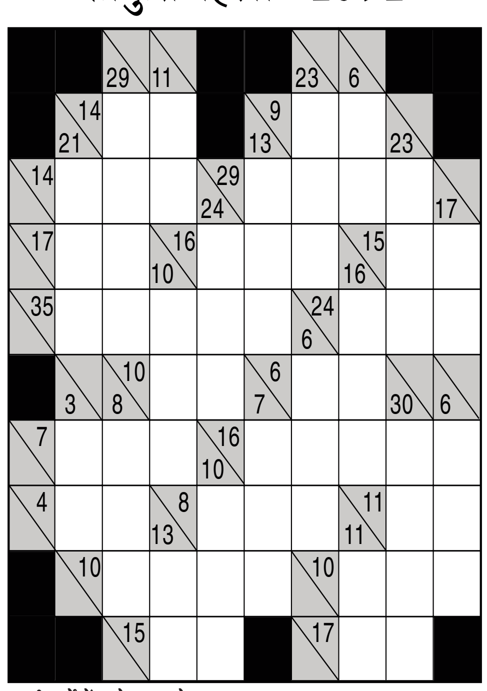

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

11 (7): 1 2 3 5 ; 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2571 का हल

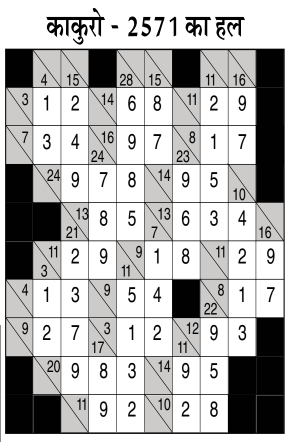

लॉफिंग ज़ोन

वकील (महिला से)- अब आप अदालत को बताएं कि आपने अपने पति को धनुष-बाण से क्यों मारा?

महिला - 'क्योंकि मैं अपने सोए हुए बच्चों को जगाना नहीं चाहती थी!'

☺ ☺ ☺

दो जेलर अरसे बाद एक-दूसरे से मिले.

पहले ने पूछा- क्या तुम्हारी बीवी अब भी कैदियों के लिए गाना गाती है?

दूसरा जेलर - नहीं, कैदियो की शिकायत थी कि उनकी सजा में यह शामिल नहीं है.

☺ ☺ ☺

एक ग्रामीण अपने गधे के पैर बांध रहा था तो सिपाही बोला, 'अपने भाई के पैर क्यों बांध रहे हो?'

ग्रामीण, 'कहीं यह भी पुलिस में भर्ती न हो जाए इसलिए.'

☺ ☺ ☺

नौकर (मालिक से) - हुजूर, मै अब आपके यहां काम नहीं करूंगा.

मालिक - क्यों? क्या हुआ? क्या तकलीफ है तुम्हें यहां?

नौकर - साहब बात यह है कि बेगम साहिबा का व्यवहार मेरे साथ अच्छा नहीं है. जब मन करता है, मुझे उसी तरह डांटने लगती है, जैसे आपको डांटा करती हैं.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2572

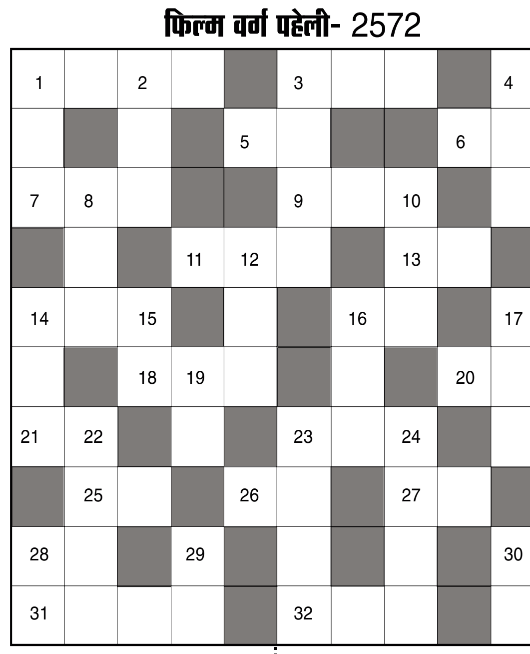

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, शरद, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि कपूर, जेबा, अश्विनी भावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है?-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'खुशी' में फरदीन की नायिका?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशखन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म?-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, नालासिन्हा की 'आज गालो मुस्करा लो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
३०.'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2571

अ	जू	बा	■	जो	र	■	दा	मि	नी
ल	■	बा	जी	■	क्ष	त्रि	य	■	तू
बे	टा	■	न	म	क	■	रा	जा	■
ला	■	अं	त	■	■	रे	■	लि	■
■	दा	दा	■	नू	■	जा	ने	म	न
मे	■	ज	ह	री	ले	■	हा	■	र्गि
री	मा	■	त्या	■	कि	ला	■	द	स
जं	■	सू	■	म	न	■	म	र्द	■
ग	द	र	■	द	■	आ	ह	■	डॉ
■	म	ज	बू	र	■	■	ल	गा	न

सूडोकु -2572

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2571 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली - 2572

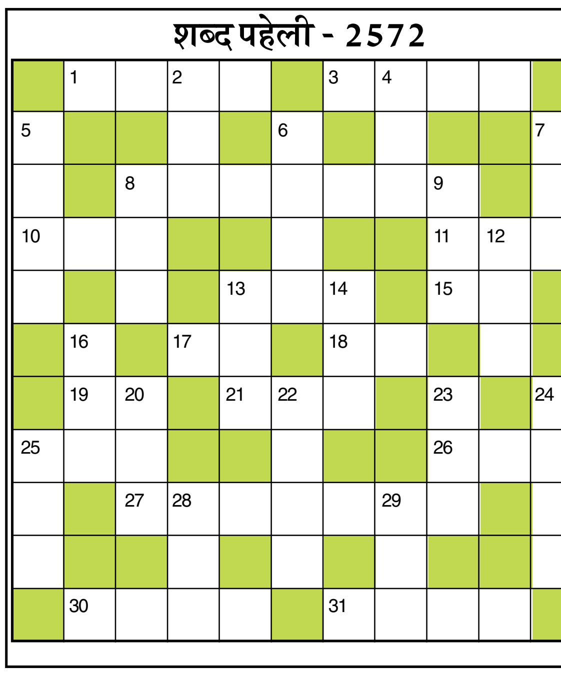

बाएँ से दाएँ

1.नेमत,वर,ईष्टकृपा -4
3.उद्देश्य,ध्येय-4
8.सयाना,चतुर-4,3
10.मनुष्य-3
11.मोल,दाम-3
13.बैठने का स्थान-3
15.दौड़ना (अंग्रेजी-2)
17.पराजित-2
18.वध,कत्ल-2
19.काव्यकार,शायर-2
21.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
25.आक्रमण,प्रहार-3
26.पालतू जानवर-3
27.ईश्वर,भगवान-7
30.ईश्वरीय कृपा-4
31.भयभीत होना, डरना-4

ऊपर से नीचे

2.असुर,दैत्य-3
4.गागर,घड़ा-3
5.मन की करना-4
6.प्रार्थना,ईश वंदना-4
7.चरित्र,ईमान-3
8.कार्यविधि-3
9.रेखा,लाईन-3
12.माला का मोती-3
13.राहत,विश्राम-3
14.कैनाल,उपनदी-3
16.नगद राशि-3
20.रुदन -3
22.पक्षियों का शोर-4
23.मध्यांग, कटि-3
24.12 राशियों का समूह-4
25.महल,बड़ा भवन-3
28.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
29.अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

शब्द पहेली -2571का हल

स	ज	दा	क	र	ना	■	म	त	वा	ला
ह	रा	■	त	■	का	म	ना	■	दा	वा
न	■	बे	र	ह	म	■	ना	रा	■	रि
शी	ल	वा	न	■	या	द	■	नी	र	स
ल	■	प	■	ख	ब	र	ची	■	न	■
ता	र	न	हा	र	■	का	न	भ	र	ना
■	म	■	र	ह	ब	र	■	यं	■	प
प्र	ण	य	■	रा	हु	■	ब	क	वा	स
ति	■	दा	स	■	बे	क	रा	र	■	न्द
का	न	■	चि	रा	ग	■	म	■	क	हो
र	म	जा	न	■	म	द	द	क	र	ना

रेलवे ने गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम की बनाई योजना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस को श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाने जा रहा है। रेलवे की इस पहल का उद्देश्य युवा पीढ़ी को सिख गुरु की शिक्षाओं और बलिदान से अवगत कराना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में यह पहल की जा रही है। रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह ने यहां रेल भवन में एक उच्चस्तरीय बैठक में कहा कि भारतीय रेल इस ऐतिहासिक घटना के स्मरणोत्सव के लिए विभिन्न सिख संस्थाओं के नेताओं द्वारा दिए गए बहुमूल्य सुझावों का स्वागत करता है। यह पहल सिखों के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर की विरासत का सम्मान करने के लिए भारतीय रेल और सिख समुदाय के बीच एक ऐतिहासिक सहयोग का प्रतीक है, जिनका धार्मिक स्वतंत्रता के लिए सर्वोच्च बलिदान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। रवनीत सिंह ने बताया कि यह पहली बार था जब रेल भवन में आगामी शताब्दी स्मरणोत्सव के लिए सभी प्रमुख सिख संगठनों की आवश्यकताओं और सुझावों पर चर्चा करने के लिए एक समर्पित बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में देशभर के रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों पर गुरु तेग बहादुर के श्लोकों का प्रदर्शन, शताब्दी अवसर पर विशेष स्मृति ट्रेनों का संचालन, हरियाणा, पटना और हजूर साहिब के स्टेशनों पर पंजाबी भाषा में साइनबोर्ड लगाना, सचखंड एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों में स्वच्छता और यात्रियों की सुविधाओं में सुधार, ट्रेनों में लंगर सेवा की व्यवस्था और सिख तीर्थ स्थलों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी पर चर्चा हुई।

पाकिस्तान जाने वाले नेता असम का नेतृत्व नहीं कर सकते : अमित शाह

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा सरकार असम में घुसपैठियों से अतिक्रमित हर इंच जमीन मुक्त करेगी, चाहे विपक्ष कितना भी विरोध क्यों न करे। खानापाड़ा स्थित वेटरिनरी कॉलेज मैदान में आयोजित पंचायती प्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में सत्रों की जो जमीन घुसपैठियों ने कब्जाई थी, उसे भी भाजपा सरकार ने मुक्त कराया है। उन्होंने इसे मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बताया। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाएं भाजपा सरकार के जरिये हर गांव तक पहुंच रही हैं। इसी का परिणाम है कि पंचायत चुनाव में भाजपा को रिकॉर्ड 76 प्रतिशत वोट शेयर मिला। नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए उन्होंने ने कहा कि भाजपा ने महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव को राष्ट्रीय पहचान दिलाने, महाबीर लाचित बरफूकन की विरासत को आगे बढ़ाने, राष्ट्रीय राजधानी में बोडोफा उपेन्द्रनाथ ब्रह्म की प्रतिमा स्थापित करने और ब्रह्मपुत्र पर 10 नए पुलों के निर्माण जैसे कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरे उत्तर-पूर्व में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शांति का वातावरण है।

बिहार में नहीं घुसे तीन पाकिस्तानी नागरिक : एडीजी दराद

पटना। बिहार में नेपाल के रास्ते कोई आतंकी प्रवेश नहीं किया था। जिन तीन आतंकियों के बिहार में घुसने की सूचना मिली थी, दरअसल, वे दुबई से काठमांडू होकर मलेशिया चले गए हैं। बिहार के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) कानून-व्यवस्था (लॉ एंड ऑडर) पंकज दराद ने पत्रकारों से बातचीत में इसकी जानकारी दी। एडीजी पंकज दराद ने पत्रकारों से बातचीत में जानकारी दी कि तीन पाकिस्तानी नागरिक जैश से जुड़े हो सकते हैं, लेकिन उन्होंने बिहार में इंट्री नहीं की, वे दुबई से काठमांडू होकर मलेशिया चले गए हैं। अब तक की जांच में यह बात सामने आई है कि बिहार में किसी भी आतंकी की इंट्री नहीं हुई है। दरअसल, जिन तीन पाकिस्तानी नागरिकों को लेकर यह दावा किया जा रहा था कि वे बिहार में दाखिल हुए हैं, उनकी ट्रैवल हिस्ट्री की जांच के बाद हकीकत कुछ और निकली है। एडीजी के मुताबिक जांच में पाया गया कि तीनों पाकिस्तानी नागरिक 8 अगस्त को दुबई से काठमांडू (नेपाल) पहुंचे थे, लेकिन वहां से वे सीधे मलेशिया रवाना हो गए। इस दौरान उनके बिहार की सीमा में दाखिल होने का कोई सबूत या सुराग नहीं मिला।

भारत की युवा पीढ़ी देश-दुनिया का नेतृत्व करने में सक्षमः सिंधिया

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आईआईटी-दिल्ली के टेक फेस्ट ईएसवाईए में छात्रों को संबोधित करते हुए भारत को विश्वगुरु बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत की युवा पीढ़ी आने वाले वर्षों में न केवल देश का बल्कि पूरे विश्व का नेतृत्व करने में सक्षम है। सिंधिया ने भारत की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि नालंदा और तक्षशिला जैसे प्राचीन विश्वविद्यालयों से लेकर शून्य के आविष्कार तक, ज्ञान की खोज भारतीय सभ्यता का हिस्सा रही है। उन्होंने कहा, हार्वर्ड की सबसे बड़ी लाइब्रेरी भी नालंदा के सामने छोटी लगती है। वह चिंगारी आज भी हमारे भीतर जीवित है। केंद्रीय मंत्री ने छात्रों से नए रास्ते तलाशने और नवाचार करने का आह्वान करते हुए कहा कि यह आयोजन सपनों को साकार करने का लॉन्चपैड है। उन्होंने कहा कि भारत के युवा अब केवल राष्ट्र निर्माण ही नहीं बल्कि वैश्विक नेतृत्व करने की क्षमता रखते हैं। सिंधिया ने छात्रों को याद दिलाया कि भारत का उत्थान उसकी सभ्यतागत मूल्यों पर आधारित है।

पीड़ित मानव की सेवा ही ईश्वर की सच्ची पूजाः शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

मैसूर। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पीड़ित मानव की सेवा ही ईश्वर की सच्ची पूजा है। राजनीति विभाजन का कारण बन सकती है, लेकिन धर्म लोगों को जोड़ता है। शिवरात्रि राजेंद्र महास्वामीजी के मार्गदर्शन में सुत्तूर मठ सेवा का ही विकल्प है।

आज, महास्वामीजी ने सभी दलों के प्रतिनिधियों को एक साथ लाकर एक आदर्श स्थापित किया है।केंद्रीय मंत्री चौहान कर्नाटक के मैसूर जिले के श्री सुत्तूर मठ में आयोजित लेफ्टिनेंट डॉ. शिवरात्रि राजेंद्र महास्वामीजी की 110वीं जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि एक हज़ार साल पहले आदि जगद्गुरु का स्थापित यह मठ आज एक वृक्ष

की तरह फल-फूल रहा है और सैकड़ों शिक्षण संस्थानों के माध्यम से समाज सेवा में संलग्न है। गरीब बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा, कोविड के दौरान अनाथ बच्चों की देखभाल, अस्पतालों में मात्र 50 रुपये में इलाज, ये सभी सच्ची जनसेवा के उदाहरण हैं। उन्होंने इसे ईश्वर की आराधना बताया।केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, किसान आत्मा और जीवन है। किसान की सेवा करना मेरे लिए ईश्वर की पूजा है। हम उत्पादन बढ़ाने और लागत कम करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कई योजनाएं लागू कर रहे हैं, ताकि किसानों को उचित मूल्य मिल सके। एकीकृत कृषि के माध्यम से जमीन के छोटे भूखंडों पर भी लाभदायक कृषि संभव है। राष्ट्रहित में एकजुटता का आह्वान करते हुए केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि भारत आज की दुनिया को शांति का मार्ग दिखा सकता है। इसलिए देश को सशक्त बनना होगा। हम सभी का कर्तव्य है कि हम अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करें। इस अवसर पर सांसद यदुवीर ओडेरा सहित स्थानीय प्रतिनिधि और कई संत उपस्थित थे।

पश्चिम बंगाल : चंद्रकोणा रोड पर भीषण सड़क हादसा, 1 की मौत, 6 घायल

एजेंसी

पश्चिम मेदिनीपुर । पश्चिम मेदिनीपुर जिले के गरबेटा-3 प्रखंड के चंद्रकोणा रोड पर शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 60 पर डुकी इलाके में हुई इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि छह अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में से एक की हालत नाजुक होने के कारण उसे मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसा सुबह के समय हुआ, जब कुछ राजमिस्त्री और मजदूर एक पिकअप वैन में चंद्रकोणा रोड से मेदिनीपुर की ओर जा रहे थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, वैन तेज गति से चल रही थी और डुकी इलाके में अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान समीम मंडल के रूप में हुई है। बाकी छह लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही चंद्रकोणा रोड बीट हाउस की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर घायलों को वैन से बाहर निकाला और उन्हें शालबनी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल ले जाया गया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोगों में गुस्सा और चिंता का माहौल है। पुलिस ने बताया कि हादसे की वजह वैन की तेज रफ्तार और चालक की लापरवाही हो सकती है, लेकिन सही कारणों का पता जांच के बाद चलेगा। मृतक समीम मंडल के परिजनों को सूचना दे दी गई है। घायलों का इलाज जारी है, जिसमें एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने वैन को कब्जे में ले लिया है और चालक से पूछताछ की तैयारी है।

सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान ने आधिकारिक वेबसाइट लॉन्च की

एजेंसी

नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संगठन सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट www.spniwcd.wcd.gov.in लॉन्च की। यह कदम प्रशिक्षण की डिजिटलाइजेशन प्रक्रिया तथा शिक्षण सामग्रियों, वीडियो को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण है।

नई दिल्ली से इस वेबसाइट का औपचारिक शुभारंभ महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने किया। इस मौके पर अन्नपूर्णा देवी ने इस अवसर पर कहा कि यह पोर्टल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि के अनुरूप है, जो डिजिटल इंडिया और विकसित भारतञ्च2047 के निर्माण में डिजिटलाइजेशन को एक आधारस्तंभ मानते हैं। उन्होंने कहा कि यह पोर्टल ज्ञान, शोध और संसाधनों के प्रसार का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा और नागरिक-केंद्रित सुशासन को और मज़बूत करेगा। उन्होंने कहा कि इस वेबसाइट की मुख्य आकर्षणों में ई-लर्निंग मॉड्यूल, ई-आर्काइव व डिजिटल लाइब्रेरी, रीयल-टाइम डैशबोर्ड शामिल है। इसके साथ इसके माध्यम

से ऑनलाइन पंजीकरण व अपॉइंटमेंट, चाइल्ड गाइडेंस सेंटर, एडवांस्ड डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एंड काउंसलिंग, राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सौहार्द, इंटरैक्टिव फ़ीडबैक मैकेनिज़्म भी पुख्ता है। उन्होंने कहा कि यह पहल सरकार की इस प्रतिबद्धता को दोहराती है कि महिला एवं बाल विकास से जुड़ी जानकारी और सेवाएँ सभी तक सुलभ हों, और एक समावेशी, सशक्त और डिजिटल रूप से सक्षम विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे।

क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के हिसाब से विकसित होंगे राज्यों के मुख्य हवाई अड्डे

एजेंसी

लखनऊ। देश में उड़ान योजना को विस्तार देने के लिए अब राज्यों के प्रमुख हवाई अड्डों को आसपास के छोटे एवं मझोले शहरों एवं कस्बों को क्षेत्रीय कनेक्टिविटी प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित किया जाएगा। केन्द्र सरकार की उड़ान योजना में सरकार ने बीते 11 साल में देश को 74 हवाई अड्डों से 162 हवाई अड्डों तक पहुंचा दिया और इस दौर में हवाई यात्रियों की संख्या 16.8 करोड़ से बढ़ कर 41.2 करोड़ तक हो गई है। इस योजना के अगले चरण में उड़ान एवं यात्री संख्या की दृष्टि से छोटे हवाई अड्डों वाले शहरों एवं आसपास के शहरों, कस्बों के निकट अपेक्षाकृत बड़े हवाई अड्डे को क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के हिसाब से विकसित करने की योजना पर निजी हवाई अड्डा आपरेटर भी काम कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की मदद से राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन कर रहा अडाणी समूह इस हवाई अड्डे को वाराणसी, कानपुर, अयोध्या, प्रयागराज, कुशीनगर आदि शहरों एवं क्षेत्र के अन्य कस्बों के लिए भी कनेक्टिविटी का केंद्र बनाने के जुटा हुआ है। अडाणी समूह को

निजी सरकारी साझीदारी के मॉडल पर लखनऊ का हवाई अड्डा नवंबर 2020 में 50 साल के पट्टे पर सौंपा गया था। अडाणी समूह के अधिकारियों के अनुसार इस हवाई अड्डे की यात्री क्षमता करीब 40 लाख यात्रियों की थी जो अब 70 लाख यात्रियों की हो चुकी है। वर्ष 2026-27 में यह क्षमता 80 लाख करने का काम चल रहा है। इसमें नये टर्मिनल भवन का निर्माण, 15 विमानों के एकसाथ हैंडलिंग की व्यवस्था, रनवे पर कैट-3 से भी आधुनिक तकनीक से खराब मौसम और शून्य दृश्यता में भी आसान लैंडिंग का इंतजाम शामिल है। नये टर्मिनल भवन के निर्माण में 2401 करोड़ रुपए, रनवे के विस्तार एवं रनवे पर नये कारपेट और लाइटों एवं कैट-3 के उन्नयन पर करीब 184 करोड़ रुपये खर्च कर चुका है तथा उसकी क्षमता विस्तार के लिए 900 करोड़ रुपये और व्यय करने की योजना है।

वायुसेना प्रमुख ने की पूर्वी कमान की परिचालन तैयारियों की समीक्षा

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने पूर्वी वायु कमान की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। मेघालय स्थित कमान मुख्यालय में 28 और 29 अगस्त को आयोजित कमांडर्स कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने वायु सेना अधिकारियों को संबोधित किया। इस दौरान एयर चीफ मार्शल ने पूर्वोत्तर और उत्तरी सीमाओं की सुरक्षा में पूर्वी वायु कमान की अहम भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने उभरते खतरों और चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट रणनीति अपनाने तथा किसी भी परिस्थिति से निपटने की उच्च स्तरीय तैयारियां बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। सम्मेलन में वायु अधिकारी कमांडिंग-इन-चीफ, पूर्वी वायु कमान एयर मार्शल सुरत सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी

मौजूद रहे। सम्मेलन का मुख्य फोकस परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने और अन्य सशस्त्र बलों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित करने पर रहा, ताकि क्षेत्र में संयुक्त अभियानों को सुचारू रूप से संचालित किया जा सके। एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह का स्वागत एयर मार्शल सुरत सिंह ने शिलांग के एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड पर किया, जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया गया। इसके बाद उन्हें कमांडर्स और वरिष्ठ अधिकारियों से परिचित कराया गया। यात्रा के दौरान 29 अगस्त को उन्होंने एयर फोर्स स्कूल, केंद्रीय विद्यालय और उम्मीद विद्या किरण स्कूल के विद्यार्थियों से भी संवाद किया। यह संवाद बच्चों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी रहा और उनके मन में गहरी छाप छोड़ गया। गौरतलब है कि शिलांग मुख्यालय वाली पूर्वी वायु कमान की जिम्मेदारी 11 राज्यों तक फैली है। इसके स्थायी एयरबेस चाबुआ, गुवाहाटी, बागडोगरा, बैरकपुर, हासीमारा, जोरहाट, कलाइकुंडा और तेजपुर में स्थित हैं, जबकि अग्रिम एयरबेस अगरतला, कोलकाता, पानागढ़ और शिलांग में हैं।

नक्सल हिंसा के पीड़ितों ने सांसदों से विपक्षी दलों के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार का समर्थन न करने की अपील की

एजेंसी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के बस्तर और सुकमा जैसे नक्सल प्रभावित इलाक़ों से जुड़े पीड़ितों ने सांसदों से अपील की है कि वे इंडी गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी का समर्थन न करें। कांस्टीट्यूशन क्लब में बस्तर शांति समिति द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में पीड़ितों ने कहा कि 2011 में सुप्रीम कोर्ट का आदेश, जिसमें जस्टिस रेड्डी ने सलवा जुडूम (राज्य समर्थित आदिवासी बल, जिसे 'कोया कमांडो' भी कहा जाता था) को ग़ैरक़ानूनी और असंवैधानिक करार दिया था। इससे उनकी नक्सलियों से लड़ने की क्षमता कमज़ोर हुई, नक्सलियों का मनोबल बढ़ा,और उनके जीवन को और ख़तरा बढ़ गया। पीड़ितों ने कहा कि अगर सलवा जुडूम पर रोक का आदेश नहीं होता तो 2014 तक नक्सली हमारे क्षेत्र से भाग गए होते और आज उनके परिवार के मारे गए सदस्य उनके साथ होते। बस्तर शांति समिति के संयोजक जयराम ने कहा, जब सलवा जुडूम को ताकत मिली थी, तब नक्सली इतने कमजोर हो गए थे कि उनका खात्मा होने वाला था। लेकिन रेड्डी साहब के सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने नक्सलियों को फिर से हिम्मत दी। इससे नक्सलवाद एक नासूर बन गया। उन्होंने बताया कि सलवा जुडूम के तहत छत्तीसगढ़ सरकार ने आदिवासी नौजवानों को स्पेशल पुलिस ऑफिसर बनाकर नक्सलियों के खिलाफ मोर्चा खोला था।

हिमाचल में भूस्खलन से 914 सड़कें बंद, अगले दो दिन बहुत भारी वर्षा का ओरेंज अलर्ट

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी वर्षा ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई जिलों में सड़क, बिजली, पेयजल और संचार आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। जगह-जगह भूस्खलन से भारी नुकसान हुआ है और राज्यभर में 900 से ज्यादा सड़कें बंद हो चुकी हैं। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए भारी से बहुत भारी वर्षा का ओरेंज अलर्ट जारी किया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम तक दो नेशनल हाइवे और 914 सड़कें बंद रहीं। साथ ही 925 बिजली ट्रांसफार्मर और 266 पेयजल योजनाएं ठप हो गईं। चंबा जिला सबसे अधिक प्रभावित रहा जहां 265 सड़कें अवरुद्ध हैं। मंडी में 222, कुल्लू में 160, सिरमौर में 96 और कांगड़ा में 60 सड़कें बंद रहीं। चंबा जिले में 395 ट्रांसफार्मर खराब हो गए हैं। पांगी और भरमौर क्षेत्र में संचार व्यवस्था ठप होने के कारण वहां की वास्तविक स्थिति का ब्यौरा उपलब्ध नहीं हो पाया है। कुल्लू में 237, मंडी में 203 और लाहौल स्पीति में 42 ट्रांसफार्मर बंद हैं। वहीं चंबा जिले में 121, मंडी में 72 और

कुल्लू व शिमला में 35-35 पेयजल स्कीमें प्रभावित हुई हैं।बीते 24 घंटों में सिरमौर जिले के जतौन बैरेज में सर्वाधिक 140 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। पालमपुर में 91, भरवाई में 80, संधोल में 77, पांवटा साहिब में 75, कसौली में 62, नाहन में 60, सोलन में 57, गोहर में 55, बिलासपुर में 50 मिमी और शिमला में शुक्रवार शाम भारी वर्षा हुई। मौसम विभाग ने 30 और 31 अगस्त को भारी से बहुत भारी वर्षा का ओरेंज अलर्ट जारी किया है। 1 और 2 सितंबर को येलो अलर्ट रहेगा जबकि 3 और 4 सितंबर को भी मौसम खराब रहने की संभावना है, हालांकि कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। जिलावार पूर्वानुमान के अनुसार 30 अगस्त को चंबा, कांगड़ा और कुल्लू में भारी बारिश का ओरेंज अलर्ट रहेगा, जबकि 31 अगस्त को उना, कांगड़ा, मंडी और सिरमौर में भारी वर्षा का ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इस मानसून सीजन में अब तक हिमाचल प्रदेश में 317 लोगों की मौत हो चुकी है, 40 लापता हैं और 374 लोग घायल हुए हैं।

चुनावी बॉन्ड नियम रद्द करने का फैसला अभाविप के संघर्षों का परिणामः सार्थक शर्मा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव लड़ने के लिए एक लाख रुपये के अनिवार्य चुनावी बॉन्ड के प्रावधान को रद्द करने के फैसले को अपने निरंतर संघर्षों और छात्रहित में किए गए प्रयासों का परिणाम बताया है। अभाविप दिल्ली के प्रांत मंत्री सार्थक शर्मा ने एक बयान में कहा कि यह जीत सिर्फ अभाविप की नहीं, बल्कि दिल्ली विश्वविद्यालय के हर छात्र की जीत है। अभाविप का मानना है कि चुनाव लोकतंत्र का उत्सव है और इसमें आर्थिक बाधाएं डालना छात्रों के अधिकारों का हनन है। अभाविप ने छात्रों की आवाज को मजबूती से उठाया और यह संघर्ष सफल हुआ है। अभाविप छात्र हित के हर मुद्दे पर इसी प्रतिबद्धता के साथ संघर्षरत रहेगी। शर्मा ने कहा कि यह प्रावधान यदि लागू रहता तो दिल्ली विश्वविद्यालय में लोकतांत्रिक परंपरा को गहरी चोट पहुंचती।

लोक सभा अध्यक्ष ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया

एजेंसी

भुवनेश्वर। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधिनिर्माताओं से राष्ट्रहित के मुद्दों पर दलगत भावना से ऊपर उठकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संसद और विधानमंडलों में बैठकों की संख्या कम होना तथा सदस्यों का अमर्यादित आचरण लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए चिंता का विषय है। भुवनेश्वर, ओडिशा में संसद और राज्य विधानमंडलों की अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण समितियों के सभापतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए बिरला ने कहा कि संविधान की मूल भावना सामाजिक न्याय और अवसर की समानता पर आधारित है और यही भारत की लोकतांत्रिक यात्रा की दिशा तय करती रही है। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर का यह विजन आज भी भारत की प्रगति का मार्गदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि दशकों में इस विजन को ठोस रूप दिया गया है, जिसके चलते अनुसूचित जाति और जनजाति समुदाय से जुड़े लोग देश के राष्ट्रपति से लेकर मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री जैसे सर्वोच्च पदों पर आसीन हुए हैं।

यह भारत के लोकतंत्र की परिपक्वता और समावेशिता का प्रमाण है। बिरला ने इस अवसर पर कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और सरकारी धन के पारदर्शी उपयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं की नियमित निगरानी और समयबद्ध क्रियान्वयन से ही वंचित वर्गों तक विकास का लाभ पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि सच्चा सशक्तिकरण केवल वित्तीय सहायता से नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, सम्मान और अवसरों की बराबरी से ही संभव है। समितियों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि वे संसदीय लोकतंत्र का मूल आधार हैं। सदन की राजनीतिक बाधाओं से इतर समितियां गहन विचार-विमर्श करती हैं और आम सहमति से सिफारिशें प्रस्तुत करती हैं। विशेष रूप से अनुसूचित जाति और जनजाति कल्याण समितियां योजनाओं की प्रगति और बजटीय प्रावधानों की समीक्षा करती हैं तथा सरकार को जवाबदेह बनाती हैं। उन्होंने कहा कि समितियों के प्रतिवेदन न केवल सुधार का मार्ग प्रशस्त करते हैं बल्कि नीति निर्धारण में भी ठोस योगदान देते हैं। यही कारण है कि इन समितियों की भूमिका समय के साथ और अधिक सशक्त हुई है। उन्होंने भरोसा जताया कि भुवनेश्वर सम्मेलन से सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में नई रणनीतियां सामने आएंगी। इस अवसर पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश तथा संसदीय समिति के सभापति डॉ. फग्गन सिंह कुलस्ते ने भी संबोधन किया। उद्घाटन सत्र में ओडिशा विधान सभा की अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी ने स्वागत भाषण दिया जबकि उपाध्यक्ष भवानी शंकर भोई ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में हथियारों का जखीरा बरामद

एजेंसी

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में अबूझमाड़ के दुर्गम जंगलों एवं पहाड़ों में नक्सल विरोधी माड़ बचाव अभियान के तहत सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली। नारायणपुर पुलिस, डीआरजी, एसटीएफ और आईटीबीपी की संयुक्त कार्रवाई में नक्सलियों से मुठभेड़ हुई, जिसमें नक्सली अंधाधुंध फायरिंग करते हुए घने जंगल और नदी-नालों का सहारा लेकर भाग निकले। मुठभेड़ के बाद की गई तलाशी अभीयान में सुरक्षाबलों ने बड़ी मात्रा में अत्याधुनिक हथियार, विस्फोटक सामग्री और नक्सल साहित्य बरामद किया। बरामद हथियारों में एलएमजी, ट्रिची असॉल्ट रायफल, इंसास, एसएलआर, स्टेनगन, मोर्टार, पिस्टल, देशी कट्टा, बीजीएल लॉन्चर, 49 भरमार बंदूक, हैंड ग्रेनेड, डेटोनेटर, वायर, जीपीएस उपकरण सहित 300 से अधिक सामग्री शामिल है। नारायणपुर एसपी रोबिनसन गुरिया ने बड़ी मात्रा में अत्याधुनिक हथियार, विस्फोटक सामग्री बरामदगी की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि हमारा मुख्य उद्देश्य अबूझमाड़ के मूल निवासियों को नक्सलवाद से बचाकर उन्हें विकास और शांति की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने नक्सली संगठन में सक्रिय सभी नक्सलियों से अपील करते हुए कहा कि हिंसा छोड़कर आत्मसमर्पण नीति अपनाएं और समाज के मुख्य धारा में शामिल हों। उन्होंने कहा कि अब नक्सली अबूझमाड़ क्षेत्र में कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं और उनके ठिकाने लगातार सिमटते जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार बीते 24 अगस्त को पुलिस अधीक्षक रोबिनसन गुरिया के निर्देश पर डीआरजी, एसटीएफ और आईटीबीपी की संयुक्त टीम टारगेट एरिया कसोड़, कुमुराडी, माड़ोड़ा, खोड़पार और गट्टाकाल की ओर रवाना हुई थी। अभियान के दौरान कुतुल एरिया कमेटी के नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों ने जवाबी कार्रवाई की तो सभी नक्सली मौके से भाग निकले। लगातार मूसलाधार बारिश और नदी-नालों के उफान के बावजूद सुरक्षाबलों ने पांच दिनों तक नक्सल विरोधी गश्त अभियान जारी रहा।

राजस्थान रॉयल्स को लगा बड़ा झटका, राहुल द्रविड़ ने हेड कोच पद से अचानक दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल द्रविड़ ने राजस्थान रॉयल्स से नाता तोड़ लिया है। जयपुर स्थित इस फ्रैंचाइज़ी ने शनिवार (30 अगस्त) को एक्स के ज़रिए इस खबर की पुष्टि की कि द्रविड़ सिर्फ़ एक सीज़न के बाद ही अपने पद से हट रहे हैं। राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल में 46 मैच खेलने वाले द्रविड़ पिछले साल भारतीय टीम के मुख्य कोच के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद फ्रैंचाइज़ी में मुख्य कोच के रूप में शामिल हुए थे। लेकिन दुनिया की सबसे अमीर फ्रैंचाइज़ी क्रिकेट लीग के 2025 संस्करण में द्रविड़ कुछ ख़ास कमाल नहीं दिखा पाए।

उनके मार्गदर्शन में, आरआर 14 में से केवल चार मैच ही जीत पाई और लीग तालिका में नौवें स्थान पर रही। राजस्थान रॉयल्स ने द्रविड़ के विदाई पोस्ट पर लिखा कि गुलाबी रंग में आपकी उपस्थिति ने युवा और अनुभवी दोनों को प्रेरित किया। हमेशा रॉयल्स। हमेशा आभारी। फ्रैंचाइज़ी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि राजस्थान रॉयल्स ने आज घोषणा की कि मुख्य कोच राहुल द्रविड़ आईपीएल 2026 से पहले फ्रैंचाइज़ी के साथ अपना कार्यकाल समाप्त कर देंगे। राहुल कई वर्षों से रॉयल्स के सफ़र के केंद्र में रहे हैं। उनके नेतृत्व ने खिलाड़ियों की एक पीढ़ी को प्रभावित किया है, टीम में मज़बूत मूल्यों का संचार किया है और फ्रैंचाइज़ी की संस्कृति पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

फ्रैंचाइज़ी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहाफ्रैंचाइज़ी की संरचनात्मक समीक्षा के तहत, राहुल को फ्रैंचाइज़ी में एक व्यापक पद की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। राजस्थान रॉयल्स, उसके खिलाड़ी और दुनिया भर के लाखों प्रशंसक फ्रैंचाइज़ी के प्रति उनकी उल्लेखनीय सेवा के लिए राहुल का हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। द्रविड़ दूसरे ऐसे मुख्य कोच हैं जिन्होंने आईपीएल 2026 की मेगा नीलामी से पहले किसी आईपीएल फ्रैंचाइज़ी से नाता तोड़ लिया है। पिछले महीने कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी चंद्रकांत पंडित से नाता तोड़ लिया था। आईपीएल 2023 से पहले केकेआर में मुख्य कोच के रूप में शामिल हुए पंडित ने 2024 में मुख्य कोच के रूप में आईपीएल खिताब जीता था। आशीष नेहरा के बाद, वह मुख्य कोच के रूप में आईपीएल खिताब जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय हैं।

यूएस ओपन : नोवाक जोकोविच ने चौथे दौर में जगह बनाई

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच ने यूएस ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली है। जोकोविच ने गैरवरीय ब्रिटिश खिलाड़ी कैमरन नॉरी को 6-4, 6-7(4), 6-2, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। 38 साल के जोकोविच यूएस ओपन के अंतिम 16 में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले 1991 में जिमी कॉनर्स ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

जोकोविच ने मेजर टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा हार्डकोर्ट जीत के मामले में रोजर फेडरर को पीछे छोड़ते हुए अपनी 102वीं जीत दर्ज की। चार बार के यूएस ओपन चैंपियन ने नॉरी के खिलाफ अपना शानदार रिकॉर्ड 7-0 तक भी पहुंचाया।

जीत के बाद जोकोविच ने कहा, 'मुझे लगता है कि किसी भी मैच में आप बिना किसी नाटकीयता के सीधे सेटों में जीतना चाहते हैं और आसानी से जीत हासिल करना चाहते हैं, लेकिन यह संभव नहीं है। मेरी टीम चाहती है कि मैं कोर्ट पर संघर्ष करूं ताकि मैं मैच खेलने में कुछ और समय बिता सकूं। मैंने विंबलडन के बाद से कोई मैच नहीं खेला था।' उन्होंने कहा, 'मैं अभी भी कोर्ट पर अपनी लय और लय ढूंढ़ने की कोशिश कर रहा हूं।'

पहले सेट में 5-4 की बढ़त लेने के बाद नोवाक जोकोविच को पीठ की समस्या महसूस हुई। सेट खत्म करने के लिए वापस लौटने से पहले उन्होंने इलाज के लिए कुछ देर के लिए कोर्ट छोड़ दिया। दूसरे सेट की शुरुआत उन्होंने ज्यादा सावधानीपूर्वक की। उनकी सर्विस की गति कम रही। जोकोविच को एक कड़े टाईब्रेकर में संघर्ष करना पड़ा, जिसे नॉरी ने जीत लिया। तीसरे सेट में ब्रिटिश खिलाड़ी ने जल्दी ही अपनी सर्विस तोड़ दी, लेकिन जोकोविच ने लगातार तीन गेम जीतकर जवाब दिया। पूरी तरह से नियंत्रण हासिल करते हुए, जोकोविच ने तीसरे सेट को खत्म किया और चौथे सेट में दबदबा बनाते हुए जीत पक्की कर ली। जोकोविच का अगला मुकाबला जान-लेनार्ड स्ट्रफ के साथ होगा।

रैना ने किया 2027 वनडे विश्व कप के लिए रोहित और विराट का समर्थन, कहा- उनके पास काफी अनुभव

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों को 2027 के वनडे विश्व कप में खेलना चाहिए क्योंकि वे न केवल पहले खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे है बल्कि उनके पास इस बड़े टूर्नामेंट के लिए आवश्यक अनुभव भी है। दोनों खिलाड़ी टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके हैं लेकिन वे वनडे विश्व कप जीतने का सपना अभी भी पूरा कर सकते है।

रोहित और विराट के भारतीय टीम में भविष्य को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही है। अटकलें इस पर भी है कि दो साल बाद होने वाले विश्व कप में वे भारतीय टीम का हिस्सा होंगे या नही। विश्व कप शुरू होने तक रोहित 40 साल के हो जाएंगे जबकि विराट 39 साल के। दोनों को वनडे विश्व कप में खेलने के लिए भारतीय टीम द्वारा खेले जाने वाले एकदिवसीय मैचों में नियमित रूप से हिस्सा लेना होगा।

रैना ने कहा, 'रोहित और कोहली को 2027 का वनडे विश्व कप खेलना चाहिए क्योंकि उन्होंने टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। रोहित और विराट दोनों के पास बहुत अनुभव है। मुझे लगता है कि वे 2027 के विश्व कप में जरूर खेलेंगे। उन्हें खेलना चाहिए।'

रोहित और विराट दोनों के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली भारत की आगामी तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में खेलने की संभावना है। इस दौरे के बाद भारतीय टीम नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला भी खेलेगी। रोहित और विराट ने इन दोनों श्रृंखलाओं की तैयारी शुरू कर दी है।

रोहित और विराट ने मई की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास की घोषणा करके क्रिकेट जगत को चौंका दिया था। जिससे इंग्लैंड के अहम दौरे से ठीक पहले भारतीय टेस्ट टीम में एक बड़ा खालीपन आ गया।

औकिब नबी ने दलीप ट्रॉफी में रचा इतिहास, 4 गेंदों में 4 विकेट, एलीट लिस्ट में हुए शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करते हुए जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी ने गेंद से कहर बरपाते हुए बेंगलुरू में नोर्थ जोन बनाम ईस्ट जोन मैच में चार गेंदों में चार विकेट लेकर शानदार हैट्रिक ली। औकिब पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में भी सबसे सफल तेज गेंदबाज रहे। उन्होंने फरवरी में अपने आखिरी प्रथम श्रेणी मैच में भी छह विकेट लिए थे।

दलीप ट्रॉफी में देश के कुछ सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के खिलाफ उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। नोर्थ जोन बनाम ईस्ट जोन मैच में उन्होंने अपने पहले आठ ओवरो में कोई विकेट नही लेने के बाद सिर्फ 13 गेंदों में पांच विकेट चटकाए। औकिब ने शुरुआत में तो गेंद से कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया लेकिन उनके प्रदर्शन में बदलाव आया। जिससे अंततः नोर्थ जोन को बड़ी बढ़त हासिल हुई। जब ईस्ट जोन सिर्फ 183 रन पिछे रह गया था तब नबी ने गेंद से प्रभाव छोड़ते हुए 102 गेंदों पर 69 रन बनाने वाले ईस्ट जोन के अहम बल्लेबाज विराट सिंह को क्लीन बोल्ड किया। जिससे उन्होंने अहम साझेदारी को तोड़ा।

यह आउट होना एक ऐतिहासिक स्पेल की शुरुआत थी। नबी ने अगली ही गेंद पर मनीष को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया जिससे उन्हें दो गेंदों में दो विकेट मिल गए और नोर्थ जोन की स्थिति मजबूत हो गई। इसके बाद उन्होंने दलीप ट्रॉफी में अपने पहले ही मैच में मुख्तार हुसैन को बोल्ड करके हैट्रिक पूरी की जिससे ईस्ट जोन का स्कोर 222/5 से घटकर सिर्फ तीन गेंदों में 222/8 हो गया।

नबी का खेल अभी खत्म नही हुआ था। अपने अगले ओवर की पहली गेंद पर उन्होंने सूरज सिंधु जायसवाल का विकेट लिया और दलीप ट्रॉफी के इतिहास में दोहरी हैट्रिक चार गेंदों पर चार विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में ऐसा करने वाले केवल चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए। वह यही नही रुके उन्होंने मोहम्मद शमी के रूप में अपना पांचवा विकेट पूरा किया। इस शानदार प्रदर्शन ने नॉर्थ जोन को 175 रनो की शानदार बढ़त दिला दी।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में प्री-फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे खिलाड़ी : बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने साफ कर दिया है कि सभी अनुबंधित खिलाड़ियों को फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार एकदिवसीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा भी बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में प्री-फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे। रोहित के साथ शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, वाशिंगटन सुंदर, यशस्वी जायसवाल, मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर भी यो-यो टेस्ट देंगे। ये टेस्ट प्री-सीजन टेस्ट का हिस्सा हैं हालांकि विराट कोहली का फिटनेस टेस्ट कब होगा। इसकी जानकारी नहीं मिली है। पूर्व . यह पहली बार है जब रोहित टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि केन्द्रीय अनुबंध में शामिल सभी खिलाड़ियों को प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। यह बोर्ड के दिशानिर्देशों के अनुसार जरुरी है। इस अधिकारी ने कहा, 'सभी खिलाड़ियों को प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा, ये टेस्ट सीओई को यह समझने में मदद करते हैं कि खिलाड़ियों को किन चीजों पर काम करने की जरूरत है या वे कहां कमी महसूस कर रहे हैं। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के बाद एक बड़ा ब्रेक था। इसलिए खिलाड़ियों को घर पर फिट बने रहने के लिए एक्ससाइज सेट दिए गए थे।'

वैभव कबड्डी के मैदान में चौके छक्के लगाते हुए दिखे

विशाखापत्तनम। उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी प्रो कबड्डी लीग के 12 सत्र की शुरुआत में पहुंचे। यहां वैभव ने बल्लेबाजी के साथ ही कबड्डी भी खेली। इस युवा बल्लेबाज के आते ही प्रशंसकों का उत्साह भी बढ़ गया। साथ ही कबड्डी खिलाड़ी भी उनसे मिलने के लिए उत्साहित दिखे। वैभव भी इस दौरान खुश नजर आ रहे थे पर असली मजा तो तब आया जब कबड्डी के मैदान में वैभव ने जमकर चौके, छक्के लगा दिये। इसके बाद उन्होंने खिलाड़ियों के साथ कबड्डी भी खेली। इसका एक वीडियो भी वायरल हुआ है। इसमें वह कबड्डी के मैदान में चौके छक्के लगाते हुए नजर आए। इस वीडियो को प्रो कबड्डी के आधिकारिक अकाउंट से शेयर किया गय। वह इस दौरान कबड्डी के दांव पेच भी लगाते दिखे। इसमें वैभव सभी के आकर्षण का केन्द्र रहे। वैभव ने पूर्व प्रो कबड्डी खिलाड़ी प्रदीप नरवाल से भी मुलाकात की। नरवाल कबड्डी लीग इतिहास के सबसे सफल रेडर है। परदीप ने पीकेएल 2025 की नीलामी में किसी टीम के नहीं खरीदने पर कबड्डी को अलविदा कह दिया था। वैभव को आईपीएल के 2025 सीजन के लिए राजस्थान रॉयल्स ने 1.1 करोड़ रुपए में खरीदा था। इसके बाद 14 साल के इस खिलाड़ी ने आईपीएल 2025 के 7 मैचों में 252 रन बनाए। वैभव आईपीएल में केवल 35 गेंदों पर शतक लगाकर सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। आईपीएल खत्म होने के बाद वैभव ने इंग्लैंड में अंडर 19 क्रिकेट में भी शानदार प्रदर्शन कर प्रभावित किया था।

बीसीसीसी का फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद ही एशिया कप के लिए उड़ान भर सकेंगे शुभमन

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान बनाये गये शुभमन गिल को एशिया कप के लिए रवाना होने से पहले फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। भारतीय टीम 4 सितंबर को दुबई के लिए उड़ान भरेगी, मगर इससे पहले शुभमन को अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। वह पिछले कुछ समय से बुखार के कारण दिलीप ट्रॉफी से भी बाहर हो गये हैं। ऐस में अब उन्हें एशिया कप के लिए बीसीसीआई का एक टेस्ट पास करना होगा। जिसके बाद ही वह दुबई जा सकेंगे। यह टेस्ट एशिया कप के लिए जाने वाले सभी खिलाड़ियों के लिए जरुरी है। बोर्ड किसी भी खिलाड़ी को रियायत नहीं देना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार शुभमन फिटनेस टेस्ट के लिए बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) पहुंच गए हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि गिल का फिटनेस टेस्ट कब होगा, लेकिन संभवतः यह अगले कुछ दिनों में होगा। संभावना है कि गिल एशिया कप के लिए बेंगलुरु से सीधे यूएई जाएंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि गिल पिछले कुछ समय से बीमार होने के कारण चंडीगढ़ में आराम कर रहे थे, इसी वजह से उन्हें दलीप ट्रॉफी से भी बाहर होना पड़ा था। ठीक होने के बाद उन्होंने कुछ अभ्यास भी किया था। एशिया कप के लिए भारतीय टीम 4 सितंबर को दुबई पहुंचेगी। खिलाड़ी अपने-अपने स्थाने से उड़ान भरेंगे और दुबई में एकत्रित होंगे। माना जा रहा है कि टीम मैनेजमेंट ने पहला नेट सत्र 5 सितंबर को रखा है। हालांकि नेट अभ्यास के लिए स्थान अभी तय नहीं किया गया है पर संभावना है कि यह दुबई स्थित आईसीसी अकादमी में आयोजित किया जाएगा। भारतीय टीम ने इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में अपने सफल अभियान के दौरान यही अभ्यास किया था।

हीरो एशिया कप 2025 राजगीर: दूसरे दिन गोलों की बरसात और पूल-बी में उलटफेर

भुवनेश्वर (ओडिशा) (एजेंसी)। हीरो एशिया कप राजगीर, बिहार 2025 का दूसरा दिन रोमांच से भरपूर रहा, जब पूल-बी के मुकाबले सुर्खियों में छा गए। दर्शकों ने दो यादगार मैच देखे – पहला जबरदस्त गोलों की बारिश वाला और दूसरा एक रोमांचक रणनीतिक जंग जो अंतिम क्षणों तक संघर्षपूर्ण रहा।

मैच 1: बांग्लादेश बनाम चीनी ताइपेई - दो हाफ़ की कहानी

बांग्लादेश ने चीनी ताइपेई पर 8-3 की शानदार जीत दर्ज की, लेकिन स्कोरलाइन पूरी कहानी नहीं बताती। हाफ-टाइम तक मुकाबला 2-2 पर बराबरी पर था और चीनी ताइपेई ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाया। लेकिन दूसरे हाफ़ में बांग्लादेश ने आक्रामक खेल का तूफ़ान ला दिया और छह गोल दागकर टूर्नामेंट की अपनी पहली जीत हासिल कर ली।

मैच 2: कोरिया बनाम मलेशिया - दिग्गजों पर मलेशिया की बढ़त

दिन का दूसरा मुकाबला पूल-बी की एक क्लासिक भिड़ंत थी, जिसमें कोरिया और मलेशिया आमने-सामने थे। हाफ-टाइम तक स्कोर 1-1 से बराबरी पर था। लेकिन दूसरे हाफ़ में मलेशिया ने अपने मौक़ों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए तीन गोल दागे और 4-1 से बड़ी जीत दर्ज की। यह नतीजा पूल-बी की अंक तालिका के लिए अहम साबित हो सकता है, क्योंकि मलेशिया ने खुद को गंभीर दावेदार के रूप में पेश किया।

दिन 2 का सारांश
कुल 2 मैच
कुल 16 गोल

बांग्लादेश की गोल बारिश और मलेशिया की धमाकेदार जीत ने पूल-बी को हिला डाला।

कल का कार्यक्रम - रविवार, 31 अगस्त 2025 (पूल-ए की वापसी):

13:00 - मैच 07: चीन बनाम कज़ाख़स्तान
15:00 - मैच 08: जापान बनाम भारत

हीरो एशिया कप राजगीर, बिहार 2025 अब और भी रोमांचक होता जा रहा है। कल मेज़बान भारत और जापान की टक्कर होगी, जो निस्संदेह टूर्नामेंट का एक ब्लॉकबस्टर मुकाबला साबित होगा।

हॉकी : एशिया कप के लिए चीन रवाना हुई भारतीय महिला टीम

बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम महिला एशिया कप के लिए शनिवार को चीन के हांग्जो रवाना हो गई। 20 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व सलीमा टेटे कर रही हैं। टेटे ने हॉकी विश्व कप 2026 में जगह पक्की करने के उद्देश्य से एशिया कप जीतने का लक्ष्य रखा है। सलीमा ने कहा, 'यह टूर्नामेंट हमारे लिए अगले साल होने वाले एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप में जगह बनाने का अवसर है। हम इसी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमारी पहली प्राथमिकता अपने पूल में शीर्ष पर रहना और सुपर फोर में पहुंचना है। वहां से, हम मैच दर मैच ट्रॉफी की ओर बढ़ेंगे।' 20 सदस्यीय टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण है। गोलकीपर बंसरी सोलंकी और बिचु देवी खारीबाम टीम में गहराई प्रदान करते हैं। रक्षा इकाई में निक्की प्रधान और उदिता जैसी अनुभवी खिलाड़ी हैं। इनका साथ युवा मनीषा चौहान, ज्योति, सुमन देवी थौदम और इशिका चौधरी देंगी। मिडफील्ड में नेहा, कप्तान सलीमा टेटे, लालरेम सियामी, शर्मिला देवी, सुनीता टोप्पो और वैष्णवी विट्ठल फाल्के जैसे मजबूत खिलाड़ी हैं। फॉरवर्ड में नवनीत कौर, संगीता कुमारी, मुमताज खान, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग और रुतजा दादासो पिसल हैं। भारत को पूल बी में रखा गया है। ग्रुप की अन्य टीमें जापान, थाईलैंड और सिंगापुर हैं। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 5 सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगी। उसके बाद 6 सितंबर को जापान के खिलाफ और फिर 8 सितंबर को सिंगापुर के खिलाफ अपना अंतिम लीग मैच खेलेगी। भारत ने महिला एशिया कप दो बार जीता है, पहला 2004 में और फिर 2017 में। पिछले महिला एशिया कप में भारतीय टीम तीसरे नंबर पर रही थी। महिला एशिया कप 2025 का आयोजन चीन के हांगजो शहर में 5 से 14 सितंबर तक होगा।

बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग - भारत को एक पदक मिलना तय

पेरिस। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। सात्विक और चिराग ने पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक को 21-12, 21-19 से हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। इस जीत के साथ ही अब भारत को एक पदक मिलना तय हो गया है। 43 मिनट तक चले मुकाबले में सात्विक और चिराग ने मलेशियाई जोड़ी को आसानी से हरा दिया। जीत के बाद चिराग ने कहा, बहुत अच्छा लग रहा है। यह ओलंपिक जैसा ही मुकाबला था और मुझे लगता है कि हमने तब इस जोड़ी से मिली हार का हिसाब बराबर कर लिया है। उन्होंने कहा, इस जोड़ी के खिलाफ खेलना हमेशा अच्छा लगता है। बड़े आयोजनों में हमारे बीच हमेशा कुछ कड़े मुकाबले होते रहे हैं। इसलिए जीत हासिल करने की हमें बहुत खुशी है। वहीं सात्विकसाईराज ने भी अंतिम चार में जगह बनाने के लिए अपने प्रदर्शन पर संतोष जताया है। उन्होंने कहा, दूसरे गेम में, जब हम आगे चल रहे थे तब भी मुझे पूरा भरोसा था कि हमें जीत के लिए काफी प्रयास करने होंगे क्योंकि विरोधी इतनी आसानी से हार नहीं मानेंगे। सात्विकसाईराज ने कहा, जब हमने गेम जीते तो मुकाबला कांटे का था पर हम बस अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलना चाहते थे। हमारा पूरा ध्यान अपने खेल पर था। आज हमने जिस तरह से खेला, उससे में उत्साहित हूं। सेमीफाइनल में चीन की 11वीं वरीयता प्राप्त चेन बो यांग और लियू यी के खिलाफ होने वाले मैच को लेकर भारतीय जोड़ी ने कहा कि कहा कि वह इसे टूर्नामेंट के किसी भी अन्य मैच की तरह ही लेंगे। शेट्टी ने कहा, हमारा ध्यान हमेशा एक मैच पर है। चीनी जोड़ी अच्छी और मजबूत है। हम उनके खिलाफ पहले भी खेल चुके हैं। मैच का इंतजार है।

एशिया कप शुरू होने से पहले हुआ बड़ा बदलाव, अब इतने बजे खेलें जाएंगे मुकाबले

स्पोर्ट्स डेस्क। एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होगी, और टूर्नामेंट की मेज़बानी अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम और दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम द्वारा की जाएगी। टूर्नामेंट का शेड्यूल पहले ही जारी किया जा चुका था, लेकिन अब एक अहम अपडेट सामने आया है।

समय में बदलाव- मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, अब एशिया कप के मुकाबले भारतीय समयानुसार रात 8 बजे (स्थानीय समय 6:30 बजे) से शुरू होंगे। पहले यह मैच शाम 7:30 बजे निर्धारित थे, लेकिन यूएई में गर्मी और उमस को देखते हुए आयोजकों ने मैचों के समय को आधे घंटे बढ़ा दिया है। इस फैसले को ब्रॉडकास्टर्स ने भी स्वीकार कर लिया है।

यूएई के मौसम को लेकर लिया फैसला- यूएई का मौसम क्रिकेट मैचों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासकर गर्मी और उमस के कारण खिलाड़ियों और दर्शकों को मुश्किल हो सकती है। दिन के समय तापमान बेहद उच्च रहता है, जिससे शाम को भी गर्मी का असर बरकरार रहता है। आयोजकों ने यह फैसला लिया है कि मैचों को रात के समय आधा घंटा आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर खेल स्थितियां मिलें और दर्शकों को स्टेडियम में आरामदायक अनुभव हो।

टीम इंडिया का मैच शेड्यूल- भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा। इसके बाद 14 सितंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगा। ग्रुप स्टेज का आखिरी मुकाबला भारत 19 सितंबर को ओमान के खिलाफ खेलेगा। सुपर-4 के मुकाबले 20 सितंबर से शुरू होंगे, और टूर्नामेंट का फाइनल मैच 28 सितंबर को खेला जाएगा।

बेंगलुरु भगदड़ का दर्द: आरसीबी ने जान गंवाने वाले 11 फैंस के परिवारों को दिए 25 लाख रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल 2025 सीज़न का खिताब जीतने के बाद बेंगलुरु में हुई भगदड़ ने विश्व क्रिकेट को स्तब्ध कर दिया। 11 लोगों की जान लेने और कई अन्य को घायल करने वाली इस भगदड़ ने प्रभावित सभी लोगों पर गहरा असर डाला। इस भगदड़ के लिए सीधे तौर पर ज़िम्मेदार ठहराई जा रही आरसीबी ने घटना के 84 दिनों बाद तक सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट नहीं किया और फिर आरसीबी केयर फंड की घोषणा की।

हालांकि, फ्रैंचाइज़ी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर भगदड़ पीड़ितों के परिवारों के लिए 25 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की। टीम ने कहा कि यह पीड़ितों के प्रति उनकी सहानुभूति है, न कि केवल वित्तीय सहायता। आरसीबी ने ट्वीट किया कि 4 जून, 2025 को हमारा दिल टूट गया। हमने आरसीबी परिवार के ग्यारह सदस्यों को खो दिया। वे हमारा हिस्सा थे। हमारे शहर, हमारे समुदाय और हमारी टीम को अद्वितीय बनाने वाली चीज़ों का हिस्सा। उनकी अनुपस्थिति हम सभी की यादों में हमेशा रहेगी।

बयान में आगे कहा गया कि उनके द्वारा छोड़ी गई जगह को कोई भी सहयोग कभी नहीं भर सकता। लेकिन पहले कदम के तौर पर, और गहरे सम्मान के साथ, आरसीबी ने उनके परिवारों को 25-25 लाख रुपये दिए हैं। सिर्फ़ आर्थिक मदद के तौर पर नहीं, बल्कि करुणा, एकता और निरंतर देखभाल के वादे के तौर पर। गौरतलब है कि आरसीबी केयर्स एक ऐसा कार्यक्रम होगा जो आगे चलकर पूरी तरह से सहायता प्रदान करने और प्रशंसकों की सहभागिता बढ़ाने पर केंद्रित होगा। भगदड़ पीड़ितों को वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए, आरसीबी ने कहा कि यह तो बस शुरुआत है और वे प्रभावित सभी लोगों के लिए काम करना जारी रखेंगे।

फ्रैंचाइज़ी को उम्मीद होगी कि यह नई पहल उन्हें पटरी पर लाने में मदद करेगी, क्योंकि भगदड़ के दुष्परिणाम पहले ही उन पर पड़ चुके हैं। गौरतलब है कि इस टीम ने टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को हराकर 18 साल बाद पहली बार आईपीएल खिताब जीता था।

हृदयपूर्वम को लेकर मालविका मोहनन ने किया मोहनलाल का शुक्रिया

निर्देशक साथियान एंथिकाड की आगामी फिल्म हृदयपूर्वम में मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल और मालविका मोहनन साथ नजर आएंगे। इस फिल्म के सेट की कुछ तस्वीरें मालविका ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की हैं। हृदयपूर्वम में काम करने को लेकर मालविका ने पोस्ट के जरिए फिल्म के निर्देशक और एक्टर मोहनलाल का शुक्रिया अदा किया है।

मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर फिल्म हृदयपूर्वम की कई तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही फिल्म के निर्देशक साथियान एंथिकाड और मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल का शुक्रिया अदा करते हुए कैप्शन में लिखा, अभी भी खुद को चुटकी काट रही हूं...मैं अभी भी यकीन नहीं कर पा रही कि मुझे इन दो शानदार हस्तियों के साथ काम करने का मौका मिला। ये दोनों इतने बड़े कलाकार हैं, फिर भी इतने गर्मजोशी भरे, संवेदनशील और साथ काम करने में शानदार जोड़ी हैं। इसके लिए मैं हमेशा भाग्य की आभारी रहूंगी। हृदयपूर्वम रिलीज हो रही है और मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि मेरे पेट में तितलियां उड़ रही हैं।

फिल्म हृदयपूर्वम

मोहनलाल और मालविका मोहनन के अलााव फिल्म में संगीत प्रताप, संगीता, सिद्दीकी, निशान, बाबूराज, लालू एलेक्स और जनार्दन जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन साथियान एंथिकाड ने किया है। फिल्म की कहानी अखिल सत्यन ने लिखी है। इसकी पटकथा और संवाद सोनू टीपी ने लिखे हैं। फिल्म का संगीत जस्टिन प्रभाकरन ने दिया है।

करण जौहर की नई सीरीज में तमन्ना और डायना पेंटी निभाएंगी प्रमुख भूमिका

निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने एक नई सीरीज की घोषणा की है। सीरीज का पहला पोस्टर जारी करते हुए करण ने इसकी रिलीज डेट के बारे में भी जानकारी साझा की है। इस सीरीज में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और डायना पेंटी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगी।

प्राइम वीडियो पर होगी स्ट्रीम

करण जौहर ने नई सीरीज की घोषणा की है। करण ने अपने इंस्टाग्राम पर आज सीरीज का पहला पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर में सीरीज की लीड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और डायना पेंटी नजर आ रही हैं। पोस्टर में दोनों अभिनेत्रियां चश्मा लगाए नजर आ रही हैं। करण ने इसकी रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है, जिसके मुताबिक यह नई सीरीज 12 सितंबर से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम करेगी।

ये सितारे भी आ सकते हैं नजर

हालांकि, अभी तक सीरीज के बारे में और जानकारी तो सामने नहीं आई है और न ही इसकी कास्ट का पता चला है। लेकिन करण जौहर ने अपनी पोस्ट में तमन्ना और डायना के अलावा नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, जावेद जाफरी, नीरज काबी और रणविजय जैसे सितारों को भी मेंशन किया है। जिससे ये उम्मीद जताई जा रही है कि ये सितारे भी सीरीज का प्रमुख हिस्सा हो सकते हैं।

तमन्ना और डायना का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो तमन्ना को आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'ओडेला 2' में देखा गया था। वहीं अजय देवगन की फिल्म 'रेड 2' में भी उनका एक शानदार आइटम सॉन्ग देखने को मिला था। वहीं डायना पेंटी की बात करें तो वो आखिरी बार दिलजीत दोसांझ के साथ फिल्म 'डिटेक्टिव शेरदिल' में नजर आई थीं। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी।

भाई शहबाज को बिग बॉस 19 में एंट्री ना मिलने पर बोलीं शहनाज गिल

सलमान खान का रियलिटी शो बिग बॉस 19 शुरू होते ही सुर्खियों में आ गया है। शो की प्रीमियर नाइट पर दर्शकों को एक बड़ा ट्विस्ट देखने को मिला जब फैन्स का फैसला सेगमेंट रखा गया। इस मौके पर यूट्यूबर मृदुल तिवारी और शहनाज गिल के भाई शहबाज बदेशा में से दर्शकों को वोटिंग के जरिए चुनने का मौका दिया गया। नतीजों में मृदुल ने बाजी मार ली और शहबाज को घर में एंट्री नहीं मिल सकी।

शहनाज गिल का इमोशनल मैसेज

शहबाज की हार के बाद उनकी बहन और बिग बॉस 13 की कंटेस्टेंट शहनाज गिल ने सोशल मीडिया पर अपने भाई के लिए एक इमोशनल और इंस्पायरिंग नोट लिखा। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की जिसमें शहबाज़ और सलमान खान गले मिलते दिख रहे हैं। इस तस्वीर के साथ शहनाज ने लिखा कि चाहे घर में एंट्री मिली या नहीं, लेकिन सपना पहले ही पूरा हो चुका है क्योंकि सलमान सर के साथ स्टेज शेयर करना और उन्हें मिलना किसी भी जीत से कम नहीं है। उन्होंने आगे भाई को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें गर्व है।

शहबाज को नहीं मिल सकी एंट्री

बिग बॉस के मेकर्स ने इस बार दर्शकों को शुरुआत से ही जोड़ने के लिए फैन्स का फैसला पेश किया। इसमें तय हुआ कि मृदुल तिवारी शो का हिस्सा बनेंगे और शहबाज बाहर हो जाएंगे। हालांकि, शहबाज को मंच पर सलमान के साथ मिलने का अनुभव जीवनभर याद रहेगा।

बिग बॉस 19 की थीम और कंटेस्टेंट्स

24 अगस्त को लॉन्च हुए बिग बॉस 19 की थीम है- घरवालों की सरकार। राजनीतिक तड़के के साथ तैयार यह सीजन लगभग छह महीने तक चलने वाला है। इस बार 16 कंटेस्टेंट्स ने घर में कदम रखा है, जिनमें टीवी और फिल्म जगत के चेहरे ही नहीं बल्कि सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर भी शामिल हैं। शो में गौरव खन्ना, कुनिका सदानंद, आवेज दरबार, नगमा मिराजकर, आमाल मलिक, अशनूर कौर, जीशान कादरी, अभिषेक बजाज, नतालिया जानोशेक, फरहाना भट्ट, मृदुल तिवारी, नीलम गिरी, प्रणीत मोरे, बेसिर अली, तान्या मित्तल और नेहल जैसे नाम इस बार दर्शकों का मनोरंजन करेंगे।

शहनाज की अपकमिंग फिल्म

बता दें शहनाज गिल की आने वाली पंजाबी फिल्म इक कुड़ी का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ है। शहनाज ने इसे साझा करते हुए लिखा था कि भले ही दुनिया बदल जाए लेकिन कुछ कहानियां हमेशा वही रहती हैं। यह फिल्म 19 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

देशभक्ति की भावना का एहसास होना अद्भुत

निर्माता-निर्देशक और अभिनेता फरहान अख्तर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म '120 बहादुर' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म का टीजर सामने आ चुका है, जिसमें बहादुरी की कहानी देखने को मिली। अब दर्शक फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। अब अभिनेता फरहान अख्तर ने फिल्म से जुड़े अपने अनुभवों के बारे में बात की।

प्रेरणादायक है फिल्म की कहानी

फिल्म के बारे में बात करते फरहान अख्तर ने कहा कि इस फिल्म की कहानी उस युद्ध की है जो शैतान सिंह और उनके योद्धाओं ने लड़ा था। यह कहानी अब किंवदंतियों का विषय बन गई है। जब मैंने यह कहानी सुनी, न केवल शैतान सिंह की, बल्कि उनके साथ लड़ने वाले सैनिकों की भी, तो इसने मुझे सचमुच प्रेरित किया। यह एहसास दिलाने के लिहाज से बहुत प्रेरणादायक था कि अगर आप दृढ़ निश्चयी हैं, तो आप अपने लोगों और समाज के लिए कितना कुछ कर सकते हैं। इस भावना ने मुझे सचमुच बहुत ज्यादा प्रभावित किया।

फिल्म को लेकर उत्साहित हैं फरहान

अभिनेता ने आगे कहा कि ऐसा करने पर आपको देशभक्ति की एक अद्भुत भावना का एहसास होता है। यह किसी तरह भारतीय होने के अर्थ को सामने लाता है। यह आपके अंदर कुछ जगाता है। आगे एक्टर्स के विचारधारा के बारे में बात करते हुए फरहान ने कहा कि हम सभी कलाकारों में आगे बढ़ने की इच्छा होती है। लेकिन यह एक ऐसी कहानी है जो समय की कसौटी पर खरी उतरी है। यह तथ्य कि यह मुझ तक पहुंची है और लगभग 64 साल बाद इसे बनाने का उत्साह, अपने आप में बहुत कुछ कहता है।

रवि तेजा और श्रीलीला की मास जथारा की रिलीज स्थगित

रवि तेजा और श्रीलीला की फिल्म मास जथारा के लिए फैंस को और इंतजार करना होगा। यह फिल्म पहले 27 अगस्त को रिलीज होने वाली थी। लेकिन अब किन्हीं कारणों की वजह से फिल्म की रिलीज डेट टाल दी गई है, जिसकी वजह निर्माताओं ने पोस्ट के जरिए साझा की है। फिल्म मास जथारा की रिलीज जो 27 अगस्त को होने वाली थी, उद्योग-व्यापी हड़ताल और कुछ तकनीकी देरी के कारण टाल दी गई है। निर्माताओं ने बताया कि नई रिलीज तारीख जल्द घोषित की जाएगी।

सीथारा एंटरटेनमेंट्स ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, हड़ताल और सामग्री पूरी करने में देरी के कारण मास जथारा 27 अगस्त को रिलीज नहीं हो पाएगी। लेकिन हम जल्द ही आपके लिए यह फिल्म सिनेमाघरों में लाने के लिए काम कर रहे हैं।

मास जथारा के बारे में फिल्म के प्रशंसक, जो गणेश चतुर्थी पर इसके रिलीज होने का इंतजार कर रहे थे, इस खबर से निराश हो चुके हैं। अभिनेता नवीन चंद्रा ने हाल ही में बताया था कि फिल्म की डबिंग शुरू हो चुकी है और यह एक दमदार और जमीन से जुड़ी कहानी होगी। एक्शन-ड्रामा फिल्म मास जथारा का निर्देशन भानु बोगावरापु ने किया है। इस फिल्म में रवि तेजा और श्रीलीला मुख्य भूमिकाओं में हैं। सिनेमैटोग्राफी विधु अयन्ना और संपादन नवीन नूली ने किया है। फिल्म निमार्ण सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज ने मिलकर किया है।

जहां आप राष्ट्रवादी नहीं होते, आप छाती नहीं पीटते

विवेक अग्निहोत्री ने हाल ही में जॉन अब्राहम पर निशाना साधा और कहा कि उन्होंने फिल्मों की बजाय बॉडी बनाने और बाइक चलाने की सलाह दी। बता दें कि जॉन अब्राहम ने हाल ही में देशभक्ति फिल्मों में संयम की जरूरत पर जोर दिया था और कुछ बातें कही थीं।

जॉन अब्राहम देशभक्ति फिल्मों को लेकर कहा

जॉन अब्राहम देशभक्ति फिल्मों में संयम की जरूरत पर जोर दिया है। वहीं उधर द बंगाल फाइल्स के डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री ने हाल ही में जॉन अब्राहम को लेकर कहा था कि वो सिर्फ एक एक्टर हैं, इतिहासकार या फिर कोई बुद्धिजीवी नहीं। उन्होंने कहा था कि वह बाइक चलाने और अपनी बॉडी दिखाने और प्रोटीन खाने के लिए जाने जाते हैं, उन्हें इन्हीं चीजों पर ध्यान देना चाहिए, फिल्मों में न ही घुसे तो बेहतर है।

जोर-जोर से चिल्लाने की जरूरत नहीं है

बातचीत में जॉन ने कहा कि राष्ट्र के बारे में बनी फिल्मों को सार्थक बनाने के लिए जोर-जोर से चिल्लाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, फिल्में बिना किसी कट्टर राष्ट्रवाद के संयमित और जिम्मेदाराना तरीके से देशभक्तिपूर्ण हो सकती हैं। उन्होंने अपनी फिल्म द डिप्लोमैट का उदाहरण देते हुए इसे समझाया, जिसमें उन्होंने राजनेता जेपी सिंह की भूमिका निभाई है। जॉन ने कहा, ऐसी फिल्में होती हैं जो देशभक्ति से भरपूर होती हैं और बहुत मायने रखती हैं।

जहां आप राष्ट्रवादी नहीं होते आप अपनी छाती नहीं पीटते

उन्होंने आगे कहा, इसलिए नहीं कि मैंने ऐसा किया है, बल्कि इसलिए कि द डिप्लोमैट उन फिल्मों में से एक है जहां आप राष्ट्रवादी नहीं होते, आप अपनी छाती नहीं पीटते। बल्कि आप एक लचीले, मौन और संयमित तरीके से देशभक्त होते हैं।

कुछ फिल्में इसका फायदा उठा रही हैं

उन्होंने कहा, कुछ फिल्में इसका फायदा उठा रही हैं और अच्छी कमाई कर रही हैं। यह देखना वाकई दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि जब आप कुछ फिल्में देखते हैं, तो आप पाते हैं कि उनमें कोई बारीकियां या क्राफ्ट नहीं है, बल्कि आप देखते हैं कि उनमें कुछ बनावटी बातें हैं और आज यह देखना डरावना है।

कभी भी ऐसी फिल्में नहीं करेंगे...

इसी के साथ जॉन ने कॉमेंट पर फिल्म मेकर विवेक अग्निहोत्री ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। इससे पहले, जॉन ने द कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्म का उदाहरण देते हुए कहा था कि वह कभी भी ऐसी फिल्में नहीं करेंगे जो लोगों को राजनीतिक रूप से प्रभावित करती हों।

हाल ही में अग्निहोत्री ने एक इंटरव्यू में जॉन पर पलटवार करते हुए उनसे सिनेमा पर कॉमेंट करने से पूरी तरह बचने को कहा। उन्होंने कहा, वह मोटरबाइक चलाने, अपनी बॉडी दिखाने और प्रोटीन खाने के लिए जाने जाते हैं, उन्हें इन्हीं चीज़ों पर ध्यान देना चाहिए। फिल्मों में न ही घुसे तो बेहतर है।

जॉन इतिहासकार, बुद्धिजीवी थिंकर और राइटर नहीं

विवेक अग्निहोत्री ने हाल ही में जॉन पर निशाना साधते हुए कहा था, जॉन इतिहासकार, बुद्धिजीवी, थिंकर और राइटर नहीं हैं। वह सत्यमेव जयते जैसी कट्टर राष्ट्रवादी फिल्में भी बनाते रहे हैं। उन्होंने द डिप्लोमैट और उसी तरह की कई मूवीज बनाई हैं। उन्होंने कई कारणों से कहा होगा। अगर आपने मुझे बताया होता कि किसी महान इतिहासकार ने यह कहा है, तो मैं इसे समझ जाता। मुझे इसकी परवाह नहीं कि वह क्या कह रहे हैं। भारत का माहौल कब हाइपर-पॉलिटिकल नहीं था? ऐसा कब था जब भारत में हिंदू-मुस्लिम और जातिगत मुद्दे कभी अस्तित्व में नहीं रहे?

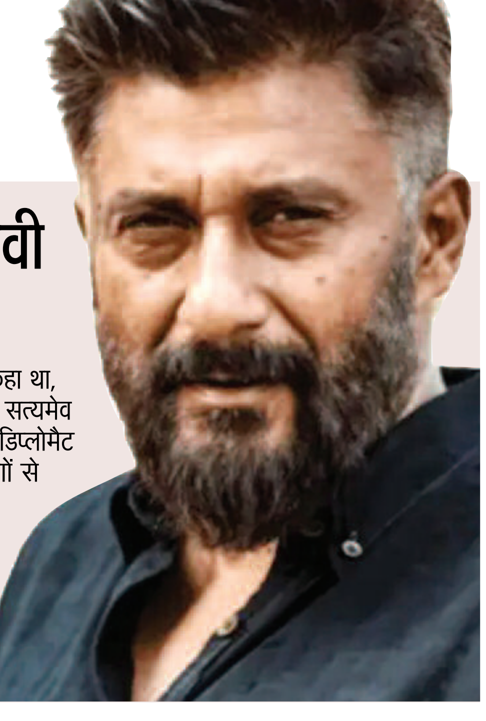

इस तरह से करें बेकार पड़े प्लास्टिक के कपों का इस्तेमाल

हम सभी बाजार से बहुत सी ऐसी चीजें ला कर इस्तेमाल करते हैं जो प्लास्टिक के कपों, बोतल, बर्तनों, थैलों आदि में आती है। हम घर की सफाई करने के लिए इन कपों, बोतलों आदि का इस्तेमल करने के बाद कचरे में फेक देते हैं। पर यह सभी चीजें फेंकने के बाद भी जल्दी से गलती नहीं हैं। ऐसी प्लास्टिक की चीजों को गलने में बहुत समय लगता है। बहुत से शहरों और राज्यों में इन चीजों का उपयोग करने के लिए प्रतिबंध लगाएं गए हैं। इसलिए आज हम आपको इन प्लास्टिक के कपों को घर में इस्तेमाल करने के लिए कुछ आसान से टिप्स बताएगें। इसे आप इन चीजों को फिर से रीसायकल बिन कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं...

- पेन रखने के लिए स्टैंड बनाएं

आप इन कपों से पेन रखने के लिए स्टैंड बना सकते हैं। ताकि बच्चें अपना प्रोजेक्ट बनाने का सारा सामान इसमें इकट्ठा करके रख सकें। - टूथब्रश रखने के लिए होल्डर अक्सर हम सभी जब बाजार से दही लेकर आते हैं तो दही खाने के बाद उन कपों को फेक देते हैं। आप इन कपों को फेंकने की जगह रंगों से डिजाइन बना कर घर में इस्तेमाल कर सकते हैं। जैसे कि उन्हें बाथरूम में टूथब्रश रखने के लिए होल्डर बना कर टांग सकते हैं।

- पैसे रखने के लिए

आप इन बेकार पड़े प्लास्टिक कपों में टूटे सिक्कों रख सकते हैं, ताकि आप सिक्को को एक जगह पर रखे सकें और ढूंढने में किसी तरह की दिक्कत भी न हो। - एस्सेसरीज चीजें रखने के लिए

जब भी हम किसी फंक्शन से आते हैं तो अपनी कीमती चीजें जैसे कि ईयरिंग्स या चैन आदि को घर में कही भी रख देते हैं। जिसे यह सारी चीजें गुम हो सकती हैं। इसलिए इन्हें एक जगह पर रखने के लिए ऐसी एस्सेसरीज चीजों को इकट्ठा करके इन प्लास्टिक कपों में संभाल कर रख सकती हैं। - पौधे लगाने के लिए बीज बोएं

आप घर में इन बेकार पड़े प्लास्टिक कपों और बाल्टियों में मिट्टी डालकर पौधो के बीज लगा सकते हैं, जैसे कि धनिया, पुदिना आदि के बीज। - कपों का पेपरवेट बनाएं

बाजार से मंहगे पेपरवेट लाने की जगह पर आप घर में बेकार पड़े सामान और प्लास्टिक के हैवी कपों का पेपरवेट बना सकते है। - कलर पैलेट

अगर आपके बच्चों चित्रकला का करने का शौक रखते हैं तो उन्हें रंगों के अलग-अलग शेड बनाने के लिए प्लास्टिक के कप दें सकते है। इन कपों में रंग सूखते नहीं है और उन्हें इस्तेमाल में भी लाया जा सकता हैं।

घर में कॉकरोचों का खात्मा करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

आजकल हर घर में कॉकरोच आम देखने को मिलते हैं। कॉकरोच घर में जगह-जगह पर आपना घर बना कर मजे से रहते हैं। ऐसे में अगर हमारी किचन में खाने पीने की चीजों के आस पास कॉकरोच घुमते रहें तो पेट जैसी बहुत सी बीमारियां हो जाती हैं। अगर आप कॉकरोचों से परेशान हो गए है तो आज हम आपको कॉकरोचों का खात्मा करने के लिए कुछ आसान से घरेलू टिप्स बताएगें। तो आइए जानते हैं...

-लौंग

वैसे तो हम सभी लौंग का इस्तेमाल खाने में करते हैं, पर अगर आपके रसोईघर में बहुत ज्यादा कॉकरोच है तो उनसे मुक्ती पाने के लिए भी इसका उपयोग कर सकते है। ऐसे में अगर आप किचन कैबिनेट के अंदर थोड़े लौंग रख दें ताकि कॉकरोच भाग जाए।

-रेड वाइन

आप रसोईघर में बनी कैबिनेट के अंदर एक कटोरी में 1/3 रेड वाइन रख कर भी इनका खात्मा कर सकते हैं। - पाउडर वाली चीनी कॉकरोचों का खात्मा करने के लिए आप एक कटोरी में या फिर किसी बोतल की ढक्कन में चीनी का पाउडर डाल कर रख दें। चीनी को बोरिक एसिड के साथ मिलाकर भी रख सकते है।

-अण्डा

घर में हर कोई अंडा तो खाता ही है। पर हम सभी अण्डे के छिलकों को कचरे के डिब्बा में फेक देते है। अब आप ऐसा न करें। यदि आपकी किचन में कॉकरोच हैं तो उन्हें दूर करने के लिए आप अण्डे के छिलको को कैबिनेट या स्लेब पर रख दें।

-बेकिंग पाउडर

किचन में कॉकरोचों का खात्मा करने के लिए कटोरे में बेकिंग पाउडर डाल कर कैबिने के अंदर और बाहर रख दें। ध्यान में रखें कि 10-15 दिनों के बाद इस बदल जरूर दें क्योंकि नमी की वजह से इसकी महक चली जाती है।

घर में रखा है पालतू जानवर, तो इस तरह से करें

साफ-सफाई

जिन लोगों को घर में जानवर रखने का शौक है उन्हें उसकी देखभाल के साथ-साथ घर की साफ-सफाई का भी बहुत ध्यान रखना पड़ता है। वह जानवर की देखभाल अपने बच्चों की तरह करते हैं। फिर भी वह जितनी भी कोशिश कर लें, पर उनके लिए घर की सफाई करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। ऐसे में जानवर आपके घर की साफ-सफाई को खराब कर ही देता है क्योंकि उसके शरीर के बाल घर में जगह-जगह पर बिखरे रहते हैं। इसलिए आज हम आपको बताएंगे कि आप जानवर होने पर किस तरह से घर की साफ-सफाई करें। तो आइए जानते है कैसे...

- नस्ल के बारे में जान लें घर में जानवर रखने से पहले उसकी नस्ल के बारे में जरूर जान लें क्योंकि कुछ नस्ल के जानवरों के बाल गिरते रहते हैं। ऐसे में आप घर पर हल्के बालों वाले जानवर ही पाले।

- देखभाल

अगर आपने घर में ऐसी नस्ल वाला जानवर रखा है जिसके बाल गिरते है तो ऐसे जानवरों के बालों की देखभाल जरूर करें। ऐसे में उसे समय पर नहलाएं और उसकी एक ड्रेस बना कर पहनाएं। हो सके तो जानवर के बालों को अच्छा रखने वाली दवा व क्रीम लगाएं।

- कारपेट और कपड़े

घर की सफाई करते समय कॉरपेट, बेडशीट, बिस्तर, सोफा आदि को अच्छे से साफ जरूर करें क्योंकि इस पर जानवर के बाल भी लगे हो सकते हैं। कोशिश करें कि हर हफ्ते एक बार वैक्यूम क्लीनर से घर के साफ जरूर करें।

- दाग

जानवर घर में कहीं भी मल या मूत्र देखे हैं, जिससे उस जगह पर दाग पड़ जाते हैं।अगर वह कॉरपेट पर कर दें तो यह जल्दी खराब हो जाता है। इसलिए उस जगह को शीघ्र ही साफ करें।

- कमरे की सजावट

कमरे में पड़े महंगे सामान को जानवर की पहुंच से दूर रखें। कमरे को तभी खोंले जब घर में मेहमान आएं। हो सके तो सभी चीजों की दिन में एक बार डस्टिंग जरूर कर लें।

- जानवर से फर्श को बचाएं

अगर आपके घर में पीवीसी शीट वाली फर्श बिछी है तो जानवर से फर्श को बचाएं क्योंकि सभी जानवरों के पंजे गढ़ाने की गंदी आदत होती है। वह शीट वाली फर्श को खराब कर सकता है। - प्रशिक्षण दें

अगर आप घर में जानवर को रखना चाहते हैं तो उसे घर में बैठने-उठने की अच्छी ट्रेनिंग दें।

खुश रहना है बहुत आसान

आपको यह बात थोड़ी अटपटी लग सकती है, लेकिन सच है कि कुछ छोटी-छोटी बातों को अपनी जीवनशैली में शामिल करके हमेशा तनावमुक्त और खुश रह सकती हैं।

1. सुबह अपने लिए थोड़ा समय जरूर निकाले ताकि आपके मस्तिष्क में अच्छे विचार आ सकें। इसके लिए आंखें बंद करके सकारात्मक भाव वाली किसी कविता या प्रार्थना का सस्वर पाठ करते हुए गहराई से उसका अर्थ समझने का प्रयास करे। इस दौरान नाक से सांस लें और उसे मुंह से वापस छोड़े। दिन भर तनावमुक्त रहने के लिए यह अच्छा व्यायाम है।

2. हाल ही में किए गए सर्वेक्षणों से यह तथ्य सामने आया है कि जो लोग सुबह का नाश्ता नहीं करते उनमें शारीरिक और मानसिक तनाव बहुत अधिक होता है और जो लोग सुबह के नाश्ते में पौष्टिक चीजें जैसे स्प्राउट्स, फल, जूस आदि लेते है उन्हे किसी तरह के तनाव का अनुभव नहीं होता। नाश्ते में मौजूद जिंक, विटमिन सी, विटमिन बी और मैग्नीशियम आपके शरीर को तनाव के नकारात्मक असर से लड़ने की ऊर्जा देते है।

3. अपने शारीरिक और मानसिक तनाव के लक्षणों को पहचानने की कोशिश करे कि किस स्थिति में आप स्वयं को ज्यादा तनावग्रस्त महसूस करती है। जब कभी तनाव महसूस हो तो इसे दूर करने के लिए आप यह करे-अपनी पीठ बिलकुल सीधी रखें, पेट के निचले हिस्से को भीतर की ओर हलका सा सिकोड़े और वापस उसी अवस्था में छोड़ दें। कम से कम चार-पांच बार ऐसा करने से आप स्वयं को तनावमुक्त महसूस करेगी। इससे सांस सही ढंग से चलने लगती है।

4. कंप्यूटर पर लगातार काम करते-करते आंखें थक जाती है। इस समस्या से बचने के लिए कम से कम हर तीन घंटे के अंतराल पर अपनी हथेलियों से दो मिनट के लिए पलकें बंद करे और फिर धीरे-धीरे आंखें खोलें। इससे आराम महसूस होगा।

5. हंसना तनाव दूर करने का सबसे आसान उपाय है। इसलिए टीवी पर गंभीर कार्यक्रमों के बजाय कोई कॉमेडी शो देखें।

6. संगीत तनाव दूर करने का सबसे बेहतर जरिया है। इसलिए वीकएंड में न सिर्फअपनी पसंद का संगीत सुनें, बल्कि खुद भी खुले गले से गुनगुनाएं। वैज्ञानिक सर्वेक्षणों से साबित हो चुका है कि गाने से मस्तिष्क तक ऑक्सीजन का प्रवाह तेज गति से होता है और इससे व्यक्ति तनावमुक्त महसूस करता है।